सेंसेक्स	~	81,306.85
निफ्टी	~	24,870.10
सोना	~	1,00,530
चांदी	~	1,18,000
डॉलर	~	87.25

बालाघाट एक्सप्रेस

E-mail: balaghatexpress@gmail.com

PMG

हिन्दी दैनिक

/padmeshmedia /padmeshmedia

epaper.balaghatexpress.in

बालाघाट
शनिवार 23 अगस्त 2025
भाद्रपद कृष्ण 15 विक्रम सम्वत 2082
वर्ष 16, अंक 329
पृष्ठ 12
मूल्य ₹ 7.00

पीएम हो या सीएम भ्रष्टाचारी जेल भी जाएगा और उसकी कुर्सी भी जाएगी- पीएम मोदी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बिहार में 13 हजार करोड़ की विकास परियोजनाओं की शुरुआत की। इसके साथ ही दो ट्रेनों को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। जनसभा को संबोधित करते हुए पीएम ने मगही भाषा में अपने भाषण की शुरुआत की। इस दौरान उन्होंने कहा कि मुझे जनता का सेवक बनकर काम करने में खुशी होती है। इसके साथ ही उन्होंने आरजेडी पर भी जमकर हमला बोला है। उन्होंने कहा कि आरजेडी के लालटेन राज ने बिहार को लाल आतंक में जकड़ लिया था। गयाजी में जनसभा में अपना संबोधन मगही भाषा में शुरू किया। उन्होंने कहा- हम अपने सब के अभिनंदन कर ही, मोक्ष आउ ज्ञान के धरती गया जी से हम सबके अभिनंदन कर ही।

इस बार की दिवाली होगी खास- पीएम

इस बार बिहार में दीवाली और छठ पूजा की रौनक पहले से ज्यादा होगी, जो लोग अभी पीएम आवास योजना में छूट गए हैं, मैं उनको विश्वास दिलाता हूं कि पीएम आवास योजना तब तक जारी रहेगी, जब तक हर गरीब को अपना पक्का घर नहीं मिल जाता है। उन्होंने कहा कि ये धरती, अध्यात्म और शांति की धरती है। ये भगवान बुद्ध को बोध प्राप्त कराने वाली पावन भूमि है। गया जी की आध्यात्मिक और सांस्कृतिक विरासत बहुत समृद्ध है। यहां के लोगों की इच्छा थी कि इस नगरी को गया नहीं, गया जी कहा जाए। मैं इस निर्णय के लिए बिहार सरकार का अभिनंदन करता हूं। मुझे खुशी है कि गया जी के तेज विकास के लिए बिहार की डबल इंजन सरकार लगातार काम कर रही है।

जेल से नहीं चलेगी सरकार- पीएम

नए कानून को लेकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी बोले उन्होंने कहा कि एक ऐसा कानून बन रहा है, जिसमें सीएम और पीएम सब दायरे में आएंगे। अगर 30 दिन के भीतर जमानत नहीं मिली तो 31 वें दिन कुर्सी छोड़नी होगी। जेल में रहकर सरकार चलाने का कोई अधिकार नहीं है। जो भी जेल जाएगा उसे कुर्सी छोड़नी ही होगी। अब भ्रष्टाचारी जेल भी जाएगा और उसकी कुर्सी भी जाएगी। उन्होंने कहा कि मुझे जनता का सेवक बनकर उनके लिए काम करने में सबसे ज्यादा खुशी होती है। मेरा संकल्प है, जब तक हर किसी को पक्का घर नहीं मिल जाता, मोदी चैन से नहीं बैठेगा। इसी सोच में बीते 11 साल में 4 करोड़ से अधिक गरीबों को पक्के घर दिए गए हैं। पीएम ने कहा कि केवल बिहार में 38 लाख से ज्यादा घर बने हैं। इसके साथ ही गयाजी में 2 लाख लोगों को घर मिला है। हमने सिर्फ चारदीवारी नहीं दी, बल्कि गरीब को उसका स्वाभिमान दिया है। जब तक हर गरीब को घर नहीं मिलता पीएम आवास योजना जारी रहेगी।

बिहार की धरती पर लिया गया संकल्प पूरा हुआ

प्रधानमंत्री मोदी ने कहा, बिहार चंद्रगुप्त मौर्य और चाणक्य की धरती है। इस धरती पर लिया गया हर संकल्प कभी व्यर्थ नहीं गया है। जब कश्मीर के पहलगाम में आतंकी हमला हुआ, हमारे निर्दोष नागरिकों को उनका धर्म पूछकर मारा गया, तब मैंने बिहार की इस धरती से आतंकियों को मिट्टी में मिलाने की बात कही थी। आज दुनिया देख रही है कि बिहार की धरती पर लिया गया संकल्प पूरा हुआ है। उन्होंने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर ने भारत की रक्षानीति की नई लकीर खींच दी है। अब भारत में आतंकवादी भेजकर, हमले कराके, कोई बच नहीं सकेगा। आतंकवादी चाहे पाताल में क्यों ना छिप जाएं, भारत की मिसाइलें उन्हें दफन करके ही रहेंगी।

खास खबर

महुआ मोइत्रा ने योगी पर तंज कसते हुए कहा....थोड़ी तो शर्म कीजिए

कोलकता । तृणमूल कांग्रेस सांसद महुआ मोइत्रा ने शुक्रवार सुबह गाय की तस्वीरों के साथ कुछ ऐसा लिखा जिसने सभी का ध्यान अपनी ओर खींच लिया। महुआ ने एक सरकारी गाय आश्रय केंद्र की तस्वीरें साझा कीं। इन तस्वीरों में शेल्टर होम की गंदगी और बीमार गायें नजर आ रही हैं। महुआ मोइत्रा ने लिखा है कि ये ग्रेटर नोएडा स्थित गाय शेल्टर होम का हाल है। गाय मुख्यमंत्री योगी को बहुत प्रिय हैं। मोइत्रा ने यूपी के पशुपालन विभाग को टैग कर लिखा है थोड़ी तो शर्म कीजिए। बता दें कि महुआ पश्चिम बंगाल की कृष्णानगर सीट से सांसद हैं। वह लोकसभा में अपने तेवर के लिए जानी जाती हैं। वह अक्सर कई मुद्दों पर मोदी सरकार की घेराबंदी करती दिखाती हैं।

दीवार कूदकर संसद भवन में घुसा शख्स; सुरक्षा बलों ने दबोचा, पूछताछ जारी

नई दिल्ली। संसद भवन की सुरक्षा में सेंध लगने की खबर सामने आ रही है। मीडिया रिपोर्ट से मिली जानकारी के मुताबिक एक शख्स पेड़ के सहारे दीवार कूद कर संसद भवन में घुस गया। उसे हिरासत में ले लिया गया है और उसकी पहचान अभी उजागर नहीं की गई है। यह शख्स सुबह 6:30 बजे संसद भवन में घुसा था। आरोपी शख्स रेल भवन की ओर से दीवार कूदकर नई संसद भवन के गरुड़ द्वार तक पहुंच गया था। संसद भवन में मौजूद सिक्योरिटी ने शख्स को पकड़ लिया है और उससे पूछताछ जारी है। फिलहाल सुरक्षा बल यह जानने में जुटे हैं कि आखिर यह शख्स संसद भवन में क्यों घुसना चाहता था।

डाक विभाग के तीन अधिकारियों को कठोर कारावास कि सजा

जबलपुर । सीबीआई की विशेष अदालत ने डाक विभाग के तीन अधिकारियों को भ्रष्टाचार और हेराफेरी के आरोप में 5 साल और 4 साल के कठोर कारावास तथा 39000 जुर्माने की सजा से दंडित किया है।

इस घोटाले में सरकारी खजाने को 1.21 करोड रुपए से ज्यादा का नुकसान हुआ। विशेष अदालत ने सागर जिले के बीना उप डाकघर के डाकपाल विशाल कुमार अहिरवार को 5 साल तथा विशाल के सहयोगी हेमंत सिंह और रानू नामदेव को चार-चार साल की सजा से दंडित किया है। 1 जनवरी 2020 से 5 जुलाई 2021 के बीच में इन्होंने डाकघर के बचत खातों में हेरा फेरी की थी।

कुछ ना कहना

आवारा कुत्तों पर सुप्रीम कोर्ट का बड़ा फैसला...शेल्टर होम नहीं, नसबंदी ही सही हल

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने आवारा कुत्तों को लेकर सोमवार सुबह एक बड़ा फैसला सुनाया है। अदालत ने 11 अगस्त के उस निर्देश को संशोधित कर दिया है, जिसमें सभी कुत्तों को पकड़कर शेल्टर होम भेजने का आदेश दिया गया था। नए फैसले के मुताबिक अब केवल बीमार और आक्रामक कुत्तों को ही शेल्टर होम में रखा जाएगा। बाकी कुत्तों की नसबंदी और टीकाकरण के बाद उन्हें वहीं छोड़ा जाएगा, जहां से उन्हें उठाया गया था।

सुप्रीम कोर्ट के जस्टिस विक्रम नाथ, जस्टिस संदीप मेहता और जस्टिस एन वी अंजारिया की तीन सदस्यीय पीठ ने कहा कि पहले से शेल्टर होम में भेजे गए स्वस्थ कुत्तों को भी तुरंत छोड़ा जाए। अदालत ने सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को नोटिस जारी कर निर्देश दिया है कि हर वॉर्ड में आवारा कुत्तों को खिलाने के लिए अलग से फीडिंग जोन बनाए जाएं। सार्वजनिक स्थानों पर कुत्तों को खाना खिलाने पर रोक रहेगी, नियम तोड़ने पर कार्रवाई होगी।

कोर्ट ने यह भी कहा कि एनजीओ को फीडिंग जोन प्रबंधन के लिए 25,000 रुपये की धनराशि दी जाएगी। साथ ही, डॉग लवर्स या एनजीओ अगर चाहें तो आवेदन देकर आवारा कुत्तों को गोद ले सकते हैं, लेकिन शर्त यह रहेगी कि एक बार गोद लिए गए कुत्तों को दोबारा सड़कों पर नहीं छोड़ा जाएगा। यहां बताते चलें कि सुप्रीम कोर्ट का यह आदेश फिलहाल अंतरिम है। अदालत ने साफ किया है कि जल्द ही पूरे देश के लिए एक समान नीति बनाई जाएगी, ताकि इंसानों और पशु प्रेमियों दोनों की चिंताओं का संतुलन साधा जा सके। गौरतलब है कि सुप्रीम कोर्ट की तीन सदस्यीय विशेष पीठ ने 14 अगस्त को इस मामले में सुनवाई करते हुए, फैसला सुरक्षित रख लिया था। इससे पहले सर्वोच्च अदालत की दो सदस्यीय बेंच ने 11 अगस्त को दिल्ली-एनसीआर की सड़कों से आवारा कुत्तों को स्थायी रूप से शेल्टर होम भेजे जाने का आदेश दिया था।

बृजभूषण शरण सिंह ने योग गुरु बाबा रामदेव से मांगी माफी

नई दिल्ली। बृजभूषण शरण सिंह ने योग गुरु बाबा रामदेव पर दिए अपने बयान के लिए माफ़ी मांगी है। उन्होंने स्वीकार किया है कि उन्होंने जो कुछ भी कहा, वह गलत था। उन्होंने कहा कि अगर अनजाने में कोई गलती हो जाए, तब माफी मांगने में कोई शर्मिंदगी नहीं होनी चाहिए।

क्या था पूरा मामला?

दरअसल, पूर्व सांसद सिंह और बाबा रामदेव के बीच लंबे समय से विवाद चल रहा है। दोनों अक्सर सार्वजनिक मंचों पर एक-दूसरे पर टिप्पणी करते रहे हैं। हाल ही में बृजभूषण सिंह का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुआ था, जिसमें वह बाबा रामदेव को काना कहकर संबोधित कर रहे थे। वीडियो में वह कहते सुनाई दे रहे थे कि रामदेव जिनके नाम पर कमा रहे हैं, उन महर्षि पतंजलि का जन्म गोंडा में हुआ था।

महर्षि पतंजलि से क्या है संबंध?

गोंडा ज़िले के वजीरगंज क्षेत्र का कोंडर गांव महर्षि पतंजलि का जन्मस्थान माना जाता है। सिंह अपने बयान में इसका ज़िक्र कर रहे थे। उन्होंने 2022 में भी रामदेव पर आरोप लगाया था कि वे महर्षि पतंजलि के नाम का दुरुपयोग करके अरबों का व्यापार कर रहे हैं, लेकिन उनके जन्मस्थान के विकास के लिए कुछ भी नहीं कर रहे हैं।

एसआईआर पर सुप्रीम कोर्ट.... हटाए गए वोटर्स को सूची में अपना नाम जुड़वाने की अनुमति दें

आधार कार्ड सहित फॉर्म 6 में दिए गए 11 दस्तावेज में से कोई भी जमा कर सकते

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट में बिहार में जारी स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन यानी एसआईआर (सामान्य शब्दों में मतदाता सूची में सुधार) पर शुक्रवार को सुनवाई हुई। सुप्रीम कोर्ट ने चुनाव आयोग (ईसीआई) को निर्देश दिया कि वे ऐसा करें कि हटाए गए वोटर्स को सूची में अपना नाम जुड़वाने के लिए फिजिकली के अलावा ऑनलाइन आवेदन की अनुमति भी दें।

सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि आधार कार्ड सहित फॉर्म 6 में दिए गए 11 दस्तावेज में से कोई भी जमा किया जा सकता है, इसमें ड्राइविंग लाइसेंस, पासबुक, पानी का बिल जैसे डॉक्यूमेंट शामिल हैं।

सुप्रीम कोर्ट ने राजनीतिक दलों को मामले पर चुप्पी साधने पर फटकार लगाकर पूछा कि मतदाताओं की मदद के लिए आप क्या कर रहे हैं। आपको आगे आना चाहिए। अगली सुनवाई 8 सितंबर को होगी।

सुनवाई के दौरान शीर्ष अदालत ने चुनाव आयोग से कई सवाल पूछे। जस्टिस सूर्यकांत ने सुनवाई के दौरान कहा कि राजनीतिक दलों की निष्क्रियता हैरान करने वाली है। राज्य की 12 दलों में से यहां मात्र 3 पार्टियां ही कोर्ट में आई हैं। वोटर्स की मदद के लिए आप क्या कर रहे हैं। कोर्ट ने इस पर हैरानी जाहिर कि राजनीतिक दलों के करीब 1.6 लाख बूथ लेवल एजेंट होने के बावजूद, उनकी ओर से केवल दो आपत्तियां ही आई हैं।

सुप्रीम कोर्ट ने सुनवाई के दौरान बड़ा आदेश देकर मतदाता सूची में नाम जोड़ने के लिए ऑनलाइन आवेदन करने की अनुमति दी है। फॉर्म को फिजिकली जमा करना जरूरी नहीं है। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि फॉर्म 6 में दिए गए 11 दस्तावेज़ (जैसे ड्राइविंग लाइसेंस, पासबुक, पानी का बिल आदि) में से कोई भी या आधार कार्ड जमा किया जा सकता है। सुप्रीम कोर्ट ने आधार कार्ड को भी स्वीकार करने का आदेश दिया है।

सुनवाई के दौरान वरिष्ठ अधिवक्ता राकेश द्विवेदी ने दलील दी, यह मुद्दा प्रासंगिक नहीं है। सभी को चुनाव आयोग पर भरोसा रखना चाहिए। हमें कुछ समय दीजिए, हम बेहतर तस्वीर सामने रखने वाले हैं, और साबित करने वाले हैं कि किसी को भी बाहर नहीं किया गया है।

आतंकी संबंधों के आरोप में दो सरकारी कर्मचारियों बर्खास्त

श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर में उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने आतंकी संबंधों के आरोप में दो सरकारी कर्मचारियों को बर्खास्त किया है। यह कार्रवाई भारतीय संविधान के अनुच्छेद 311 (2)(सी) के तहत की गई है। बर्खास्त किए गए दो कर्मचारियों में एक कुपवाड़ा के करनाह का एक शिक्षक और दूसरा कुपवाड़ा के केरन का एक सहायक स्टॉकमैन था।

जांच में यह साबित हुआ कि दोनों कर्मचारी आतंकी संगठन लश्कर-ए-तैयबा (एलईटी) के लिए काम कर रहे थे। कानून प्रवर्तन और खुफिया एजेंसियों ने उनके खिलाफ आपत्तिजनक सबूत जुटाए थे।

अगस्त 2020 में उपराज्यपाल का पद संभालने के बाद से, सिन्हा आतंकवाद को जड़ से खत्म करने पर जोर दे रहे हैं। उन्होंने आतंकवादियों के साथ-साथ उनके मददगार नेटवर्क, जिन्हें ओवरग्राउंड वर्कर्स (ओजीडब्ल्यू) और सरकारी संस्थानों में मौजूद उनके समर्थकों के रूप में जाना जाता है, को भी निशाना बनाया है। 2020 से 2024 के बीच सुरक्षा बलों ने सैकड़ों आतंकवादियों को मार गिराया। भारतीय संविधान के अनुच्छेद 311(2)(सी) का उपयोग करते हुए, 70 से अधिक इसतरह के व्यक्तियों को सरकारी नौकरियों से बर्खास्त किया गया है।

लैटरल एंट्री नियुक्तियों में आरक्षण लागू नहीं होगा : केंद्र सरकार

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने राज्यसभा में स्पष्ट किया है कि लैटरल एंट्री के जरिए की जाने वाली नियुक्तियों पर आरक्षण लागू नहीं होता है। केंद्रीय कार्मिक मंत्री जितेंद्र सिंह ने बताया कि 2018 से अब तक विभिन्न सरकारी विभागों में कुल 63 लैटरल एंट्री के जरिए नियुक्तियां हुई हैं। ये नियुक्तियां विशेष पदों जैसे संयुक्त सचिव, निदेशक, उप सचिव आदि के लिए की जाती हैं, जिन पर विशेषज्ञता और विशेष कार्यों के आधार पर चयन होता है। केंद्रीय मंत्री ने लिखित उत्तर में बताया कि लैटरल एंट्री की यह प्रक्रिया सुप्रीम कोर्ट के पीजीआईएमईआर, चंडीगढ़ बनाम फैकल्टी एसोसिएशन एवं अन्य मामलों के निर्णयों के अनुसार है, जिसमें यह स्पष्ट किया गया है कि चूंकि ये नियुक्तियां केवल एक सीट के लिए और विशेष कामों के लिए होती हैं, इसलिए इन पर आरक्षण लागू नहीं होता है। लैटरल एंट्री के जरिए नियुक्तियां ऐसे पदों पर होती हैं, जहां आईएएस अधिकारी तैनात रहते हैं। सरकार इन पदों पर सीधे विशेषज्ञ और अनुभवी पेशेवरों को नियुक्त करती है ताकि प्रशासनिक दक्षता बढ़ाई जा सके। यह नियुक्ति यूपीएससी के माध्यम से होती है और चयनित व्यक्ति को सीधे संयुक्त सचिव, निदेशक या उप सचिव का पद दिया जाता है। हालांकि, लैटरल एंट्री को लेकर विवाद भी होते रहे हैं। अगस्त 2022 में यूपीएससी ने 45 पदों के लिए लैटरल एंट्री का नोटिफिकेशन जारी किया था, जिसमें आरक्षण की कोई व्यवस्था नहीं थी। इस पर आपत्तियां उठने के बाद यूपीएससी ने नोटिफिकेशन वापस ले लिया था। इस पूरे मामले से स्पष्ट होता है कि लैटरल एंट्री के जरिए नियुक्तियों में सरकार विशेषज्ञता को प्राथमिकता देती है और सुप्रीम कोर्ट के निर्णय के अनुसार आरक्षण की व्यवस्था लागू नहीं होती।

राहुल - तेजस्वी के 45 किलोमीटर लंबे रोड शो में उमड़ा जनसैलाब

मुंगेर। बिहार में वोटर अधिकार यात्रा में राहुल गांधी और तेजस्वी यादव ने 45 किलोमीटर लंबा रोड शो किया। काफिला हेरुदियारा खानकाह रहमानी, चंदन बाग, बेलन बाजार, भगत सिंह चौक, कौड़ा मैदान, पुलिस लाइन और बांक पंचायत होते हुए भागलपुर की ओर बढ़ा। जगह-जगह लोगों ने ढोल-नगाड़ों और फूल मालाओं से स्वागत किया। इस दौरान एक जगह पर राहुल गांधी और तेजस्वी यादव को लोगों का विरोध भी देखने को मिला। रियारपुर प्रखंड के घोरघट में 12 फीट ऊंची अंबेडकर प्रतिमा और अंबेडकर भवन का दोनों ने उद्घाटन

नहीं किया। इस वजह से लोगों में गुस्सा था। बरियारपुर प्रखंड के घोरघट में 12 फीट ऊंची अंबेडकर प्रतिमा और अंबेडकर भवन का उद्घाटन कार्यक्रम तय था। ग्रामीणों ने राहुल और तेजस्वी से रुकने का आग्रह किया, लेकिन दोनों नेता नहीं तो स्थानीय लोगों में आक्रोश फैल गया। बाद में काफिले में पीछे चल रहे पूर्णिया सांसद पप्पू यादव ने प्रतिमा का अनावरण किया। आयोजन समिति ने इस पर नाराजगी जताई और कहा कि कार्यक्रम राहुल-तेजस्वी के लिए तय था, लेकिन उनके न आने से लोगों की भावना आहत हुई।

उपराष्ट्रपति चुनाव के लिए दो सीनियर अधिकारियों को आयोग ने पर्यवेक्षक नियुक्त किया

नई दिल्ली। चुनाव आयोग ने उपराष्ट्रपति चुनाव की प्रक्रिया की निगरानी के लिए अतिरिक्त सचिव स्तर के दो सीनियर अधिकारियों को पर्यवेक्षक बनाया है। उपराष्ट्रपति पद के लिए 9 सितंबर को मतदान होना है। सत्तारूढ़ एनडीए और विपक्ष दोनों ने उपराष्ट्रपति चुनाव के लिए अपने-अपने उम्मीदवारों की घोषणा की है। महाराष्ट्र के राज्यपाल सीपी राधाकृष्णन, एनडीए के उम्मीदवार हैं जबकि इंडिया ब्लॉक ने जस्टिस (सेवानिवृत्त) बी सुदर्शन रेड्डी अपना कैंडिडेट बनाया है।

उपराष्ट्रपति चुनाव के लिए शुक्रवार को नामांकन दाखिल करने का आखिरी दिन था, जबकि उम्मीदवार 25 अगस्त तक अपना नामांकन वापस ले सकते हैं। स्वास्थ्य कारणों का हवाला देकर 21 जुलाई को मॉनसून सत्र के पहले दिन जगदीप धनखड़ के इस्तीफे के बाद उपराष्ट्रपति का पद खाली हो गया था।

इसके अलावा, ग्रामीण विकास मंत्रालय के संयुक्त सचिव नितिन कुमार शिवदास खाड़े को आरक्षित सूची में रखा गया है। इससे पहले शुक्रवार को, रेड्डी ने उपराष्ट्रपति चुनाव के लिए अपना नामांकन पत्र दाखिल किया और इसे सम्मान का क्षण बताया, और निर्वाचित होने पर निष्पक्षता, गरिमा और दृढ़ प्रतिबद्धता के साथ इस भूमिका का निर्वहन करने का संकल्प लिया।

मानसून का कहर : राजस्थान से गुजरात और जम्मू तक तबाही का मंजर, हिमाचल में 347 सड़कें बंद

नई दिल्ली। देश के कई हिस्सों में मानसून फिर से सक्रिय हो गया है और बारिश ने तबाही मचानी शुरू कर दी है। राजस्थान, गुजरात, जम्मू-कश्मीर और हिमाचल प्रदेश से बाढ़, भूस्खलन और हादसों की खबरें व तस्वीरें भयावह मंजर को दर्शा रही हैं।

इस बीच राजस्थान के सवाई माधोपुर से खबर है कि यहां पर बाढ़ जैसे हालात हैं। सवाई माधोपुर के पक्षी पार इलाके में करीब 250 घर पानी में डूब गए हैं। रेलवे स्टेशन पर पानी भर गया, पटरियां डूबने से ट्रेनों की आवाजाही प्रभावित हुई है। नेशनल हाईवे-552 पर कुशालीदर्रा में एक कार तेज बहाव में बह गई है। एक कार बह गई, जिसमें सवार तीन लोगों में से एक का शव मिला, जबकि दो की तलाश जारी है। सवाई माधोपुर, टोंक, कोटा और भीलवाड़ा में लगातार भारी बारिश हुई है। मौसम विभाग ने उदयपुर, डूंगरपुर, बांसवाड़ा और प्रतापगढ़ में ऑरेंज अलर्ट जारी किया।

दूध टैंकर बहा, 13 की जान बची

गुजरात में भारी बारिश से स्थिति जलभराव और बाढ़ की बनी। एक दूध का टैंकर बह गया, जिसमें 13 लोग फंस गए थे। लोगों की जान आफत में आ गई। पोरबंदर जिले के माधवपुर घेड इलाके में भारी बारिश के बाद जलभराव हुआ है। इसी बीच दूध का एक टैंकर बह गया। टैंकर में फंसे 13 लोगों को एनडीआरएफ की टीम ने सुरक्षित निकाल लिया।

जम्मू-कश्मीर में लैंडस्लाइड

जम्मू-कश्मीर के पुंछ जिले के मंडी सेक्टर में लैंडस्लाइड हुआ। एक स्कूल की बिल्डिंग का हिस्सा भी टूट गया। जिला प्रशासन ने एहतियात के तौर पर आसपास के क्षेत्रों को अलर्ट किया है।

भारी बारिश से जनजीवन ठप

हिमाचल में मौसम विभाग ने 23 से 26 अगस्त तक भारी से बहुत भारी बारिश का अलर्ट जारी किया है। यहां लैंडस्लाइड की घटनाओं के कारण 347 सड़कें बंद हैं। जानकारी अनुसार भारी बारिश के कारण 281 ट्रांसफॉर्मर और 145 जलापूर्ति योजनाएं बाधित हुई हैं। अब तक राज्य को 2282 करोड़ रुपये का नुकसान हुआ है, जबकि वर्षाजनित घटनाओं में अब तक 149 लोगों की मौत हो चुकी है और 38 लोग लापता बताए गए हैं। राज्य में 17 प्रतिशत से ज्यादा बारिश दर्ज की गई है।

आजादी के 78 वर्ष बाद भी मोबाइल नेटवर्क के लिए संघर्ष कर रहे ग्रामीण

नाराज ग्रामीणों रूपझर के चालिसबोड़ी में किया चक्काजाम प्रदर्शन, मांग पूरी करने को लेकर की जमकर नारेबाजी, उग्र आंदोलन की भी दी चेतावनी

बालाघाट(पद्मेश न्यूज)। डिजिटल क्रांति के इस दौर में मानव समाज के ज्यादातर कार्य 5जी की स्पीड में,ऑनलाइन हो रहे हैं।लेकिन बालाघाट जिले में अब भी ऐसे कई गांव है जहां आजादी के 78 वर्ष बीत जाने के बावजूद भी ग्रामीणों को इंटरनेट सुविधा तो बहुत दूर की बात, मोबाइल नेटवर्क तक की सुविधा नहीं मिल पा रही है।जिसके चलते वहां के ग्रामीण संचार क्रांति और डिजिटल दुनिया से कोषो दूर है। जहां के ग्रामीणों को आपातकाल के समय सबसे अधिक परेशानियों का सामना करना पड़ता है। अपनी इस मुख्य समस्या के समाधान के लिए वे पिछले कई वर्षों से शासकीय कार्यालयो के चक्कर काट रहे है।बावजूद इसके भी अब तक उनकी इस समस्या का निराकरण नहीं हो पाया है।जिस पर अपनी नाराजगी जताते हुए स्थानीय ग्रामीणों ने शुक्रवार को चक्काजाम कर जमकर प्रदर्शन किया।मामला रूपझर थाना क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले ग्राम चालिसबोड़ी का है।जहा के पूर्व सरपंच धनलाल उइके के नेतृत्व में ग्राम चालीसबोडी, मोहनपुर कावेरी कसंगी सहित अन्य ग्रामों के ग्रामीण मुख्यमार्ग में एकत्र हुए जिन्होंने मोबाइल नेटवर्क ना मिलने की समस्या को लेकर चक्काजाम कर जमकर प्रदर्शन किया।तो वही मांग पूरी करने को लेकर की नारेबाजी करते हुए, जल्द से जल्द मांग पूरी ना होने पर उग्र आंदोलन की भी चेतावनी दी है।

ना फोन लगता, ना हो रहे डिजिटल काम

जनपद पंचायत परसवाड़ा के अंतर्गत आने वाले ग्राम मोहनपुर चालिसबोडी सहित अन्य आसपास के कई गांवो में मोबाइल नेटवर्क नही मिलने से ग्रामीण परेशान है।जिससे फोन नही लग पा रहे है तो वही उनके ऑनलाइन संबधित कार्य नही हो पा रहे है।जिसपर अपना एतराज जताते हुए स्थानीय ग्रामीणों ने शुक्रवार को चक्कजाम प्रदर्शन किया।जिसमे उन्होंने मोबाइल नेटवर्क की इस समस्या को दूर किए जाने की गुहार लगाई है।जिन्होंने जल्द से जल्द मांग पूरी न होने पर बैहर की ओर जाने वाले मुख्य मार्ग पर समस्त गांवो के ग्रामीणों को एकत्र कर उग्र आंदोलन किए जाने की चेतावनी दी है।

क्षेत्र में लगे हैं चार-चार टावर, पर नेटवर्क एक में भी नहीं

स्थानीय ग्रामीणों द्वारा बताया गया कि उनके गांव सहित अन्य आसपास के गांव को मिलाकर यहाँ चार-चार मोबाइल टावर लगाए गए है।किन्तु नेटवर्क किसी में नहीं है। बी.एस.एन.एल. नेटवर्क भी हमेशा बन्द रहता है, जिसके कारण उन्हें काफी परेशानीयों का समना करना पडता है, किसी का आपतकालीन फोन आये तो नेटवर्क की परेशानी रहती है।उन्होंने उनके नक्सल प्रभावित क्षेत्र में नेटवर्क की बेहतर सेवा प्रदान करने की गुहार लगाई गई है।

मोबाईल नेटवर्क समस्या से कई गांवों के ग्रामीण परेशान

स्थानीय ग्रामीणों द्वारा बताया गया कि ग्राम पंचायत मोहनपुर के अन्तर्गत कुल 7 ग्राम पंचायत, चालिसबोडी के अन्तर्गत 04 ग्राम पंचायत, कावेली के अन्तर्गत 05 ग्रामपंचायत ,कंसगी के अन्तर्गत 06 ग्राम पंचायत, पुलिस चौकी कंसगी, पुलिस चौकी सोनेवानी 14 प्रायमरी स्कूल, एक हायर सेकेन्डरी स्कूल, 03 मिडिल स्कुल , 01 कन्या छात्रावास मोहनपुर और 01 बालक छात्रावास कान्हाटोला में आते है।जहां आए दिन मोबाईल नेटवर्क की समस्या बनी रहती है।आनलाइन कार्य नहीं हो पाते है यह क्षेत्र अति संवेदनशील नक्सल प्रभावित क्षेत्र है। नेटवर्क नही होने के चलते कोई भी कार्य नहीं हो पाते है जिसके कारण जनता अत्यधिक परेशान हो रही है।

बिजली की समस्या का भी नही हो रहा निदान

ग्रामीणों ने बताया कि ग्राम कोडका, माटे, पालाघोंन्दी में बिजली है परन्तु केबल के तार होने के कारण कई दिनों तक लाइट बन्द रहती है।जिससे ग्रामीण जनों को भारी कठिनाईयों का सामना करना पडता है।इस क्षेत्र से वनसम्पदा का भारी मात्रा में दोहन किया जाता है।जिससे शासन को करोडों रूपयों का राजस्व प्राप्त होता है। किन्तु उसी क्षेत्र की शासन द्वारा अनदेखी की जा रही है ।बिजली समस्या को लेकर भी कई बार शासन एवं प्रशासन को अवगत कराया गया है।किन्तु आज दिनांक तक कोई सुनवाई नहीं हुई।इसके अलावा सम्पूर्ण कृषक गणों को धान का पंजीयन एवं ईकेवायसी की सुविधा, फार्मर पंजीकरण तथा अन्य सुविधाओं से वंचित होना पड रहा है ।

15 वर्ष पूर्व भी इन्हीं मांगों को लेकर इसी जगह किया गया था चक्काजाम- धनलाल

चालिसबोड़ी पूर्व सरपंच धनलाल उईके ने बताया कि हमारे क्षेत्र में नेटवर्क की समस्या बनी हुई है। इसके अलावा चार-पांच गांव में केबल के माध्यम से बिजली की व्यवस्था की गई है।लेकिन वहां बिजली नहीं मिल रही है।इसके अलावा सिंचाई के साधन नही है। मुख्य इन्ही मांगों को लेकर आज यह आंदोलन करना पड़ा।उन्होंने बताया कि 15 वर्ष पूर्व भी इसी जगह पर नेटवर्क, सड़क, बिजली ,पानी की मांग को लेकर चक्कजाम आंदोलन किए थे। उस समय सिर्फ रोड बनी बाकी समस्याएं जस की तस बनी रही। यदि जल्द से जल्द नेटवर्क और बिजली की मुख्य समस्या का समाधान नहीं किया गया, तो दोबारा चक्कजाम कर आंदोलन किया जाएगा।

तो उग्र आंदोलन किया जाएगा- दिनेश धुर्वे

मप्र. आदिवासी विकास परिषद अध्यक्ष दिनेश धुर्वे ने बताया कि हमारी सबसे प्रमुख मांग नेटवर्क की है। लोगों ने मोबाइल ले लिया है सिम भी डाल दी है लेकिन नेटवर्क नहीं मिलता जिसके चलते कोई काम नहीं हो पा रहे हैं ऑनलाइन काम भी ठप्प पड़ा हुआ है। यह आंदोलन पूरी जनता का है इसीलिए यहां अंतिम छोर के मजदूर किसान आदिवासी भाई लोग आए हैं। शिक्षा , स्वास्थ्य आवागमन, नेटवर्क, बिजली, सिचाई साधन यह सब मूलभूत सुविधाओं में आते हैं। प्रशासन ने इसकी व्यवस्था करनी चाहिए। यदि इन सुविधाओं से क्षेत्र वासियों को पृथक रखा गया तो फिर विकास कैसे होगा।इसके अलावा यहां पर जलाशय निर्माण की भी मांग रखी गई है जिसे जल्द बनाए जाने का आश्वासन मिला है। यदि हमारी यह मांगे जल्द से जल्द पूरी नहीं होती तो इसी जगह पर उग्र आंदोलन किया जाएगा।

समस्याओं का निराकरण किया जाएगा- धुर्वे

परसवाड़ा एसडीएम मधुवंत राव धुर्वे ने बताया कि ग्रामीण क्षेत्रों में जो नेटवर्क और बिजली की आपूर्ति को लेकर समस्या बनी हुई है उसी को लेकर आज ग्रामीणों द्वारा आंदोलन किया गया था। यह समस्या हम भी महसूस कर रहे हैं। तीन दिन पूर्व ग्रामीणों द्वारा आवेदन देकर आंदोलन की चेतावनी दी थी उसी को लेकर आज धरना प्रदर्शन किया गया है। शीघ्र ही इन सभी समस्याओं का निराकरण किया जाएगा। क्षेत्र में बीएसएनएल कंपनी के चार मोबाइल टावर है जिसमें से एक टावर का काम भी शुरू कर दिया गया है। जल्द ही अन्य समस्याओं का निराकरण भी कर दिया जाएगा।

कार्यालय तहसीलदार तहसील लालबर्रा जिला बालाघाट (म.प्र.)

रा.प्र.क्र. 0022/ड-154/2025-26
मौजा पनबिहरी, रा.नि.मं. लालबर्रा

एतद् द्वारा आम जनता को सूचित किया जाता है कि आवेदक धुमराज मरठे पिता रूपलाल मरठे जाति मरार, निवासी ग्राम पनबिहरी, तहसील लालबर्रा, जिला बालाघाट द्वारा आवेदन प्रस्तुत किया गया है कि मौजा पनबिहरी, रा.नि.मं. लालबर्रा तहसील लालबर्रा, जिला बालाघाट में स्थित आवेदक द्वारा अपनी माता जोन्दरी बाई पति रूपलाल का अनुज्ञा प्रमाण पत्र रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1969 की धारा 12 (2), म.प्र. मृंत्यु पंजीयन 1999 नियम 12 (2) प्रावधानों के अंतर्गत उपरोक्त मृत्यु की घटना दिनांक 14.07.2016 मृत्यु की घटना स्थल ग्राम पनबिहरी के अंतर्गत आवेदन पत्र इस न्यायालय में प्रस्तुत किया गया है। जिस किसी भी व्यक्ति को आपत्ति हो तो वह दिनांक 27.08.2025 के पूर्व स्वयं या अपने अभिभाषक/अधिवक्ता सहित उपस्थित होकर इस न्यायालय में दावा आपत्ति पेश कर सकते है। नियत तिथि उपरांत प्राप्त दावा आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा। आज दिनांक 22.08.2025 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय की पदमुद्रा से जारी किया गया।

स्थान - लालबर्रा
दिनांक - 23.08.2025

के.एल. तेकाम
तहसीलदार
तहसील लालबर्रा जिला बालाघाट म.प्र.

बहुउद्देशीय प्राथमिक कृषि साख सहकारी समिति मर्यादित (बी.पैक्स) नेवरगांव ला. पं. क्र. 47

क्रमांक / आमसभा/2025 दिनांक - 06.08.2025

वार्षिक आमसभा की सूचना

महोदय,

बहुउद्देशीय प्राथमिक कृषि साख सहकारी समिति मर्यादित, नेवरगांव ला. पं.क्र. 47 के समस्त अंशधारी सदस्यों को सूचित किया जाता है कि संस्था की वार्षिक आमसभा का आयोजन दिनांक 25.08.2025 दिन सोमवार को समय 1 बजे दिन से संस्था कार्यालय के प्रांगण में किया गया है।

अत: समस्त अंशधारी सदस्यों से सविनय निवेदन है कि उक्त सभा में उपस्थित होकर बैठक को सफल बनाये।

नोट - यदि निश्चित समय पर साधारण सभा के लिये गणपूर्ति नहीं होती है तो सहकारी समिति नियम 1962 की धारा 37/3 के प्रावधान अनुसार ठीक आधा घंटे बाद उसी स्थान एवं दिनांक पर पूर्व निर्धारित विषयों पर ही साधारण सभी की कार्यवाही प्रारंभ होगी, जिसमें गणपूर्ति आवश्यक नहीं होगी।

अतएव आपसे अनुरोध है कि निश्चित स्थान दिनांक एवं समय पर उपस्थित होने का कष्ट कीजिए।

-: विषय सूची :-

1. सोसायटी के क्रियाकलापों का जो कि संचालक मण्डल द्वारा आगामी वर्ष 2026-27 के लिए तैयार किया गया है, अनुमोदन करने बाबद्।
2. संपरीक्षा रिपोर्ट के अनुमोदन बाबद् विचार।
3. वार्षिक रिपोर्ट वर्ष 2024-2025 के वित्तीय पत्तक के अनुमोदनार्थ प्रस्तुत।
4. आगामी सहकारी वर्ष 2026-2027 के लिए अनुमानित बजट की स्वीकृति बाबद्।
5. वित्तीय वर्ष में कार्य संचालन के कारण हुए हानि के कारणों का परीक्षण करने बाबद् विचार।
6. वर्ष 2024-2025 का पूरक बजट की स्वीकृति बाबद्।
7. लेखाओं की संपरीक्षा करने के लिए संपरीक्षक की नियुक्ति करने बाबद् विचार।
8. नवीन समिति पुर्नगठन के संबंध में विचार।
9. संचालक मंडल के सदस्यों का निर्वाचन कराया जाने बाबद् विचार।
10. किसी अन्य विषय पर जो उपविधि के अनुसार लाया जावे विचार करने के लिये।

-: भवदीय :-
एम.पी. ठाकरे
संस्था प्रबंधक

आर.के. दुबे
प्रशासक
एवं समस्त कर्मचारीगण
बहुउद्देशीय प्राथमिक कृषि साख सहकारी समिति मर्यादित (बी.पैक्स) नेवरगांव ला. पं. क्र. 47

वन विभाग के उड़नदस्ता ने झालीवाड़ा में वन्य प्राणी जंगली सुअर का मांस किया जब्त

वारासिवनी(पद्मेश न्यूज)। उड़नदस्ता वनवृत्त बालाघाट के द्वारा वारासिवनी अंतर्गत ग्राम खापा बीट निरीक्षण के दौरान खापा बीट प्रभारी को दोपहर में लगभग १.३० बजे डायल १०० रामपायली के द्वारा ग्राम झालीवाड़ा में बाबूलाल पिता टीकाराम लाडे जाति ढीमर के घर वन्यप्राणी जंगली सुअर के मांस होने की सूचना मिली थी। जिस पर तत्काल सूचना के आधार पर बाबूलाल के घर ग्राम खापा में समस्त उड़नदस्ता दल एवं वारासिवनी परिक्षेत्र के स्थानीय अमले के द्वारा संयुक्त रूप से डायल १०० रामपायली के कर्मचारियों की उपस्थिति में तलाशी कार्यवाही कर लगभग आधा किलोग्राम मांस कच्चा जब्त किया गया। बाबूलाल के द्वारा पूछताछ में बताया कि उसके घर से जब्त यह मांस जंगली सुअर का है। पंचनामा एवं जब्ती की कार्यवाही उपरांत वन्यजीव संरक्षण अधिनियम १९७२ के अंतर्गत प्राथमिक वन अपराध प्रकरण क्रमांक . १२७७९/०५ २२ अगस्त २०२५ को पंजीबद्ध किया गया एवं बाबूलाल लाड़े को अग्रिम कार्यवाही हेतु परिक्षेत्र कार्यालय वारासिवनी में लाया गया प्रकरण में विवेचना जारी है। इस सम्पूर्ण कार्यवाही में उड़नदस्ता प्रभारी अजय चौरे,राजेन्द्र कुमार मेश्रामे,कार्यवाहक उपवन क्षेत्रपाल राकेश कुमार सनोडिया, कार्यवाहक वनपाल नरेंद्र कुमार शेन्डे,सौरभ यादव,देवेन्द्र उके, वनरक्षक शंभू यादव, वाहन चालक तथा वारासिवनी सामान्य वन परिक्षेत्र का स्थानीय अमला बुंदेलाल मरकाम,उपवनक्षेत्रपाल भवानी बिसेन, वनरक्षक ताराचंद डोंगरे, उपवनक्षेत्रपाल श्रीमती इंदु डायरे, श्रीमती रोशनी घरडे वनरक्षक उपस्थित रहे।

भ्रामक प्रचार कर धम्म बंधुओं को भृमित कर रहे शरारती तत्व- कामडें

बालाघाट(पद्मेश न्यूज)। दि बुद्धिस्ट सोसायटी ऑफ इंडिया प्रदेश कार्यवाहक सचिव राजकुमार कामडें ने प्रेस विज्ञप्ति जारी कर बताया कि भारतीय बौद्धों की एक मात्र राष्ट्रीय धम्म संस्था दि बुद्धिस्ट सोसायटी ऑफ इंडिया अर्थात भारतीय बौद्ध महासभा के माध्यम से बौद्ध धम्म का कारवां निरंतर गतिमान किया जा रहा है, जिसमें संस्था के प्रशिक्षण शिविर जैसे कार्यकर्ता, अंधश्रद्धा, व्यक्तिमत विकास,श्रामणेर/श्रामनेरी, समता सैनिक दल का सैनिक, युवक, युवती, दस दिवसीय उपासिका धम्म प्रशिक्षण शिविरो, धम्म सम्मेलनो धम्म यात्राएं और अन्य कार्यक्रमों के माध्यम से धम्म के कार्य सम्पन्न किए जा रहे हैं।वर्तमान में संस्था की राष्ट्रीय संरक्षक बोधिसत्व डॉ.बाबासाहेब आंबेडकर जी की पुत्रवधु महा उपासिका मीराताई जी आंबेडकर एवं राष्ट्रीय कार्याध्यक बाबासाहेब के पौत्र डॉ.भीमराव यशवंत राव आंबेडकर साहेब मुंबई है।डॉ.भीमराव साहेब के निर्देशानुसार मप्र राज्य शाखा द.के अध्यक्ष डॉ.चरनदास ढ़ेंगरे (बालाघाट) मप्र में अपनी कार्यकारिणी के साथ धम्म का कारवां निरंतर गतिमान कर रहे है।लेकिन जिला एवं बैहर तहसील के कुछ शरारती लोगों द्वारा भ्रामक प्रचार कर धम्म बंधुओं को यह बताया जा रहा की ढ़ेंगरे जी को प्रदेश अध्यक्ष पद से हटाकर किसी अन्य व्यक्ति प्रदेश अध्यक्ष बनाया गया है,यह कृत्य संस्था एवं धम्म विरोधी लोगों का है एवं वह अन्य संस्थाओं को लाने का प्रयास कर हैं।ढ़ेगरे जी संस्था के माध्यम से धम्म का कार्य निरंतर गतिमान करने में लगे हुए हैं सभी धम्मबंधु ऐसे भ्रामक प्रचार से सावधान रहे एवं धम्म संस्था के माध्यम किए जाने वाले धम्म कार्यों में हमेशा सहयोग करे।

आम सूचना

वास्ते पक्षकार- श्री नारायणी एज्यू इंफा. प्राईवेट लिमिटेड, की ओर से डायरेक्टर श्री सचिव शांडिल्य पिता स्व. यु.के. शांडिल्य निवासी एस-25 राजीव नगर, रायपुर छ.ग.।

मैं योगेन्द्र बिसेन अधिवक्ता अपने उपरोक्त वर्णित पक्षकार की ओर से प्राधिकृत होकर आम सूचना प्रेषित करता हूं, जिसके अनुसार ग्राम सुरवाही प.ह.न. 14/68 रा.नि.म. परसवाड़ा जिला बालाघाट ख.न. 21/2 रकबा 3.852 हे. भूमि में से 4.00 एकड़ / 1.620 हे. भूमि जो विक्रेतागण रोशन उके पिता सापकन, रोहनलाल उके पिता सापकन, भरतलाल उके पिता सापकन, मुन्नालाल उके पिता सापकन उके, रूपवंता उके पिता सापकन, पार्वती उके पिता सापकन, विमला उके पिता सापकन, श्रीमति तारनबाई पति स्व. हरीराम, सरवनलाल उके पिता स्व. हरीराम, यमुना पिता हरीराम, सचिन पिता प्रकाश, सौरभ पिता प्रकाश, पूनम पिता प्रकाश, सोनम पिता प्रकाश, सभी जाति महार निवासी ग्राम सुरवाही तहसील परसवाड़ा जिला बालाघाट के नाम पर राजस्व रिकार्ड में दर्ज हैं। उक्त भूमि का सौदा दोनों पक्षों के बीच में दिनांक 20/08/2025 को ग्राम बैहर में विक्रय सौदापत्र लिखकर तैयार किया गया, दोनों पक्षों के बीच यह तय किया गया है कि आगामी दिनांक 20/11/2025 या उसके पूर्व आपसी सहमति से उपरोक्त भूमि का पंजीयन करवा लेंगे।

यह कि मेरे पक्षकार द्वारा खरीदी जा रही उपरोक्त वर्णित भूमि से संबंधित यदि कोई अनुबंध या न्यायालय विवाद या उक्त संपत्ति किसी बैंक संस्था के पास बंधक या गिरवी या किसी अन्य प्रकार का कोई विवाद हो तो उपरोक्त सूचना प्रकाशन के दिनांक से 15 दिनों के अंदर मेरे कार्यालय में समस्त दस्तावेजों सहित आकर सूचित करें। पंजीयन के बाद कोई भी आपत्ति अमान्य मानी जावेगी।

सबब सूचना प्रेषित है।

स्थान- बैहर
दिनांक 22/08/2025

प्रेषक
योगेन्द्र बिसेन अधिवक्ता
कार्यालय- बिसेन छाया मेन रोड़ बैहर
तहसील बैहर जिला बालाघाट
मो. नं.- 9424381507

29 अगस्त को शासकीय और अनुदान प्राप्त प्राथमिक व माध्यमिक शालाओं में शाला प्रबंधन समितियों का होगा गठन

बालाघाट(पद्मेश न्यूज)। प्रदेश की समस्त शासकीय एवं अनुदान प्राप्त प्राथमिक, माध्यमिक एवं कक्षा 01 से 08 तक संचालित संयुक्त माध्यमिक शालाओं में शाला प्रबंधन समितियों का गठन 29 अगस्त को किया जायेगा। संचालक राज्य शिक्षा केन्द्र ने सभी जिलों के कलेक्टर्स को एसएमसी गठन के लिये समुचित व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने के लिये विस्तृत निर्देश पत्र जारी किया है। उल्लेखनीय है कि शिक्षा का अधिकार अधिनियम के अंतर्गत सभी शासकीय प्राथमिक एवं माध्यमिक स्कूलों के बेहतर प्रबंधन एवं शैक्षिक गतिविधियों के क्रियान्वयन के लिए शाला प्रबंधन समितियों का गठन दो वर्षीय कार्यकाल के लिये किया जाता है। समितियां बच्चों के शाला नामांकन, नियमित उपस्थिति, गुणवत्तायुक्त शिक्षा और अधोसंरचना कार्यो के साथ बच्चों के बहुआयामी विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। शाला प्रबंधन समितियों में, शाला में अध्ययनरत बच्चों के 14 पालक, शाला के प्रधान शिक्षक, वरिष्ठतम महिला शिक्षिका तथा स्थानीय वार्ड के पंच/पार्षद तथा स्थानीय निकाय के सरपंच/अध्यक्ष/महापौर द्वारा नामित अन्य वार्ड की एक महिला पंच/पार्षद के रुप में निर्चाचित जनप्रतिनिधि भी शामिल रहते हैं। इन समितियों के अध्यक्ष एवं उपाध्यक्ष का चयन विद्यार्थियों के अभिभावकों में से किया जाता है। वहीं शाला के प्रधान शिक्षक समिति के सदस्य सचिव होते हैं। शासन द्वारा शाला के स्थानीय प्रबंधन के अधिकार भी इन समितियों को सौंपे गए हैं। प्रदेश के लगभग 83 हजार प्राथमिक एवं माध्यमिक स्कूलों में आगामी 29 अगस्त 2025 को गठित होने वाली इन समितियों का कार्यकाल, आगामी 2 शैक्षणिक सत्रों के लिए निर्धारित होगा। स्कूल शिक्षा विभाग द्वारा शासकीय एवं अनुदान प्राप्त स्कूलों में अध्ययनरत विद्यार्थियों के पालकों एवं अभिभावकों से 29 अगस्त-2025 को स्कूल पहुंचकर, शाला प्रबंधन समिति से जुड़ने और शालाओं के विकास कार्यों में सहभागी बनने का आग्रह किया गया है।

एकलव्य विद्यालय के बच्चों ने राज्यपाल श्री पटेल को भेंट की पेंटिंग

बालाघाट(पद्मेश न्यूज)। मध्यप्रदेश के राज्यपाल मंगुभाई पटेल 21 अगस्त को एकलव्य विद्यालय परिसर बैहर में आयोजित महा आरोग्य शिविर के शुभारंभ कार्यक्रम में पहुंचे थे। इस अवसर पर एकलव्य विद्यालय की कक्षा 09 वीं की छात्रा सुष्मिगता मरकाम एवं दीपांशु वल्के ने राज्यपाल श्री पटेल को अपने हाथों से बनाई आकर्षक पेंटिंग भेंट की। राज्यपाल श्री पटेल ने बच्चों की कलाकारी एवं हुनर की सराहना की और कहा कि वे पढ़ाई के साथ अपनी इस प्रतिभा व कला में और निखार लाने का प्रयास करें। सुष्मिता मरकाम एवं दीपांशु वल्के ने राज्यपाल श्री पटेल को भेंट करने के लिए कान्हा नेशनल पार्क की वन देवी की पेंटिंग बनाई थी। एकलव्य विद्यालय बैहर के दोनों छात्र एवं छात्रा विद्यालय के छात्रावास में रहकर पढ़ाई कर रहे हैं। इस अवसर पर सांसद श्रीमती भारती पारधी, विधायक गौरव पारधी, राजकुमार कर्राहे, कलेक्टर मृणाल मीना, पूर्व मंत्री रामकिशोर कावरे, पूर्व विधायक श्री भगत सिंह नेताम भी मौजूद थे।

स्थान परिवर्तन

मेसर्स पंकज एफ अग्रवाल एंड एसोसिएट्स चार्टर्ड एकाउंटेंट का कार्यालय जो वर्तमान में वार्ड नं 20 अन्नपूर्णा मंदिर के पास बालाघाट में स्थित है। अब अपने नवनिर्मित कार्यालय, आर्थिक आर्केड, दूसरी मंजिल, यूको बैंक के ऊपर, रेलवे स्टेशन रोड, बालाघाट में संचालित होगा

संपर्क नं- 9425138797

बारबेड वायर (कांटेदार तार) एवं चेन लिंक जाली उचित दाम पर उपलब्ध

लघु उद्योग निगम भोपाल से संबद्ध

निर्माता
तिरूपति इंजीनियरिंग वर्क्स
मयूर टॉकिज के सामने हनुमान चौक, बालाघाट
फोन:- 07632-243531
मो:- 8989976858, 9425139998

अपने ही विधायकों पर भड़के कांग्रेसी, संगठन विरोधी कार्य करने का लगाया आरोप

कांग्रेस जिला अध्यक्ष की नियुक्ति पर उठाए सवाल, कहा काम करने वाले कांग्रेसी को नहीं मिल रहा स्थान

बालाघाट(पद्मेश न्यूज)। कांग्रेस के दिवंगत नेताओं को श्रद्धांजलि अर्पित करने के लिए कुछ कांग्रेसी द्वारा स्थानीय कांग्रेस भवन में श्रद्धांजलि कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस श्रद्धांजलि कार्यक्रम में कांग्रेस के बड़े पदाधिकारी सहित विधायकों के नहीं आने पर कांग्रेस कार्यालय में उपस्थित हुए कुछ कांग्रेसी भड़क गए और उन्होंने कांग्रेस विधायक सहित नए जिला अध्यक्ष और संगठन पर जमकर अपनी भड़ास निकाली । उन्होंने कहा कि जो विधायक और पार्टी पदाधिकारी अपने ही वरिष्ठ कांग्रेसीयों की श्रद्धांजलि में नहीं आ सकते, तो वह किस काम के है । कांग्रेस के चारों विधायक और लांजी की पूर्व विधायक हिना कावरे सहित नए बनाए गए जिला अध्यक्ष को जम कर आडे हाथों लेते हुए, जमकर भड़ास निकाली और कहा कि यह वह विधायक है, जो भाजपा के मंचों पर जाकर हाजिरी लगाते हैं । जबकि इनको अपनी विपक्ष की भूमिका निभानी चाहिये । कांग्रेस जिला अध्यक्ष की नियुक्ति पर भी सवाल उठाए और जल्द ही शीर्ष नेतृत्व से नियुक्ति को लेकर बात करने की बात कही हैं ।

आपको बता दे की 22 अगस्त को स्थानीय कांग्रेस कार्यालय में कुछ कांग्रेसियों द्वारा दिवंगत हुए कांग्रेस नेताओं को श्रद्धांजलि अर्पित करने के श्रद्धांजलि समारोह कार्यक्रम का आयोजन किया गया । जिसमें स्व. विजया प्रभा सरस्वार , स्व.राधेलाल कसार, स्व. ज्ञानचंद बाफना, स्व. खूबचंद भोज, स्व.त्रिलोकचंद कोचर, स्व. बेला बिसेन, स्व. मेहरुन निशा, स्व.उर्मिला शुक्ला, स्व. निराशा बाहेश्वर, स्व. दुर्गेश सोनी को सभी ने श्रद्धांजलि अर्पित की। बाद में एक सभा का आयोजन किया गया । जिसमें बारी-बारी से कुछ वरिष्ठ कांग्रेसियों ने इस श्रद्धांजलि कार्यक्रम में कांग्रेस के विधायकों और कांग्रेस पदाधिकारीयों के नहीं पहुंचने पर सवाल खड़े किए और कहा कि आज जिन कांग्रेस के कार्यकर्ता और कांग्रेसियों द्वारा उनके लिए मेहनत की जा रही है और उन्हें आज जीता कर विधायक बनाया गया है, वह आज जीतने के बाद संगठन और कांग्रेस के कार्यकर्ता को भूल गए हैं । लांजी की पूर्व विधायक हिना कावरे अपने अनुसार कांग्रेस में नियुक्तियां करवा रही है, जो की सही नहीं है। कांग्रेस विधायकों की कार्य प्रणाली पर भी सवाल खड़े किए गए और कांग्रेस विधायकों पर आरोप लगाया कि वह भाजपा के मंचों में जाकर भाजपा के मंत्री और मुख्यमंत्री के पास जाकर हाजिरी लगाते हैं। जबकि उन्हें आज विपक्ष में बिठाया गया है, तो उन्हें विरोध करना चाहिए , लेकिन यह मुख्यमंत्री के आगमन पर उनके स्वागत की होल्डिंग लगाते हैं। कांग्रेस जिला अध्यक्ष की नियुक्ति पर भी सवाल उठाए गये और कहां की आज काम करने वाले नेताओं को संगठन में स्थान नहीं मिल रहा है । जिला अध्यक्ष नियुक्ति यही के नेताओं और विधायकों के कहने पर की गई है, जिसका प्रमाण स्थानीय सुजान धर्मशाला में हिना कावरे द्वारा स्वयं मंच से अपने बयान में बताया गया था । जो की सही नही हैं ।

दिवंगत कांग्रेसियों को भूली कांग्रेस

वरिष्ठ कांग्रेसी रहीम खान, अल्लाह रखा और धर्मेंद्र कुरील ने कहा कि आज जो देवांगत हो गये वरिष्ठ कांग्रेसी है, उनको श्रद्धांजलि देने के लिए यह कार्यक्रम आयोजित किया गया है, जो बहुत ही सराहनी है। इन दिवंगत कांग्रेसियों ने कांग्रेस के लिए बहुत काम किया है और संगठन को मजबूत करने के लिए इनका अहम योगदान रहा है, किंतु आज कांग्रेस संगठन के पदाधिकारी ने उन्हें श्रद्धांजलि के लिए कोई कार्यक्रम नहीं किया, उनके परिजनों से नहीं मिले जो कि गलत है। जबकि जिला अध्यक्ष रहे संजय उइके को उनके घर जाकर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित करना था। लेकिन ऐसा उन्होंने नही किया।

कांग्रेस पार्टी में व्यक्तिवाद और परिवारवाद चल रहा है - सौरभ लोधी

सौरभ लोधी ने भी जिला अध्यक्ष की नियुक्ति पर सवाल खड़े करते हुए कहा कि आज कांग्रेस पार्टी में व्यक्तिवाद और परिवारवाद चल रहा है। इसे सुधारने की आवश्यकता है। आज कई हजारों युवा बिना स्वार्थ के सड़कों पर उतरकर आंदोलन करते हैं। लेकिन कभी पद के लिए उन्होंने अपनी इच्छा जाहिर नहीं की । आज उन्हें लोग संघर्ष से जानते हैं, लेकिन आने वाले समय में यदि संगठन का विस्तार करना है तो पार्टी में सुधार की आवश्यकता है। तब जाकर कांग्रेस मजबूत होगी। आज वरिष्ठ कांग्रेसी और पदाधिकारी सहित विधायकों को भी सड़कों पर आना होगा, तब जाकर जनता में उनका विश्वास बनेगा। लेकिन यह नेता सिर्फ मंचों से अपने भाषण तक ही सीमित है।

काम करने वाले कार्यकर्ताओं को भी मौका नई मिल रहा

जुगल शर्मा और महेश सहारे ने कहा कि उनके नेता राहुल गांधी जातिगत जनगणना की बात करते हैं , किंतु बालाघाट के कांग्रेस विधायको ने आज तक जातिगत जनगणना को लेकर कोई भी बयान नहीं दिया ना ही कोई धरना आंदोलन आज तक नही किया गया। आज कांग्रेस के चार विधायकों के होते हुए भी कांग्रेस कार्यालय की स्थिति खराब है। कार्यालय में पंखे नहीं है । उन्होंने कहा कि आज दो विधायक वालों के कार्यालय चमक रहे हैं। जिसका उदाहरण भाजपा कार्यालय है। आज कांग्रेस विधायक को चापलूसी और बढाई करने वाले लोग पसंद है। इस कारण आज वह कांग्रेस के छोटे पदाधिकारी और कार्यकर्ताओं को कोई नहीं पूछ रहा है । जो सांसद ,विधायक और जिला पंचायत के चुनाव ल ?ते हैं वही लोग हार जाने के बाद , संगठन के पदों पर बिठा दिये जाते है । जबकि इस बात को लेकर ऊपर के नेताओं को सोचना चाहिए कि काम करने वाले कार्यकर्ताओं को भी मौका दिया जाए । यदि जबरदस्ती वरिष्ठ स्तर से किसी को भी जबरदस्ती कांग्रेस कार्यकर्ताओं पर थोप दिया जाएगा तो कांग्रेस कार्यकर्ता और कांग्रेसी उसके साथ नहीं रहेंगे।

आज कांग्रेस विधायक भाजपा नेता का गुणगान करते है - उम्मेद लिल्हारे

वरिष्ठ कांग्रेसी उम्मेद लिल्हारे द्वारा भी सभा में अपनी बात रखते हुए कहा गया कि कांग्रेस कमेटी और विधायकों द्वारा जो कार्यक्रम करवाए जाते हैं, उसमें वह उनके एक मैसेज पर सभी पहुंच जाते हैं , किंतु आज मरने वालों की श्रद्धांजलि में तक कांग्रेस विधायक और कांग्रेस पदाधिकारी नहीं पहुंच पा रहे हैं, जो की बहुत ही दुर्भाग्य का विषय है। आज अनूपसिंह बैस और रहीम खान जिन्होंने यह कार्यक्रम आयोजित किया है, यह भी कांग्रेस के ही कार्यकर्ता और पदाधिकारी है तो फिर क्यों उनके बुलावे पर कांग्रेस विधायक सहित अन्य पदाधिकारी व ब्लॉक अध्यक्ष नहीं आए , क्या वह इन लोगों को कांग्रेसी नहीं मानते। ऐसे कई आरोप श्री लिल्हारे द्वारा ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष पर लगाये गये । उन्होंने कहा कि आज भाजपा में मौसम बिसेन का पूरे जिले भर में स्वागत हुआ, तो वही सम्राट सरस्वार को भी राज्य मंत्री का दर्जा मिला , तो किसी कांग्रेसी और किसी कांग्रेस विधायक ने उनका स्वागत नहीं किया और कहीं भी इसकी खबर जिले में नहीं है। यह कितना दुर्भाग्य का विषय है , उन्होंने कांग्रेस विधायकों की भी कार्य प्रणाली पर सवाल उठाए और कहा कि आज भाजपा के कार्यक्रमों में समझ ही नहीं आता कि कांग्रेस के विधायक कौन से हैं और भाजपा के विधायक कौन से हैं । मुख्यमंत्री के जिले में आगमन पर यह वहां पर भाजपाई हो जाते हैं और मंच पर बैठ जाते हैं । मुख्यमंत्री इन कांग्रेस विधायकों की हाजिरी लेता है। जबकि इन्हें विपक्ष में होने के साथ स्थानीय मुद्दों को उठाकर मुख्यमंत्री को काला झंडा दिखाना चाहिए। पर यह विपक्ष की भूमिका नहीं निभाते। उन्होंने बालाघाट विधायक पर भी जमकर हमला बोला और कहा कि आज अनुभा मुंजारे कांग्रेस के वोटो से जीती है, लेकिन वह भाजपा के नेता, मंत्रियों का गुणगान करती है। उन्होंने कहा कि पहले यही गौरीशंकर बिसेन को शासकीय बंगला खाली करने को कहते थे , किंतु आज यही शासकीय बंगले में बैठे हैं । संजय उइके को भी कहा कि वह पिछले कार्यकाल में ही जिला अध्यक्ष बनने से मना करने की बात करते थे, किंतु इस बार पूरी तैयारी और संगठन में ड्रामा करते हुए अपनी नियुक्ति हिना कावरे के माध्यम से करवाई हैं । इन्हीं कांग्रेस विधायकों ने उनका समर्थन किया ,जबकि ऐसा नहीं होना था , काम करने वाले कार्यकर्ताओं को भी मौका दिया जाना था। हिना कावरे पर भी उन्होंने आरोप लगाया कि वह आज अपने पिता के समान उम्र वाले कांग्रेसियों को सम्मान नहीं दे रही है और गुमराह करते हुए संगठन में अपने हिसाब से नियुक्ति करवा रही है। जबकि राहुल गांधी स्वयं ही संगठन सृजन की बात करते हैं और यहां वही- वही लोगों को नियुक्त किया जाता है। उन्होंने कहा कि वह किसी के विरोध में नहीं है ,वह कांग्रेस के खिलाफ काम करने वाले लोगों के खिलाफ में है और इन सब व्यवस्थाओं को सुधार की आवश्यकता है। तब संगठन मजबूत होगा।

कांग्रेस के कार्यक्रम में कुर्सियां तक नहीं दी जाती - सम्राट सरस्वार

जिला पंचायत अध्यक्ष सम्राट सरस्वार ने अपनी भी तकलीफ बयाँ करते हुए बताया कि कांग्रेस में गुटबाजी उनके जिला पंचायत अध्यक्ष बनते ही शुरू हो गई थी , जबकि उन्होंने कभी किसी से गुटबाजी नहीं की । कहीं भी कांग्रेस के कार्यक्रम होते थे तो उन्हें कुर्सी तक नहीं दी जाती थी और कोई उन्हें कुर्सी नहीं देता था और उन्हें कोने में बैठना पड़ता था नही तो वह कुर्सी नहीं मिलने पर वहां से वापस चले जाते थे, ऐसी कई स्थित है जिन्हें आज सुधार करने की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि आज कांग्रेस में कुछ लोग अपनी लाइन बढ़ाने के लिए दूसरों की लाइन कम करते हैं , जो कि गलत है ।

आंगनबाड़ी केन्द्र में खराब सब्जी आने पर मचा बवाल

बालाघाट(पद्मेश न्यूज)। आंगनबाड़ी केन्द्र में आने वाले नौनिहाल बच्चों को शासन द्वारा पौष्टिक आहार प्रदान करने

सप्ताह भर का अलग-अलग मेन्यू अनुसार भोजन परोसने का निर्देश दिया गया है। लेकिन अधिकांश आंगनबाड़ी केन्द्रों में मीनू अनुसार भोजन नहीं दिया जा रहा है। आंगनबाड़ी केन्द्रों में बच्चों को बासी सब्जी व कंकड़ वाला चांवल स्व-सहायता समूह के द्वारा परोसे जाने का आरोप सामने आया है। शहर से सटी ग्राम पंचायत कोसमी के आंगनबाड़ी केन्द्र क्रमांक 4 सहित कोसमी की अन्य आंगनबाड़ी में जागृति स्व-सहायता समूह के द्वारा खराब (बासी) सब्जी भेजी गई। जब सहायिका द्वारा बच्चों को खाना परोसने देखा गया तो सब्जी से खट्टी गंध आ रही थी और सब्जी खराब थी। जिससे बच्चों को खाना नहीं परोसा गया। इस बारे में तत्काल जनपद सदस्य व स्वास्थ्य एवं महिला बाल विकास सभापति श्रीमती दीक्षा मेश्राम को सूचना दी गई। जिससे तत्काल सभापति श्रीमती मेश्राम ने पहुंचकर निरीक्षण किया व सब्जी खराब हो गई थी। मेन्यू के अनुसार भी भोजन नहीं था। शुक्रवार को उपमा व दाल रोटी दिया जाना था , लेकिन स्व-सहायता समूह द्वारा खिचड़ी व आलू चना व लौकी की सब्जी भेजी गई। वह भी बासी व खराब थी । काफी समय से रोटी नहीं दी जा रहा है। बच्चे रोटी खाने तरस गये है। इसकी कई बार शिकायत की गई लेकिन कोई कार्यवाही नहीं हो रही है। इससे पंचनामा तैयार कर वरिष्ठ अधिकारियों को शिकायत की गई है। इस दौरान स्वास्थ्य एवं महिला बाल विकास सभापति दीक्षा मेश्राम, आंगनबाड़ी केन्द्र 6 की आंगनबाड़ी कार्यकर्ता, आंगनबाड़ी केन्द्र 4 सहायिका मलिता बोरकर, अभिभावक में सपना चन्देल, सरिता, अंजली पगरवार, राजकुमार मौजूद रहे।

इसके पूर्व भी खराब भोजन दिया गया है - मलिता बोरकर

इस संबंध में आंगनबाड़ी केन्द्र क्रमांक 4 की सहायिका मलिता बोरकर ने बताया कि सुबह 9 बजे आंगनबाड़ी केन्द्र खोलकर बच्चे लेने गई थी व आंगनबाड़ी कार्यकर्ता भटेरा में शिविर में गई हुई थी। जब वापस 9.30 बजे पहुंची तो स्व-सहायता समूह के द्वारा खाना भिजवा दिया गया था। जब खाना खिलाने बच्चों को बैठाये तो खाना खराब था। आज खराब बासी सब्जी भेजी गई थी व चांवल भी गीला था। जिससे बच्चों को खाना नहीं परोसा गया। उन्होंने बताया कि इसके पूर्व भी खराब भोजन दिया गया है। समूह के द्वारा मेन्यू अनुसार खाना नहीं दिया जा रहा है। जिसकी शिकायत भी आंगनबाड़ी कार्यकर्ता द्वारा वरिष्ठ अधिकारियों को दी गई है।

इस प्रकार से हैं मेन्यू

शासन द्वारा आंगनबाड़ी में पढने वाले बच्चों को सप्ताह में अलग-अलग मेन्यू अनुसार खाना परोसे जाने का निर्देश दिया गया है। इसमें सोमवार को नाश्ता में खिचड़ी व खाना सब्जी रोटी, मंगलवार उपमा, खीर पुड़ी, बुधवार मीठी लेप्सी, दाल रोटी, गुरूवार मीठी लेप्सी, दाल चांवल, शुक्रवार उपमा, दाल रोटी व शनिवार को नाश्ता में खिचड़ी व खाना सब्जी रोटी दिया जाना चाहिए। लेकिन रोटी पुड़ी नहीं दी जा रही है न ही मेन्यू अनुसार खाना दिया जा रहा है।

पंचनामा तैयार किया गया हैं - दीक्षा मेश्राम

इस संबंध में जनपद सदस्य व सभापति दीक्षा मेश्राम ने बताया कि आज आंगनबाड़ी केन्द्र में बच्चों को खराब भोजन दिये जाने की सूचना अभिभावकों द्वारा दी गई। जिससे तत्काल आंगनबाड़ी केन्द्र में पहुंचकर देखा तो खाना बासी था व कंकड़ भी पाया गया। बच्चों के खाने योग्य भोजन नहीं था। जिससे बच्चों के अभिभावक व आंगनबाड़ी कर्मचारी की मौजूदगी में पंचनामा तैयार किया गया। जागृति स्व-सहायता समूह द्वारा काफी सालों से किया जा रहा है। बारिश के दिनों में बच्चों को गुणवत्ता वाला भोजन दिया जाना चाहिए। ये समूह कोसमी की सारे आंगनबाड़ी केन्द्र में खाना भिजवाती है। पूर्व में भी इस तरह की शिकायत मिलने पर समूह की महिला को गुणवत्ता वाला खाना परोसने कहा गया व निरीक्षण करने आने पर कुछ दिनों तक अच्छा खाना दिया जाता है। उसके बाद फिर मेन्यू के अनुसार खाना नहीं दिया जाता व अपने हिसाब से खाना दिया जाने लगता है। आज पंचनामा तैयार कर इसकी शिकायत महिला बाल विकास के अधिकारियों को दी गई है।

नोटिस भी जारी किया जा चूका है -शैलेंद्र

इस पूरे विषय को लेकर परियोजना अधिकारी शैलेंद्र ने दूरभाष पर चर्चा के दौरान बताया कि समूह को लेकर इसके पहले भी शिकायत मिली है और समूह को नोटिस भी जारी किया जा चूका है। जल्द ही इस पूरे विषय पर संज्ञान लेते हुए कार्रवाई की जाएगी ।

पाटन पोला पर्व आज, तो नारबोद कल, पोला नारबोद की तैयारियों में जुटे लोग

जिले भर में पोला पाटन पर्व को लेकर देखा जा रहा उत्साह, मिट्टी, व लकड़ी के नंदी की लोगो ने की जमकर खरीदी

बालाघाट(पद्मेश न्यूज)। जिला मुख्यालय सहित अन्य तहसीलो व ग्रामीण अंचलों में पोला पाटन और नारबोद पर्व की तैयारियां शुरू हो गई है।जहां जिले भर में शनिवार को पोला पाटन पर्व तो वही रविवार को नारबोद पर्व मनाया जाएगा।प्रतिवर्ष की तरह इस वर्ष भी हर्षोल्लास के साथ मनाए जाने वाले इस पर्व को लेकर लोगो मे खासा उत्साह बना हुआ है।जहां छोटे बच्चे इस पर्व विशेष पर आनंदित नजर आ रहे है।उधर इन दोनों ही पर्व को लेकर बाजार एक बार फिर गुलजार हो चुका है जहां से लोग लकड़ी,व मिट्टी से बने नंदी, विभिन्न प्रकार के खिलौनों के साथ साथ नंदी को सजाने के लिए गुब्बारे, रंग, बेगड़ व अन्य साज सामग्री की खरीदी करते लोग नजर आ रहे है।वही दोनो ही पर्व पर बनने वाले पकवानों की सामग्रियो की जमकर खरीदी की जा रही है।जहां शुक्रवार को स्थानीय बाजार में पर्व विशेष को लेकर सुबहा से देर शाम तक लोग विभिन्न सामग्रियो की खरीदी में जुटे रहे।आपको बताए कि नगर मुख्यालय में बूढ़ी, जयहिंद टॉकीज मैदान, भटेरा के आगे पोला पाटन पर्व पर नंदी पूजा का विशेष आयोजन किया जाएगा।

बैलों की होंगी विशेष पूजा, खिलाए जाएंगे पकवान

पोला पाटन पर्व एक तरह से कृषकों से जुड़ा है। इस दिन भगवान नंदी के स्वरूप बैल की पूजा अर्चना कर विभिन्न पकवान बनाकर उन्हें खिलाया जाता है। ग्रामीण अंचलो में पोला पर्व के दिन मवेशियों को रंग-बिरंगे रंगों से

सजाकर आखर चौक में लाया जाएगा।जहा उनकी आरती उतारकर विशेष पूजा की जाएगी।कई जगहों पर तो आखर मैदान में बैल जोड़ी की दौड़ कराकर प्रतियोगिता का भी आयोजन किया जाएगा।वही बैल जोड़ी को घर ले जाकर अन्य लोग भी पूजा अर्चना करेंगे।वहीं उन्हें अपने हाथों से विभिन्न पकवान खिलाएंगे।

मवेशियों के सम्मान का प्रमुख पर्व है पोला

कृषि को अच्छा बनाने में मवेशियों का भी विशेष योगदान होता है। जिसके चलते किसान, पशु पालक मवेशियों की पूजा करते हैं। पोला का त्योहार उन्हीं में से एक है, इस दिन कृषक गाय, बैलों की पूजा करते हैं। किसान और अन्य लोग पशुओं की विशेष रूप से बैल की पूजा करते हैं, उन्हें अच्छे से सजाते हैं।बताया जा रहा है कि जिले के ज्यादातर किसान खेती के लिए बैलों का उपयोग करते है।इसलिए किसान पशुओं की पूजा आराधना एवं उनको धन्यवाद देने के लिए भी इस त्योहार को मनाते हैं।पोला के पहले दिन किसान अपने बैलों के गले एवं मुंह से रस्सी निकाल देते हैं। इसके बाद उन्हें हल्दी, बेसन का लेप लगाते हैं, तेल से उनकी मालिश की जाती है। इसके बाद उन्हें गर्म पानी से अच्छे से नहलाया जाता है या फिर समीप की नदी-नालो में ले जाकर नहलाया जाता है।इसके बाद उन्हें बाजरा से बनी खिचड़ी खिलाई जाती है। इसके बाद बैल को अच्छे से सजाया जाता है, उनकी सींग को कलर किया जाता है। इस दिन का मुख्य उद्देश्य ये है कि बैलों के सींग में बंधी पुरानी रस्सी को बदलकर, नए तरीके से बांधा जाता है। गांव के सभी लोग एक जगह इक्कठे होते हैं और अपने-अपने पशुओं को सजाकर लाते हैं। इस दिन सबको अपने बैलों को दिखाने का मौका मिलता है।अनेक गांवों में इस दिन मेले भी लगाए जाते हैं, वही तरह-तरह की प्रतियोगिताएं आयोजित होती हैं। कुल मिलाकर कहे तो पोला का यहा त्योहार हर इंसान को मवेशियों का सम्मान करना सिखाता है

बच्चो में दिख रहा खासा उत्साह

आज के युग में जहां बच्चे मोबाइल पर गेम एवं इलेक्ट्रानिक खिलौने खेलते हैं तो वहीं ग्रामीण अंचलों में लकड़ी के बैलों से बच्चे खेलते हैं। विशेष रूप से पोला पर्व पर इसका अलग ही महत्व है जब बच्चे चक्के लगे लकड़ी के बैलों में रस्सी बांधकर उसे लेकर दौड़ते हैं। पोला पर्व के दूसरे दिन तान्हा पोला मनाया जाता है जिसमें बच्चे लकड़ी के बैल लेकर दौड़ते हैं।शनिवार को पोला पर्व धूमधाम से पूरे क्षेत्र में मनाया जाना है।जिसके लिए बाजार में जहां बैलों को सजाने के सामान की दुकाने विशेष रूप से लगी है वहीं एक से बढ़कर एक सामान बैलों को सजाने के लिए उपलब्ध है ताकि बैल रंग बिरंगे एवं आकर्षक नजर आए। इसी के साथ ही बाजार में बच्चों के लिए लकड़ी के बैलों की भी खूब बिक्री हो रही है।जिसे खरीदने के लिए बच्चे उत्साहित नजर आ रहे है। नगर बाजार में मिट्टी व लकड़ी के नन्दी 50 रु लेकर 250 रुपए की दर पर बिकने आए हुए हैं।

राजस्तरीय पेंचक सिलाट प्रतियोगिता रतलाम में आज से

11वी प्रतियोगिता में शामिल होने जिले के 16 खिलाडियों का दल रवाना

बालाघाट(पद्मेश न्यूज)। पूर्व निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार दिनाक 23 से 24 अगस्त तक, रतलाम जिले में 11वी पेंचक सिलाट राज्य स्तरीय प्रतियोगिता का आयोजन किया गया है।जिसमें बालाघाट जिले से 13 खिलाडी, 2 रैफरी 1 टीम कोच समेत 16 लोगों का दल प्रतियोगिता में शामिल होने के लिए शुक्रवार की सुबह 6 बजे रतलाम के लिए रवाना हुआ। इस प्रतियोगिता में भाग लेने वाले खिलाड़ी अपने अपने उम्र और वजन कैटेगरी में भाग लेंगे।इस प्रतियोगिता में सिलाट खेल में होने वाले सभी इवेंट टेंडिंग, तुंगल, गानंदा, सोलो में खिलाड़ी भाग लेंगे जिसमें बालाघाट जिले से खनक शर्मा, तानी बत्रा, सलोनी पांचे, त्रिदीप मन्ना, डेनिश वराडे, अद्विक अग्रवाल, अनिरुद्ध पुरोहित, गगनदीप चंद्रलोर, मनन शर्मा, वेदांत विश्वकर्मा, विहान बिसेन, प्रणव सोनकर, यथार्थ गर्दे, ओर रैफरी जज में संगीता मराठा और छाया नरवास टीम कोच प्रवीण नन्हेट के साथ 22 अगस्त की सुबह रवाना हुए। टीम को रवाना करने पहुंचे जिला पेंचक सिलाट के पदाधिकारी और पालकगण सभी ने शुभकामनाओं के साथ खिलाड़ियों को रवाना किया।इस मौके पर प्रतीक नन्हेट, निधि नन्हेंट, आशीष सोनकर, भावना सोनकर, कमलेश शर्मा, पल्लवी शर्मा, कार्तिक तिरमारे, सरूण सोनवाने,साहिल सोनवाने, मनीष बेंद्रे, आदि ने खिलाड़ियों को अग्रिम बधाई के साथ रवाना किया।उक्त

जानकारी पेंचक सिलाट एसोसिएशन बालाघाट के सचिव प्रवीण नन्हेट द्वारा प्रेस विज्ञप्ति जारी कर दी गई है।

25 अगस्त को जिला स्तरीय शांति समिति की बैठक

बालाघाट(पद्मेश न्यूज)। आगामी दिनों में आने वाले त्यौहारों के दौरान जिले में कानून व्यवस्था एवं शांति बनाये रखने की दृष्टि से 25 अगस्त को जिला स्तरीय शांति समिति की बैठक का आयोजन किया गया है। कलेक्टर मृणाल मीना की अध्यक्षता में आयोजित यह बैठक कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में सांय 05 बजे से प्रारंभ होगी। शांति समिति की बैठक में 27 अगस्त को गणेश उत्सव, 22 सितम्बर को दुर्गा उत्सव, 02 अक्टूबर को दशहरा, 07 अक्टूबर को महर्षि वाल्मिकी जयंती, 20 अक्टूबर को दीपावली, 15 नवंबर को भगवान बिरसा मुंडा जयंती व गुरूनानक जयंती तथा 25 दिसंबर को क्रिसमस दिवस के त्यौहारों के आयोजन को लेकर चर्चा की जायेगी। बैठक में शांति समिति के सदस्यों को उपस्थित रहने के लिए सूचना भेज दी गई है। इसके साथ ही बालाघाट एसडीएम, पूर्व क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी के कार्यपालन यंत्री, लोक निर्माण विभाग के कार्यपालन यंत्री, होमगार्ड के डिस्ट्रिक्ट कमांडेंट, मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी, खाद्य सुरक्षा अधिकारी, महिला बाल विकास अधिकारी, मुख्य नगर पालिका अधिकारी, तहसीलदार एवं कोतवाली व यातायात थाना प्रभारी को बैठक में उपस्थित रहने के निर्देश दिये गये हैं।

भगवान श्रीगणेश की प्रतिमाओं को अंतिम रूप दे रहे मूर्तिकार

रंग-पेंट कार्य में जुटे मूर्तिकार, 27 अगस्त से शुरू होगा श्रीगणेशोत्सव पर्व, तैयारियां शुरू,मौसम परिवर्तन व बारिश होने से मूर्तिकारों को भगवान श्रीगणेश की प्रतिमा बनाने में हो रही परेशानी

लालबर्रा (पद्मेश न्यूज)। नगर मुख्यालय सहित ग्रामीण अंचलों में 10 दिवसीय गणेशोत्सव पर्व आगामी 27 अगस्त से भक्तिभाव एवं धूमधाम से मनाया जायेगा। जिसकी तैयारियों में जुटे मूर्तिकारों के द्वारा भगवान श्री गणेश की प्रतिमाओं को अंतिम रूप प्रदान करने का काम किया जा रहा है। साथ ही गणेशोत्सव समिति के द्वारा भी गणेशोत्सव पर्व के लिए भव्य पंडाल तैयार किया जा रहा है एवं 27 अगस्त को शुभ मुहुर्त पर प्रथम पूज्य भगवान श्रीगणेश की प्रतिमा विराजित कर गणेशोत्सव पर्व भक्तिभाव के साथ मनाया जायेगा। जिसकी तैयारी में गणेशोत्सव समिति एवं घरों में विराजमान करने वाले श्रध्दालुओं के द्वारा भी प्रारंभ कर दी गई है। नगर मुख्यालय के ग्राम पंचायत पांढरवानी के लालबर्रा कुम्हारी मोहल्ला एवं अमोली में मूर्तिकारों के द्वारा भगवान श्रीगणेश के प्रतिमाओं को अंतिम रूप देने के साथ ही रंग-रोगन का कार्य प्रारंभ कर दिया गया है। जिसमें अधिकांश छोटी प्रतिमाएं बनकर तैयार भी हो गई है एवं बड़ी मूर्तियों को बनाने का कार्य जारी है। लेकिन बार-बार मौसम परिवर्तन एवं शुक्रवार को दोपहर बाद से रूक-रूक कर हो रही बारिश के कारण मूर्तिकारों को भगवान श्रीगणेश की प्रतिमाएं बनाने में कुछ परेशानियों का भी सामना करना पड़ रहा है। साथ ही बड़ी मूर्ति को सुखाने में परेशानी हो रही है। जिन प्रतिमाओं को सूखने के लिए धुप में रखे गये थे, अचानक तेज बारिश होने पर कुछ प्रतिमाएं गीली हो सकती थी लेकिन मूर्तिकारों के द्वारा समय रहते पॉलीथिन ढाककर उन्हे भींगने से बचा लिया गया नही तो उनकी परेशानी और बढ़ सकती थी। वहीं तेज धुप नही लगने के कारण गैंस सिलेण्डर एवं कंडे के माध्यम से प्रतिमा को सुखाकर प्रतिमाओं को अंतिम रूप देने के साथ ही उसमें रंग-पेंट भी करने लगे है। चर्चा में मुर्तिकारों ने बताया कि गणेशोत्सव पर्व के लिए भगवान श्रीगणेश की प्रतिमाओं का निर्माण करने के साथ ही उसमें रंग-पेंट किया जा रहा है जो 26 अगस्त तक बनकर तैयार हो जायेगें एवं हमारा पूरा व्यवसाय चिकनी मिट्टी पर निर्भर है परन्तु चिकनी मिट्टी उपलब्ध नही होने के कारण परेशानियों का सामना करना पड़ता है। साथ ही शासन-प्रशासन से कई बार मिट्टी खदान उपलब्ध करवाने की मांग भी की गई है परन्तु उपलब्ध नही करवाया गया है। ऐसी स्थिति में दुर से महंगे दामों में मिट्टी लाकर भगवान गणेश सहित अन्य प्रतिमा व मिट्टी के बर्तन बनाकर उससे प्राप्त आय से परिवार का पालन-पोषण करते है।

26 अगस्त तक प्रतिमाएं बनकर हो जायेगें तैयार - घाटे

मूर्तिकार एसपी घाटे ने बताया कि 27 अगस्त को होने वाली गणेश उत्सव पर्व को लेकर तैयारियां प्रारंभ हो चुकी है और हमारे द्वारा भगवान श्री गणेश की प्रतिमा को अंतिम रूप देने कार्य किया जा रहा है, जो 26 अगस्त तक बनकर तैयार हो जायेगें। साथ ही यह भी बताया कि वर्तमान में मौसम खराब होने के कारण प्रतिमा को सुखाने में परेशानी हो रही है इसलिए सिलेण्डर गैस के माध्यम से सुखा रहे है। जिससे हमें अतिरिक्त खर्च का सामना करना पड़ रहा है एवं रंग-पेट के दामों में भी वृध्दि हुई है। श्री घाटे ने बताया कि शासन से लंबे समय से मिट्टी खदान उपलब्ध करवाने की मांग कर रहे है, लेकिन अब तक खदान उपलब्ध नही करवाया गया है। ऐसी स्थिति में दुर से महंगे दामों में चिकनी मिट्टी खरीदकर लाना पड़ता है। उसके बाद अपनी पुस्तैनी कार्य को कर रहे है, सरकार से मांग है कि जल्द मिट्टी खदान उपलब्ध करवाये।

आज पोला पर्व पर होगी बैलों की विशेष पूजा

लालबर्रा (पद्मेश न्यूज)। नगर मुख्यालय सहित ग्रामीण अंचलों में 23 अगस्त को पोला पर्व धूमधाम से मनाया जायेगा। जिसको लेकर किसानों द्वारा विशेष तैयारियां पूरी कर ली गई है। इस अवसर पर किसानों के द्वारा अपने खेती कार्य परहा की समाप्ति के बाद बैलों को अलग-अलग रंग लगाकर सींगों में बेगड़, विशेष वनस्पति की तोरन बांधकर विशेष पूजा कर भोग लगाया जायेगा। तत्पश्चात किसानों द्वारा एक दूसरे को चांवल का तिलक लगाकर पोला पर्व की बधाई दी जायेगी। पोला पर्व के एक दिन पूर्व 22 अगस्त को लालबर्रा बाजार में खासी भीड़ रही और पोला पर्व पर लगने वाले मिट्टी के बने सुरई, दिये व अन्य मूर्ति को लेकर कुम्हार बाजार में बिक्री करने लेकर आये थे। जिसकी हिन्दु धर्मालंबियों ने खरीदी किये जिससे बाजार क्षेत्र में दिनभर चहल-पहल भी बनी रही। आपकों बता दें कि पोला पर्व में झड़ती बोलकर बैलों को दौड़ाया जाता है, साथ ही रात्रि में चौसर व अन्य खेलों का आयोजन किया जाता है। जिसके दूसरे दिन नारबोद का पुतला गांव की सरहद के बाहर जलाया जाता है।

नेवरगांव ला. हायर सेकेण्डरी स्कूल का विधायक अनुभा मुंजारे ने किया निरीक्षण

लालबर्रा (पद्मेश न्यूज)। नगर मुख्यालय से लगभग 9 किमी. दूर ग्राम पंचायत नेवरगांव ला. स्थित शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय का शुक्रवार को बालाघाट विधायक श्रीमती अनुभा मुंजारे के द्वारा निरीक्षण किया गया। इस दौरान विधायक श्रीमती मुंजारे ने स्कूल के बच्चों के साथ चर्चा की और वहां की शैक्षणिक गतिविधियों को लेकर जानकारी प्राप्त की। साथ ही शिक्षक-शिक्षिकाओं के साथ विभिन्न विषयों को लेकर चर्चा की। साथ ही स्कूल प्रशासन व स्थानीय जनप्रतिनिधियों ने विधायक को स्कूल से जुड़ी समस्याओं से अवगत करवाकर उन्हे पूरा करने की मांग की है। जिस पर विधायक श्रीमती मुंजारे ने शैक्षणिक हित में आवश्यक कार्यवाही करने आश्वस्त किया है। वहीं विधायक श्रीमती मुंजारे ने स्कूल के शिक्षक-शिक्षिकाओं से कहा कि बच्चों को अच्छी शिक्षा प्रदान करने, शासन की योजना का लाभ दिलवाने एवं छात्र-छात्राओं से लगन लगाकर पढ़ाई कर अच्छे अंकों से उत्तीर्ण होकर स्कूल एवं अपने माता-पिता का नाम रौशन करने की बात कही। इस दौरान स्कूल प्रशासन के द्वारा विधायक अनुभा मुंजारे का स्वागत कर सम्मान भी किया गया। इस अवसर पर विधायक श्रीमती अनुभा मुंजारे के साथ संतोष पंचेश्वर सरपंच ग्राम पंचायत नेवरगांव ला., मनीष बडघरे सरपंच प्रतिनिधि ग्राम पंचायत धारावासी, मथुरा बिसेन, रूपसिंह उके, शैलेश केकती विधायक प्रतिनिधि, नितिन सांखला, गंगासागर नगपुरे विधायक प्रतिनिधि, सुमित स्वामी सहित ग्रामीणजन उपस्थित रहे।

लालबर्रा बहुउद्देशीय प्राथ. कृषि साख सहकारी समिति की वार्षिक आमसभा का हुआ आयोजन

लालबर्रा (पद्मेश न्यूज)। नगर मुख्यालय स्थित बहुउद्देशीय प्राथमिक कृषि साख सहकारी समिति मर्यादित (बी. पैक्स) में 22 अगस्त को वार्षिक आमसभा का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम खुमानसिंह बोपचे के मुख्य आतिथ्य एवं बहुउद्देशीय प्राथमिक कृषि साख सहकारी समिति लालबर्रा के पूर्व अध्यक्ष अनिल शर्मा की अध्यक्षता, समाजसेवी गिरीश पाठक, देवीराम माने, कत्तूलाल कावरे, जिला सहकारी केन्द्रीय बैंक शाखा प्रबंधक राजेश दुबे, पर्यवेक्षक डीके लिल्हारे, बहुउद्देशीय प्राथमिक कृषि साख सहकारी समिति लालबर्रा प्रबंधक एचसी बसेने सहित अन्य जनप्रतिनिधि एवं सेवा सहकारी समितियों के प्रबंधकों की प्रमुख उपस्थिति में प्रारंभ हुआ। जिसमें सर्वप्रथम उपस्थितजनों ने माँ सरस्वती के छायाचित्र के समक्ष दीप प्र%वलित कर माल्यार्पण किया। वहीं आयोजित समिति की वार्षिक आमसभा में बहुउद्देशीय प्राथमिक कृषि साख सेवा सहकारी समिति लालबर्रा के सहायक प्रबंधक सुभाष बोपचे के द्वारा सोसायटी के क्रियाकलापों का जो कि संचालक मंडल द्वारा आगामी वर्ष 2026-27 के लिए तैयार किये गये अनुमोदन, वार्षिक रिपोर्ट वर्ष 2024-25 के वित्तीय पत्रक के अनुमोदन, आगामी सहकारी वर्ष 2026-27 के लिए अनुमानित बजट की स्वीकृत सहित अन्य जानकारी उपस्थित किसानों को दी गई। वहीं लालबर्रा बहुउद्देशीय प्राथमिक कृषि साख सेवा सहकारी समिति 50 लाख 79 हजार के लाभ पर चल रही है एवं संस्था वर्ष 2024-25 तक कुल संचित लाभ 1 करोड़ 50 लाख, 61 हजार रूपये है, इस तरह समिति लाभ में चल रही है। साथ ही उपस्थित किसानों को सेवा सहकारी समिति द्वारा संचालित योजनाओं की भी जानकारी दी गई और योजनाओं का लाभ लेकर अपनी आर्थिक स्थिति को मजबूत करने प्रेरित किया गया। वहीं बहुउद्देशीय प्राथमिक कृषि साख सेवा सहकारी समिति लालबर्रा के उपशाखा ददिया को अलग समिति बनाने पर चर्चा की गई। लेकिन किसानों की इस पर सहमति नही बन पाई है। ऐसी स्थिति में लालबर्रा ही समिति बनी रहेगी और पूर्व से जुड़े ग्राम के किसान बहुउद्देशीय प्राथमिक कृषि साख सेवा सहकारी समिति लालबर्रा से ही लेन-देन करेगें। वहीं किसानों को प्रधानमंत्री जन औषधी केन्द्र से मिलने वाली दवाईयों के बारे में जानकारी देकर कम दामों में लेने की अपील की गई क्योंकि इस संस्था पर सब्सिडी में दवाईयां मिलती है। चर्चा में बहुउद्देशीय प्राथमिक कृषि साख सेवा सहकारी समिति लालबर्रा के प्रबंधक एचसी बसेने ने बताया कि बहुउद्देशीय प्राथमिक कृषि साख सेवा सहकारी समिति लालबर्रा की वार्षिक आमसभा आयोजित की गई। जिसमें समिति की आय-व्यय, लाभ-हानि, लेन-देन पत्रक को सहायक प्रबंधक सुभाष बोपचे के द्वारा किसानों को पढ़कर सुनाया गया एवं समिति के द्वारा वर्ष भर किये गये काम की जानकारी भी किसानों को दी गई। साथ ही आगामी वर्ष का बजट संस्था के द्वारा 30 लाख 28 हजार रूपये स्वीकृत किया गया है।

इस अवसर पर देवंतीबाई माने, दिनेश पंचेश्वर, प्रेमलाल रहांगडाले, रितेन्द्र बोपचे, भोजलाल हरिनखेड़े, बीआर ढबाले, दीनदयाल सपाटे, बालाप्रसाद सोनवाने, केशरबाई पंचेश्वर, महेश पांडेय, मोतीलाल माने, गणेश कावरे, आनंदसिंह धुर्वे, मनीराम भोयर, एलजे बिसेन, सहायक प्रबंधक सुभाष बोपचे, पवन बोपचे, गणेश लांजेवार, धनेन्द्र मात्रे, धनीराम पंचेश्वर, नरेन्द्र बोपचे, अनिल सिंघनदुपे, अशोक कोहरे, अतुल ठाकरे, टेकचंद, श्रीमती वेदी बिसेन, बीएल ठाकरे, एमआर गोंदुड़े, भागचंद कटरे, जितेन्द्र बागड़े, जयेश शरणागत, आरएल एड़े, एमपी ठाकरे, गोपाल लानगे, नंदकिशोर दशरिये सहित अन्य अधिकारी-कर्मचारी एवं किसानगण उपस्थित रहे।

कतिया समाज ने पांढरवानी सरपंच को सौंपा ज्ञापन

सामाजिक संत भूरा भगत महाराज की प्रतिमा लगाने के लिए जगह आबंटित करने की मांग की

लालबर्रा (पद्मेश न्यूज)।कतिया समाज ब्लाक लालबर्रा के पदाधिकारी 22 अगस्त को ग्राम पंचायत पांढरवानी पहुंचकर सरपंच अनीस खान को ज्ञापन सौंपकर कतिया समाज के सामाजिक संत भूरा भगत महाराज जी की प्रतिमा लगाने के लिए मंडी काम्पलेक्स के सामने डायवर्सन रोड़ पर जगह आबंटित करने की मांग की है। चर्चा में कतिया समाज के पदाधिकारियों ने बताया कि हमारे समाज के सामाजिक संत भूरा भगत महाराज जी एक सम्मानित संत है जो हमारे लिए पूजनीय, आदर्श हैं। जिनकी प्रतिमा नगर मुख्यालय में लगाये जाने के लिए सामाजिक लोगों के द्वारा निर्णय लिया गया है। नगर मुख्यालय में प्रतिमा स्थापित करने के लिए स्थान आवंटित करने हेतु पांढरवानी सरपंच को ज्ञापन सौंपा गया है। जिन्होने आश्वास्त किया है कि प्रतिमा लगाने के लिए जगह उपलब्ध करवाई जायेगी। साथ ही यह भी बताया कि सामाजिक संत भूरा महाराज की प्रतिमा नगर मुख्यालय में लगाने का मुख्य उद्देश्य है कि हमारा समाज छोटा होने के कारण लोग कम जानते है इसलिए इनकी प्रतिमा के माध्यम से लोग हमारे सामाजिक संत व सामाजिक लोगों को पहचानेगें। इस अवसर पर कतिया समाज लालबर्रा अध्यक्ष खिलेन्द्र सोनवंशी, जयकृष्ण नीलवंशी, तुलेश शिववंशी, नंदलाल चंदेश्वर, त्रिवेणी सोनवंशी, सूरजलाल शिववंशी सहित अन्य सामाजिक लोग उपस्थित रहे।

प्रतिमा लगाने भूमि आवंटित करने की मांग की है - खिलेंद्र

कतिया समाज ब्लॉक अध्यक्ष खिलेंद्र सोनवंशी ने बताया कि हमारे सामाजिक पदाधिकारियों व लोगों के द्वारा एक सामाजिक बैठक आयोजित कर निर्णय लिया गया था कि नगर मुख्यालय में अन्य सामाजिक संतों की तरह हमारे संत की भी प्रतिमा लगाई जानी चाहिये । जिससे लोग हमारे सामाजिक संत को भी जान सके और बैठक के बाद सभी ने लालबर्रा नगर में प्रतिमा लगाये जाने में अपनी सहमति दी हैं। श्री सोनवंशी ने बताया कि शुक्रवार को पांढरवानी सरपंच को ज्ञापन सौंपकर सामाजिक संत भूरा भगत जी की प्रतिमा लगाने के लिए हाईस्कूल मार्ग पर भूमि आवंटित करने की मांग की है। जिस पर सरपंच महोदय के द्वारा हमें आश्वासन किया गया है कि जल्द ही हमें प्रतिमा लगाने के लिये भूमि आवंटित कर दी जायेगी। जैसे ही भूमि आवंटित होती है हम अपने सामाजिक संत की प्रतिमा लगा देगें।

पंचायत करेंगी पूरा सहयोग - अनीस

पांढरवानी सरपंच अनीस खान ने बताया कि कतिया समाज के द्वारा हाई स्कूल मार्ग पर अपने सामाजिक संत भूरा भगत महाराज जी की प्रतिमा लगाये जाने के लिये भूमि आवंटित करने के संबंध में ज्ञापन सौंपा गया है। ग्राम पंचायत पांढरवानी कतिया समाज का पूरा सहयोग करेगी जिससे उनके सामाजिक संत की प्रतिमा शहर में लग सके।

खमरिया क्षेत्र में धूमधाम से मनाया जायेगा पोला पर्व आज

खमरिया/लालबर्रा (पद्मेश न्यूज)। जनपद पंचायत लालबर्रा के अंतर्गत आने वाली ग्राम पंचायत खमरिया सहित ग्रामीण अंचलों में 23 अगस्त को पोला पर्व धूमधाम के साथ मनाया जायेगा। जिसकी तैयारी हिन्दु धर्मालंबियों के द्वारा पूरी कर ली गई है और आज बैलों की विशेष पूजा की जायेगी एवं पोला के दुसरे दिन 24 अगस्त को नारबोद का पर्व मनाया जायेगा। आपकों बता दे कि भादो मास की अमावस्या को पोला पिठोरा का पर्व मनाया जाता है। यह पोला पर्व किसान वर्ग का प्रमुख त्यौहार है। खेती किसानी का काम खत्म होने जाने के बाद पशुधन की पुजन कर आभार व्यक्त करने का दिन है। इस दिन बैलजोड़ियों को सजाकर इनकी पूजा की जाती है एवं घर-घर ले जाकर भी पूजन किया जाता है। इस पोला पर्व की यह भी मान्यता है कि इस दिन धान के पौधे में दुध भरता है (धान गर्भ धारण करता है)। इन दिनों घरों में माताएं-बहने पर्व के लिए तरह-तरह के पकवान व्यंजन बनाते है। साथ ही बैलों को रंग-पेंट एवं अन्य साज स%जाओं की सामग्रियों से सजाकर एक स्थान पर एकत्रित करते है जहां बेलों की पूजा अर्चना एवं झड़तियां बोली जाती है। जिसके बाद घर-घर कर ले जाया जाता है जहां बैलों की पूजा अर्चना कर घर में बने व्यंजनों का भोग लगाया जाता है।

आज मनाया जायेगा पोला पर्व

गौवंश की साज सज्जा से गुलजार रहा बाजार

वारासिवनी(पद्मेश न्यूज)। नगर में पोला पर्व मनाये जाने को लेकर तैयारियां व्यापक तौर पर कर ली गई है। पुलिस प्रशासन इस पर्व को लेकर पूरी तरह से मुस्तैद हो गया है। इस दौरान पूरा बाजार गौवंश की साज सज्जा वह अन्य सामग्रियों से गुलजार रहा। जहां पर गौवंश मालिकों के द्वारा पहुंचकर अपने गौवंश को सजाने के लिए आकर्षक रंग बिरंगी रस्सी से बने सामान आकर्षक घंटिया रंग व रंगीन झिल्लियों की खरीदी की गई ताकि अपने गोवंश की साज सज्जा कर सके। वहीं इस दौरान लकड़ी के बने छोटे नंदी ने भी बाजार की शोभा बढ़ाई जहां पर लोगों ने अपने बच्चों के लिए पोले के अगले दिन तन्हा पोला के रूप में मनाए जाने वाला पर्व एवं बच्चों के मनोरंजन के लिए खरीद कर ले गये।

जय स्तंभ चौक में पूजे जायेंगे गौवंश

जय स्तंभ चौक पर २३ अगस्त को बैल जोड़ियां अपनी उपस्थिति दर्ज करवायेंगी जहां पर उनकी पूजा अर्चना के बाद उन्हें दौड़ाया जायेगा। परंपरागत ढंग से नगर में यह पर्व नगर के पटेल के घर से मनाया जाता है। इस पर्व में सभी वर्ग के लोग अपनी उपस्थिति दर्ज करवाते हैं। नगर का चौधरी परिवार अपने पूर्वजों से चली आ रही इस परंपरा का निर्वहन आज भी कर रहे हैं। सुबह से ही उनके बाड़े में लोगों के मिलने का सिलसिला प्रारंभ हो जाता है। शाम को जय स्तंभ के लिये बैलों की पूजा के लिये आरती की थाल लेकर नगर का भ्रमण करते हुए जुलूस के रूप में चौधरी परिवार के सदस्य बाजे गाजे के साथ जय स्तंभ पहुंचते है। जहां पर गणमान्य नागरिकों के साथ गोवंश की पूजा होती है और आतिशबाजी कर इस पर्व को मनाया जाता है। इस दौरान बैलों के साथ ही उनके स्वामियों को भी समानित किया जाता है।

गौवंश की खुशी का पर्व है पोला

यह पोला पर्व गौवंश का त्यौहार है जिसमें किसान अपनी खेती कार्य पूर्ण होने के बाद इस अवसर पर अपने बैलों को सजाकर उनकी पूजा अर्चना करते हैं। जिसमें पहला दिन मोबिल पड़ता है जिसमें पहले सुबह गांव वंशों की पूजा अर्चना कर उन्हें भोग लगाया जाता है। दूसरे दिन उन्हें पोला पर्व पर आकर्षक रंग बिरंगी रस्सी एवं रंग लगाकर सजाया जाता है। इसके बाद दौड़ कार्यक्रम में शामिल होने के बाद उनकी पूजा कर दौड़ाया जाता है। तत्पश्चात पूरे नगर में घर घर ले जाकर उनकी पूजा करवाई जाती है।

कल मनाया जायेगी नारबोद पर्व

प्रतिवर्ष पोला पर्व के साथ ही नारबोद का यह पर्व मनाया जाता है। इस पर्व में वर्ग विशेष के लोग नारबोद का पुतला बनाते हैं और रात्रि जागरण करते हैं और फिर नारबोद के इस पुतले को ग्राम में घुमाते हैं और ग्राम की सरहद से बाहर ले जाकर उसका विसर्जन कर देते हैं। मान्यता के अनुसार नारबोद एक राक्षसनी थी बला बीमारियों की इस प्रतीक बुराई के इस राक्षसनी रूपी पुतले को ग्राम की सीमा के बाहर उसका विसर्जन कर नारबोद मनाई जाती है।

महाविद्यालय में विश्व युवा दिवस का हुआ आयोजन

वारासिवनी(पद्मेश न्यूज) । शासकीय शंकर साव पटेल महाविद्याल की प्रभारी प्राचार्य डॉ. रक्षा निकोसे के मार्गदर्शन एवं स्वामी विवेकानंद कॅरियर मार्गदर्शन प्रकोष्ठ प्रभारी नरेन्द्र कुमार डोंगरे के नेतृत्व एवं कार्यक्रम संयोजिका श्रीमती हर्षिता मेश्राम की उपस्थिति में महाविद्यालय में विश्व युवा दिवस का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम के दौरान डॉ. सरिता कोल्हेकर,डॉ, हेमन्त कुमार मण्डाले , वी के सिंह ,दोमदत्त सिंह उपस्थित रहे। कार्यक्रम का प्रारंभ मॉ सरस्वती की प्रतिमा के समक्ष दीप प्रज्ज्वलन एवं माल्यार्पण कर किया। वी के सिंह के द्वारा स्वीकार्य एवं अहिंसा विषय पर विस्तृत रूप से चर्चा की तथा स्वीकार्यता के विभिन्न बिदुओं पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम में उपस्थित छात्रा आलिया खान बी ए प्रथम वर्ष, राबिश्ता खान बी एससी प्रथम वर्ष एवं फरहान खान एलएलबी पंचम सेमेस्टर के छात्र ने बेरोजगारी, मोबाईल के बढ़ते हुए अनुपयोगी प्रचलन पर अपने विचार व्यक्त किये। डॉ. सरिता कोल्हेकर ने अपने उद्बोधन में वर्तमान में युवाओं को उदारवाद को अपनाने की प्रेरणा दी। प्रभारी प्राचार्य डॉ. रक्षा निकोसे द्वारा वैश्विकय युग में मानव की जीवन शैली में हो रहे बदलाव पर सामंजस्य स्थापित करने पर बल दिया। डॉ. हेमन्त कुमार मण्डाले ने छात्र-छात्राओं को सम्बोधित करते हुए कहा कि वर्तमान में युवा समाज को वैश्विक स्तर पर होने वाले परिवर्तनों के साथ-साथ अपने आप को भी ढालना उचित होगा। इस दौरान कृष्णा पराते ,विकास साहू , टीना बिसेन, श्रीमती नंदनी टेंभरे, श्रीमती मोनीका सोनी, संतोष बिसेन, तपेश चौरे, सुश्री शिखा देवगीरकर, संतोष गोखले, श्रीमती विनिता देशमुख, श्रीमती सुमिता बांगरे, श्रीमती शिल्पा वासनिक, सुश्री आकांक्षा डोंगरे, श्रीमती मनीषा सहारे, श्रीमती रश्मिबाला पारधी, सुश्री शीला ब्रम्हे, श्रीमती चिंतामणी अवरिया सहित समस्त महाविद्यालय परिवार एवं समस्त छात्र-छात्राऍं उपस्थित रहे।

मिट्टी परीक्षण की रिपोर्ट नही मिलने से किसानों में आक्रोश

मिट्टी परीक्षण की रिपोर्ट पाने कृषि विभाग कार्यालय के किसान लगा रहे चक्कर

वारासिवनी(पद्मेश न्यूज)। वारासिवनी कृषि विभाग के द्वारा किसानों के उत्पादन को बढ़ाने के लिए मिट्टी परीक्षण के लिए कुछ माह पूर्व नमूने एकत्रित किए गए थे। किंतु सभी का परीक्षण वर्तमान समय तक नहीं हो पाया है जबकि किसानों के द्वारा खरीफ की फसल लगा दी गई है। अच्छे उत्पादन की आश में पूर्व के अनुसार ही अंधाधुन खाद का छिड़काव एवं दवा का उपयोग किया जा रहा है। ऐसे में खेती लगाने तक मिट्टी परीक्षण की रिपोर्ट प्राप्त नही होने से किसानों में आक्रोश व्याप्त है। जिसको लेकर किसानों के द्वारा कृषि विभाग से उन्हें जल्द उनकी मिट्टी परीक्षण की रिपोर्ट दिए जाने की मांग की जा रही है। जिससे कि वह खेती कार्य में रिपोर्ट के आधार पर आवश्यक तत्वों का छिड़काव कर सके।

मिट्टी परीक्षण के लिये ४००० नमूने का मिला था लक्ष्य

कार्यालय वरिष्ठ कृषि विस्तार अधिकारी वारासिवनी को जिले के द्वारा ४००० नमूने एकत्रित करने का लक्ष्य दिया गया था। जिसमें ग्राम सेवक या ग्राम विस्तार अधिकारी के द्वारा करीब ३५०० मिट्टी के नमूने ही एकत्रित किए गए। यह नमूने अप्रैल महीने में वारासिवनी विकासखंड के विभिन्न ग्रामों से एकत्रित किए गए। जिसका परीक्षण मृदा परीक्षण प्रयोगशाला वारासिवनी में किया जा रहा है। जहां पर देखने में आ रहा है कि एक व्यक्ति के द्वारा एक मशीन के माध्यम से यह जांच की जा रही है जिसमें एक दिन में १२ सैंपल की जांच करना बताया जा रहा है।

६०० लोगों को मृदा हेल्थ कार्ड का किया गया है वितरण

कृषि विभाग के द्वारा ३५०० लोगों के खेतों की मिट्टी का नमूना एकत्रित किया गया था। जिसे जांच के लिए प्रयोगशाला में दे दिया गया है किंतु विभाग के द्वारा वर्तमान तक केवल ६०० लोगों को मृदा का हेल्थ कार्ड का वितरण किया गया है। इस दौरान किसानों में आक्रोश देखा जा रहा है कि उनको अभी तक मृदा हेल्थ कार्ड या रिपोर्ट कार्ड प्राप्त नहीं हो पाया है। जिसमें किसानों के द्वारा जांच की गति बढ़ाने व्यक्ति और मशीन की संख्या बढ़ाने की भी मांग की जा रही है ताकि अति शीघ्र यह जांच पूर्ण हो सके।

मिट्टी के तत्वों से किसान है अनजान

कृषि विभाग के द्वारा करीब ४ महीने पहले किसानों के खेतों की मिट्टी मृदा परीक्षण के लिए लाई गई थी। जिन्हें ४ महीने बीत जाने के बाद भी मिट्टी की गुणवत्ता व मौजूद तत्वों की स्थिति के बारे में नहीं बताया गया है। जबकि शासन के द्वारा किसानों का उत्पादन बढ़ाने लगातार मिट्टी परीक्षण करवाने के लिए प्रेरित किया जा रहा है। जन जागरूकता चलाई जा रही है तो वहीं लाखों रुपये से प्रयोगशाला निर्माण की गई है। परंतु किसान को समय रहते निर्धारित अवधि में उसकी मिट्टी की जानकारी उपलब्ध नहीं हो पा रही है उसमें भी महीनो लग रहे हैं। जिसको लेकर किसानों में आक्रोश व्याप्त है जबकि पिछली बार किसानों से मिट्टी के नमूने खरीफकी फसल के पहले रिजल्ट देने की बात कहते हुए लिए गए थे। किंतु उसके बाद भी कोई जानकारी नहीं है ऐसे में किसान अपनी मिट्टी में उपस्थित तत्वों के प्रतिशत या अन्य वस्तुओं से अनजान है। जिससे किसान परंपरागत रूप से सल्फर पोटाश नाइट्रोजन जैसे समस्त तत्वों को समान रूप से छिड़काव कर रहा है।

मृदा परीक्षण सरकार दिखावे के लिए कर रही है या किसान को लाभ दिलाने के लिए-पीतांबर नागेश्वर

किसान पीतांबर नागेश्वर ने बताया कि कृषि विभाग ने मिट्टी परीक्षण के लिए सैंपल लिया किसान ने सेंपल दे दिया रिपोर्ट आज तक नहीं मिली। अब यह पता नहीं की मिट्टी में फास्फोरस ज्यादा है नाइट्रोजन ज्यादा है या किस तत्व की कमी है मिट्टी का पीएच क्या है अभी कोई जानकारी नहीं है। किसानो की खेती लग गई है उन्होंने पूर्व की तरह अधिक मात्रा में खाद का छिड़काव कर दिया। जबकि सरकार कहती है कि लाभ का धंधा खेती को बनाने के लिए मिट्टी का परीक्षण करें। परंतु रिजल्ट ना मिलने पर अंधाधुंन खाद का छिड़काव हो रहा है। अब यह समझ नहीं आ रहा है कि मृदा परीक्षण सरकार ने दिखावे के लिए कर रही है या किसान को लाभ दिलाने के लिए।

ग्राम सेवक मिटटी परीक्षण के लिये सैंपल लेकर गये जो अभी तक रिपोर्ट कार्ड नही मिला-रणधीर बिसेन

किसान रणधीर बिसेन ने बताया कि गांव में ग्राम सेवक ने सैंपल लेकर गया अभी तक रिपोर्ट हमें नहीं मिली है एक दो महीने में हमारी फसल भी निकल जाएगी। ऐसे में इस जांच का फायदा हमें क्या होगा पता नहीं हर किसान अच्छा उत्पादन चाह रहा है। सरकार के बताएं अनुसार वह सभी काम कर रहा है हमारे यहां ५० किसानों ने मिट्टी दिये हैं उनकी मिट्टी में नाइट्रोजन सल्फर क्या कम है कोई पता नहीं। यदि हमें समय रहते जानकारी मिल जाए तो उस तत्व के हिसाब से हम खाद का छिड़काव करें। शासन को इस विषय पर गंभीरता से ध्यान देकर जल्द रिपोर्ट उपलब्ध करानी चाहिए।

मिटटी परीक्षण की रिपोर्ट मिलते ही किसानों को हेल्थ कार्ड का वितरण कर दिया जायेगा- प्रतिभा टेंभरे

वरिष्ठ कृषि अधिकारी प्रतिभा टेंभरे ने बताया कि ४००० मिट्टी नमूने एकत्रित करने का लक्ष्य मिला था ३५०० करीब मिट्टी नमूने एकत्रित किए गए। जिसे प्रयोगशाला भेज दिया गया है यह नमूने समस्त ग्राम के विभिन्न किसानों से ग्राम सेवक ने एकत्रित किए गए हैं। मृदा परीक्षण प्रयोगशाला में कृषि विभाग का उसमें कोई दखल नहीं है हमें वहां से रिपोर्ट मिलती है हम उस हेल्थ कार्ड को वितरण कर देते हैं। एक व्यक्ति के द्वारा परीक्षण किया जा रहा है एक दिन में १२ मिट्टी का परीक्षण हो पाता है इस कारण से समस्या हो रही है। यह मिट्टी परिक्षण रिपोर्ट ३ वर्ष के लिये वैध रहती हैं।

मॉ वैष्णव देवी नवरात्र दुर्गा उत्सव समिति बस स्टैंड की बैठक संपन्न

वारासिवनी(पद्मेश न्यूज)। नगर के बस स्टैंड स्थित हनुमान मंदिर परिसर में मां वैष्णव देवी नवरात्र दुर्गा उत्सव श्रमिक बस एजेंट समिति की बैठक आयोजित की गई। यह बैठक गणमान्य लोगों की उपस्थिति में प्रारंभ की गई। जिसमें प्रतिवर्ष अनुसार इस वर्ष भी हर्ष उल्लास के साथ नवरात्र पर्व मां दुर्गा की प्रतिमा स्थापित कर मनाए जाने को लेकर चर्चा की गई। जिसमें प्रतिमा ,डेकोरेशन सहित विभिन्न विषयों पर विस्तार पूर्वक चर्चा की गई । वहीं आगामी समय में पुन: बैठक आयोजित कर विभिन्न विषयों पर निर्णय लेने की बात कही गई। समिति सदस्यों ने बताया कि बीते कुछ वर्ष से बस स्टैंड में मां वैष्णव देवी नवरात्र दुर्गा उत्सव श्रमिक बस एजेंट समिति के द्वारा मां जगत जननी की प्रतिमा स्थापित कर नवरात्र पर्व मनाया जा रहा है। इस वर्ष भी २२ सितंबर से प्रारंभ हो रहे हैं नवरात्र पर्व को हर्ष उल्लास के साथ मनाया जाएगा। जिसमें होने वाले आयोजन और कार्यों के लिए बैठक आयोजित की गई थी जिसमें कुछ विषय पर विचार विमर्श किया गया है। वहीं समिति सदस्यों के द्वारा विभिन्न सुझाव भी दिए गए हैं जिस पर आगामी बैठक में विस्तार पूर्वक चर्चा की जायेगी। इस अवसर पर समिति पदाधिकारी सदस्य व्यापारी सहित गणमान्य नागरिक मौजूद रहे।

एड्स जागरूकता रैली का हुआ आयोजन

वारासिवनी(पद्मेश न्यूज)। नगर में राष्ट्रीय एड्स नियंत्रण अंतर्गत २२ अगस्त को एड्स जागरूकता रैली का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम विधायक विवेक पटेल की उपस्थिति में प्रारंभ किया गया। जिसमें विधायक विवेक पटेल के द्वारा हरी झंडी दिखाकर जागरूकता रैली को रवाना किया गया। यह रैली नगर के इंडोर स्टेडियम के परिसर से निकलकर नगर के विभिन्न चौक चौराहा और गलियों का भ्रमण करते हुए वापस इंडोर स्टेडियम पहुंची जहां रैली का समापन किया गया। यह रैली सांदीपनि स्कूल, एनसीसी एसएसपी कॉलेज ,सिविल अस्पताल के संयुक्त तत्वाधान में निकाली गई। जो स्टेडियम से बस स्टैंड ,जय स्तंभ चौक, नेहरू चौक ,आंबेडकर चौक होते हुए गोलीमार चौक से वापस स्टेडियम पहुंची। इस दौरान एड्स नियंत्रण पर जागरूकता अभियान के लिए छात्र छात्राओं के द्वारा हाथ में पट्टी पर लिखे गए संदेश को प्रचारित किया गया तो वहीं स्लोगन बोलकर लोगों को जागरूक किया जाता रहा। जिसके माध्यम से बताया कि बचाव ही उपचार है। इस अवसर पर अधिकारी कर्मचारी छात्र छात्राएं शिक्षक शिक्षिकाएं मौजूद रहे।

कोसमलाल अटराहे के निधन पर पूर्व सांसद कंकर मुंजारे ने जताया शोक

खैरलांजी/वारासिवनी(पद्मेश न्यूज)। खैरलांजी क्षेत्र के क्रांतिकारी नेता कोसमलाल अटराहे निवासी खैरी का निधन हो गया। जिनका अंतिम संस्कार स्थानीय वैनगंगा नदी खैरी घाट में किया गया। स्वर्गीय कोसमलाल अटराहे सामाजिक ,धार्मिक एवं राजनीतिक व्यक्ति थे वे एक साहसी ईमानदार और क्रांतिकारी व्यक्तित्व के व्यक्ति थे। ग्रामीणों ने श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए कहा कि ईश्वर उनकी आत्मा को शांति प्रदान करें और अपने श्रीचरणों में स्थान दें ऐसी प्रार्थना है। ईश्वर परिजनों को दुख सहन करने की शक्ति प्रदान करें। स्वर्गीय अटराहे के दो पुत्र और एक पुत्री है। उनकी अंतिम यात्रा में ग्राम के प्रबुद्ध नागरिक सहित गणमान्य लोग उपस्थित हुए। जिसमें प्रमुख रूप से पूर्व संसद कंकर मुंजारे,अजब सिंह कृपगये, रोशन लिल्हारे,जगदीश सुलाखे, रंजित लिल्हारे,पन्ना लिल्हारे,योगेश सुलाखे,मुकेश दमाहे सहित अन्य लोग उपस्थित रहे।

सियासी औजार के रूप में कानून

संसद सत्र के आखिर में केंद्र द्वारा जल्दबाजी में तीन विधेयक पेश किए गए। इनमें एक संविधान संशोधन विधेयक भी शामिल है। इन विधेयकों का मकसद कथित तौर पर प्रधानमंत्री, मुख्यमंत्रियों और मंत्रियों की ईमानदारी एवं जवाबदेही को बेहतर करना है। अगर प्रधानमंत्री, मुख्यमंत्रियों और मंत्रियों में से किसी को किसी कानून प्रवर्तन एजेंसी द्वारा किसी ऐसे अपराध के संबंध में हिरासत में लिया जाता है जिसके लिए पांच साल या उससे ज्यादा की सजा हो सकती है, तो वे अपना पद खो देंगे। बरी होने पर, वे वापस अपने पद पर लौट सकते हैं। कोई भी निष्पक्ष पर्यवेक्षक इन प्रस्तावों के घोषित मकसद पर संदेह करेगा। विपक्ष और कानून के विशेषज्ञों द्वारा व्यक्त की गई यह चिंता जायज है कि ये प्रस्ताव केंद्र के हाथो में सत्ता के संकेंद्रण का एक नया रास्ता खोलेंगे। सभी जांच एजेंसियों के केंद्र के प्रशासनिक नियंत्रण में होने के तथ्य के मद्देनजर यह दावा निहायत ही कमजोर है कि प्रस्तावित कानूनी व्यवस्था प्रधानमंत्री पर भी समान रूप से लागू होगी। कोई भी केंद्रीय एजेंसी कभी किसी प्रधानमंत्री को हिरासत में नहीं लेगी; लेकिन वे पहले ही कई विपक्षी मुख्यमंत्रियों को गिरफ्तार कर चुकी हैं। प्रवर्तन निदेशालय और केंद्रीय जांच ब्यूरो जैसी केंद्रीय एजेंसियों की कार्यप्रणाली की पृष्ठभूमि में देखने पर, केंद्र के नए प्रस्तावों का वास्तविक मकसद खुद को ऐसी व्यापक और मनमानी शक्तियों से सशक्त बनाना मालूम होता है, जिसका इस्तेमाल राजनीतिक प्रतिद्वंद्वियों के खिलाफ किया जा सके।

पुलिस गिरफ्तारी के लिए आतुर रहती है। धन शोधन निवारण अधिनियम और गैरकानूनी गतिविधियां निवारण अधिनियम जैसे कठोर कानूनों के प्रावधानों की वजह से जमानत मिलने में बढ़ती कठिनाई और साथ ही जमानत देने में न्यायिक हिचकिचाहट, आजादी को चिंताजनक रूप से त्याज्य बना रही है। बेशक भ्रष्टाचार समाज के लिए खतरनाक है, लेकिन इससे न्याय के सिद्धांतों की कीमत पर नहीं निपटा जा सकता। हाल के सालों में भ्रष्टाचार के मुकदमों ने एक स्पष्ट राजनीतिक चरित्र अख्तियार कर लिया है। विपक्ष में रहते हुए किसी व्यक्ति का जांच का निशाना बनने, लेकिन भारतीय जनता पार्टी में शामिल होने के बाद ऐसा नहीं होने की प्रवृत्ति गौर करने लायक है। अगर ये नए प्रस्ताव कानून बन जाते हैं, तो किसी निर्वाचित पदाधिकारी को सिर्फ पुलिस की कार्रवाई के जरिए और निष्पक्ष सुनवाई के बिना, न्यायिक दोषसिद्धि की तो बात ही छोड़िए, पद से हटाया जा सकता है। इस बात को ध्यान में रखते हुए कि व्यवहार में यह सिर्फ राज्य/केंद्र-शासित प्रदेशों की सरकारों पर ही लागू होगा, यह संघीय सिद्धांतों का भी उल्लंघन होगा। यह महज संयोग नहीं है कि केंद्र राज्य के राज्यपालों को निर्वाचित विधानसभाओं के किसी भी और सभी फैसलों पर वीटो का अधिकार देना चाहता है। मौजूदा कानून नए प्रस्तावों में परिभाषित मामलों में दोषी ठहराए गए निर्वाचित पदाधिकारियों को पद से हटाने का प्रावधान करते हैं। ये नए प्रस्ताव किसी व्यक्ति को तब तक दोषी ठहराने जैसे हैं, जब तक कि वह निर्दोष साबित न हो जाए। साथ ही, ये प्रस्ताव उस व्यक्ति को चुनने वाली जनता के फैसले का भी अपमान करते हैं।

आध्यात्मिकता में माता-पिता का सर्वश्रेष्ठ स्थान-बड़े बुजुर्ग वृद्धजन ईश्वर अल्लाह का रूप

वैश्विक स्तरपर भारतीय संस्कृति और आध्यात्मिकता में आस्था जग प्रसिद्ध है। अपने माता- पिता और बड़े बुजुर्गों का जितना सम्मान भारतीय संस्कृति में सदियों से प्रवाहित हो रहा है, शायद दुनियाँ में कहीं नहीं देखने को मिलेगा। परंतु दुर्भाग्य से कहना पड़ रहा है कि माता-पिता बड़े बुजुर्गों के सम्मान की इतनी धारदार कट्टरता अभी कुछ वर्षों से तीव्रता से कम होती जा रही है। याने पाश्चात्य संस्कृति की छाया भारतीय समाज में तीव्रता से बढ़ती जा रही है। आज माता-पिता अपने बच्चों को अपना पेट काटकर ऊंचे से ऊंची शिक्षा दिलाकर डॉक्टर इंजीनियर सीए सहित अनेक प्रोफेशनल डिग्रियां दिलाकर उच्च मुकाम पर पहुंचा रहे हैं। मैं एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानीं गोंदिया महाराष्ट्र मानता हूं कि कुछ अपवादों को छोड़कर उन्हीं नवयुवकों द्वारा अपने अपने माता-पिता को छोड़कर अपनें भविष्य, अपनी जिंदगी,अपनी लाइफ स्टाइल के नाम पर बड़े शहरों, विदेशों में जॉब के नाम पर जाकर वही सेट हो जाते हैं। अनेक युवा वही शादी कर लेते हैं तो कुछ अपने नाटिव स्थान पर शादी करके फैमिली सहित वापस बड़े शहर या विदेश में चले जाते हैं और बेचारे मां-बाप वही अपनी तंगी हालत में जीते हैं। ऐसे अनेक हकीकत किस्से हर शहर, गांव में आम होते जा रहे हैं हमारी कॉलोनी में भी कई किस्से मेरी नजरों के सामने हैं जो बेचारे फटी पेंट या धोती पहन कर गुजारा कर रहे हैं और उनके बच्चे ब्रांडेड चीजों को वापरकर अपनी पाश्चात्य लाइफ स्टाइल जी रहे हैं जिसका कोई फायदा नहीं है। मेरा मानना है कि ऐसे युवक इस नाइंसाफी का बीज बो रहे हैं जो आगे चलकर अपने बच्चों से वटवृक्ष के रूप में परेशानियों से भरा पाएंगे। इसलिए आज हम इस आर्टिकल के माध्यम से चर्चा करेंगे आओ अपने माता-पिता बड़े बुजुर्गों वृद्धजनों का सम्मान और उनकी देखभाल करें। साथियों बात अगर हम आध्यात्मिक आस्था की करें तो, हम लोग पूजा-पाठ बहुत करते हैं, लेकिन हमें सकारात्मक फल नहीं मिल पाते हैं। मेरा मानना है कि सिर्फ पूजा से जीवन में सुख-शांति नहीं मिल सकती है। अपना आचरण भी अच्छा बनाए रखना जरूरी है। हम लोग माता-पिता का सम्मान नहीं करते हैं और सिर्फ पूजा-पाठ करते हैं, तो हमें सुख शांति नहीं मिल पाती है। देवी-देवता भी उन्हीं लोग पर कृपा करते हैं जो अपने माता-पिता का पूरा सम्मान करते हैं और उनके सुख-दुख का ध्यान रखते हैं। साथियों बात अगर हम हमारे शास्त्रों में बुजुर्गों के सम्मान की करें तो,यजुर्वेद का उल्लेख, हमारे शास्त्रों में भी बुजुर्गों का सम्मान करने की राह दिखलायी गई है यजुर्वेद का निम्न मंत्र संतान को अपने माता-पिता की सेवा और उनका सम्मान करने की शिक्षा देता है-

यदापि पोष मातरं पुत्र॰ प्रभुदितो धयान॰।
इतदगे अनृणो भवाम्यहतौ पितरौ ममां॥

अर्थात् जिन माता-पिता ने अपने अथक प्रयत्नों से पाल पोसकर मुझे बड़ा किया है, अब मेरे बड़े होने पर जब वे अशक्त हो गये हैं तो वे जनक-जननी किसी प्रकार से भी पीडि़त न हों, इस हेतु मैं उसी की सेवा सत्कार से उन्हें संतुष्ट कर अपा आनृश्य (ऋण के भार से मुक्ति) कर रहा हूँ। आज अंतरराष्ट्रीय स्तरपर हम मनीषियों को को यह समझने की जरूरत है कि वरिष्ठ नागरिक, वृद्धजन, बड़े बुजुर्ग हमारे समाज की अनमोल विरासत होते हैं, उन्होंने अपने समाज और देश को बहुत कुछ दिया है। वह हमारी धरोहर हैं, अनुभवों का एक खजाना है जो किसी भी देश की उन्नति के लिए मूल्यवान मंत्र है जिसका सही दिशा में उपयोग किया जाए तो उस देश को सामाजिक- आर्थिक नैतिक संपन्नता से नवाज़ने से कोई नहीं रोक सकता क्योंकि उनके अनुभवों के साथ उनका आशीर्वाद भी काम करता है जिसमें स्वयं ईश्वर अल्लाह भी हस्तक्षेप नहीं कर सकते इतनी ताकत होती है आशीर्वाद या दुआ में,इसलिए हमें चाहिए कि बड़े बुजुर्गों के अनुभवों और सीख़ से हम जीवन में आई विपत्तियों से पार पाने में सक्षम हों।आओ वृद्धावस्था को सुखी बनाएं-उनका आशीर्वाद लें। साथियों बात अगर हम माता पिता बड़े बुजुर्ग वृद्धजनों के सम्मान की करें तो, बचपन से ही हमें घर में शिक्षा दी जाती है कि हमें अपने से बड़ो का सम्मान करना चाहिए। वरिष्ठजन हमारे घर की नींव होते हैं। बुजुर्गों का आशीर्वाद बहुत भाग्य वालों को मिलता है इसलिए सभी को अपने से बड़ों और वरिष्ठजनों का सम्मान करना चाहिए। लेकिन आज के समय में ये कहना अनुचित नहीं होगाकि अबये मात्र औपचारिकता रह गई है। लेकिन हर व्यक्ति को वरिष्ठजनों के प्रति सम्मान और आदर की भावना रखनी चाहिए। हमारे देश में बड़े लोगों को ईश्वर अल्लाह के तुल्य और उनके आशीर्वाद को किसी भी काम में सबसे बड़ा सहायक माना जाता है, इसलिए हमारे देश में सभी अपने से बड़ों का सम्मान और आदर करते हैं। फिलहाल अब हालात काफी बदल गए हैं। कई मामलों में वृद्धजनों को अपनी संतानों द्वारा मुश्किलें और दिक्कतें झेलते देखा गया है। साथियों बात अगर हम माता पिता वृद्धजनों की अवहेलना की करें तो, एक पेड़ जितना ज्यादा बड़ा होता है, वह उतना ही अधिक झुका हुआ होता है, यानें वह उतना ही विनम्र और दूसरों को फल देने वाला होता है। यही बात समाज के उस वर्ग के साथ भी लागू होती है,जिसे आज की तथाकथित युवा तथा उच्च शिक्षा प्राप्त पीढ़ी बूढ़ा कहकर वृद्धाश्रम में छोड़ देती है। वह लोग भूल जाते हैं कि अनुभव का कोई दूसरा विकल्प दुनिया में है ही नहीं। अनुभव के सहारे ही दुनिया भर में बुजुर्ग लोगों ने अपनी अलग दुनिया बना रखी है। जिस घर को बनाने में एक इंसान अपनी पूरी जिंदगी लगा देता है, वृद्ध होने के बाद उसे उसी घर में एक तुच्छ वस्तु समझ लिया जाता है। बड़े बूढ़ों के साथ यह व्यवहार देखकर लगता है जैसे हमारे संस्कार ही मर गए हैं। बुजुर्गों के साथ होने वाले अन्याय के पीछे एक मुख्य वजह सामाजिक प्रतिष्ठा मानी जाती है। सब जानते हैं कि आज हर इंसान समाज में खुद को बड़ा दिखाना चाहता है और दिखावे की आड़ में बुजुर्ग लोग उसे अपनी सुंदरता पर एक काला दाग़ दिखते हैं। बड़े घरों और अमीर लोगों की पार्टी में हाथ में छड़ी लिए और किसी के सहारे चलने वाले बुढ़ों को अधिक नहीं देखा जाता, क्योंकि वह इन बूढ़े लोगों को अपनी आलीशान पार्टी में शामिल करना तथाकथित शान के ख़िलाफ़ समझते हैं। यही रुढ़िवादी सोच उच्च वर्ग से मध्यम वर्ग की तरफ चली आती है। आज के समाज में मध्यम वर्ग में भी वृद्धों के प्रति स्नेह की भावना कम हो गई है। साथियों बात अगर हम भारत में माता-पिता और वरिष्ठ नागरिकों के लिए भरण पोषण और कल्याण (संशोधन) विधेयक 2019 की करें तो यह 11 दिसंबर 2019 को लोकसभा में पेश किया गया था, सामाजिक न्याय और अधिकारिता संबंधी स्थाई समिति की रिपोर्ट 29 जनवरी 2021 को लोकसभा में प्रस्तुत की गई थी अभी मानसून सत्र में शेड्यूल किया गया था। इसमें वृद्धजनों का जीवन सुरक्षित करने संबंधी अनेक प्रकार के प्रावधान हैं जिसमें बच्चों की परिभाषा में बदलाव, नाबालिक बच्चों का शामिल करना, माता-पिता की परिभाषा में सांस सुर, दादा दादी, नाना नानी को शामिल करना, भरण पोषण में स्वास्थ्य देखभाल बचाव और सुरक्षा को शामिल करना है ताकि गरिमापूर्ण जीवन जी सकें इत्यादि अनेक सुधार इस संशोधन के माध्यम से किए गए हैं। साथियों बात अगर हम माता पिता के बुजुर्ग अवस्था के पड़ाव की करें तो,बुजुर्गावस्था हर इंसान के जीवन का एक पड़ाव है। इस समय में व्यक्ति को प्यार सम्मान और अपनेपन की सबसे ज्यादा आवश्यकता होती है। जिन लोगों पर बुजुर्गों का साया होता है वे लोग बहुत भाग्यशाली होते हैं। बुजुर्ग ही हमें जीवन जीने का सही मार्ग सिखाते हैं। उनके अनुभव और सीख से जीवन में हम किसी भी कठिनाई को पार करने में सक्षम होते हैं। इसलिए हमें कभी भी उनके प्रति उपेक्षा का भाव नहीं रखना चाहिए। अंतरराष्ट्रीय वृद्धजन दिवस को पूरी तरह से बुजुर्गों के लिए समर्पित किया जाता है। इस दिन उनके सम्मान में कई कार्यक्रमों का आयोजन किया जाता है। वृद्धाश्रमों में बुजुर्गों का खुशी का ध्यान रखते हुए कई तरह के आयोजन किए जाते हैं। इस दिन बुजुर्गोंको होने वाली समस्याओं और उनकी सेहत के विषय में गंभीरता पूर्वक विचार किया जाता है।

-किशन सनमुखदास भावनानी

अमेरिका, भारत-रूस और तेल व्यापार ॰इसे इस नजरिए से भी देखिए

आज की दुनिया में ऊर्जा सिर्फ एक वस्तु नहीं है, बल्कि हर देश की आर्थिक रीढ़ और सामरिक शक्ति का आधार है। तेल और गैस वैश्विक राजनीति के सबसे अहम औज़ार बन चुके हैं। रूस-यूक्रेन युद्ध के बाद पश्चिमी देशों ने रूस पर कड़े प्रतिबंध लगाए, लेकिन इसने रूस को रोकने के बजाय उसे नए बाज़ारों की ओर मोड़ दिया। भारत और चीन जैसे बड़े उपभोक्ता देशों के लिए यह एक अवसर बनकर आया। भारत, जो दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा तेल आयातक है, उसने रूस से रिकॉर्ड स्तर पर सस्ता कच्चा तेल खरीदना शुरू किया। आज यही बात अमेरिका को खटक रही है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने भारत पर 25त्न से बढ़ाकर 50त्न तक अतिरिक्त टैरिफ लगाया है, सिर्फ इसलिए कि भारत अपनी जनता और उद्योग को रूस से सस्ता तेल खरीदकर राहत दे रहा था। जबकि चीन, जो रूस का सबसे बड़ा तेल खरीदार है, उस पर अमेरिका ने अपेक्षाकृत नरमी बरती। यही नहीं, चीन के रिफाइनर रूस से पश्चिमी हिस्से का यूराल तेल खरीदकर और भी फायदा उठा रहे हैं। अगस्त 2025 के आँकड़ों के अनुसार, चीन ने लगभग 75,000 बैरल प्रतिदिन यूराल तेल खरीदा, जबकि उसका औसत पहले 40,000 बैरल था। दूसरी तरफ, भारत का आयात घटकर 4 लाख बैरल प्रतिदिन रह गया, जबकि पहले यह 11.8 लाख बैरल प्रतिदिन था। आज भारत के लिए रूस से तेल खरीदने के पीछे दो प्रमुख कारण हैं। पहला, कीमत। जब पश्चिमी देशों ने रूस पर प्रतिबंध लगाए, तो रूस ने तेल पर भारी छूट देनी शुरू की। 2022-23 में रूस भारत को 20 लाख बैरल प्रतिदिन तक तेल बेच रहा था, और यह तेल मध्य पूर्व की तुलना में 20ङ्क30 डॉलर प्रति बैरल सस्ता था। दूसरा कारण है ऊर्जा सुरक्षा। भारत की कुल ऊर्जा खपत का 85त्न हिस्सा आयात से आता है। ऐसे में सस्ती सप्लाई पाना भारत के लिए सिर्फ विकल्प नहीं बल्कि आवश्यकता थी। अगर अमेरिका यह कहता है कि भारत रूस से सस्ता तेल खरीदकर मुनाफा कमा रहा है, तो इसमें गलत क्या है? क्या अमेरिका की तेल कंपनियाँ केवल मानव सेवा के लिए काम करती हैं? क्या अमेरिकी शेल ऑयल इंडस्ट्री सिर्फ घाटे में चलाने के लिए बनाई गई है? बिल्कुल नहीं। दुनिया का हर देश और हर कंपनी मुनाफे के लिए ही काम करती है, फिर भारत के मुनाफे पर अमेरिका की आपत्ति क्यों? व्हाइट हाउस के सलाहकार पीटर नवारो ने भारत की तेल खरीद को opportunistic and very bad कहा। वित्त मंत्री स्कॉट बेसेंट ने तो यहाँ तक कह दिया कि भारत रूसी तेल खरीदकर सिर्फ अमीर भारतीय परिवारों को फायदा पहुँचा रहा है। उन्होंने दावा किया कि भारत ने 16 बिलियन डॉलर का अतिरिक्त मुनाफा कमाया है। लेकिन अगर यही तर्क मान लिया जाए, तो अमेरिका की शेल गैस कंपनियाँ, तेल निर्यातक, हथियार निर्माता और फार्मा कंपनियाँ भी तो मुनाफा ही कमा रही हैं। तो फिर भारत के मुनाफे पर इतनी तकलीफ क्यों? असलियत यह है कि अमेरिका दुनिया की ऊर्जा राजनीति पर अकेले अपना दबदबा बनाए रखना चाहता है। यहाँ यह भी समझना जरूरी है कि भारत की रूस पर निर्भरता कोई स्थायी नहीं है, बल्कि व्यावहारिक है। भारत 2021 तक रूस से अपनी ज़रूरत का केवल 1त्न से भी कम तेल खरीदता था। लेकिन पश्चिमी प्रतिबंधों के बाद रूस ने डिस्काउंट देना शुरू किया और भारत ने इसका फायदा उठाया। इससे भारतीय जनता को महंगे पेट्रोल-डीज़ल से कुछ राहत मिली और रिफाइनरी कंपनियों को भी प्रतिस्पर्धी बढ़त मिली। लेकिन जैसे ही अमेरिका ने दबाव बनाया और टैरिफ बढ़ाया, भारत की खरीद कम हो गई। परिणाम यह हुआ कि चीन ने यह अवसर तुरंत लपक लिया और रूस से ज्यादा तेल खरीदना शुरू कर दिया। क्या अमेरिका को इस पर आपत्ति है? नहीं। क्यों? क्योंकि चीन से टकराने की अमेरिका की हिम्मत नहीं है। अमेरिका की नीति का एक और पहलू यह है कि वह भारत पर दबाव डालकर अपने तेल को बेचने का रास्ता साफ करना चाहता है। आंकड़े बताते हैं कि 2025 की पहली छमाही में भारत का अमेरिका से तेल आयात 51त्न बढ़कर 2.71 लाख बैरल प्रतिदिन तक पहुँच गया था, सबसे बड़ी बात यह है कि यह वृद्धि 2024 की पहली छमाही में 1.8 लाख बैरल प्रति दिन की तुलना में काफी अधिक है, फिर भी उसका मन नहीं भर रहा है। यानी, अमेरिका चाहता है कि भारत किसी भी सूरत में रूस से तेल न खरीदे और मजबूरी में उससे खरीदे। यह एक प्रकार का आर्थिक ब्लैकमेल है। भारत को सस्ते विकल्प छोड़कर महंगे विकल्प अपनाने के लिए मजबूर करना किसी भी तरह न्यायसंगत नहीं कहा जा सकता। भारत सरकार ने अमेरिका की इस नीति का विरोध भी किया है। विदेश मंत्रालय ने कहा है कि भारत की तेल खरीद जरूरत के हिसाब से है, और पश्चिमी देश खुद भी रूस से कुछ व्यापार जारी रखे हुए हैं। यानी, जो काम अमेरिका और यूरोप खुद करें तो सही, लेकिन भारत करे तो गुनाह। भारत ने साफ कर दिया है कि वह अपनी जनता को सस्ता ऊर्जा स्रोत देने के लिए हर संभव कदम उठाएगा। यही भारत का अधिकार है और यही किसी भी संप्रभु राष्ट्र की स्वतंत्रता का हिस्सा है। आज जिस तरह के आंकड़े सामने आ रहे हैं, उससे पता चलता है कि रिलायंस इंडस्ट्रीज और अन्य निजी कंपनियाँ भी रूस से तेल खरीदकर अंतरराष्ट्रीय बाज़ार में पेट्रोलियम उत्पाद बेच रही हैं। इससे भारत को विदेशी मुद्रा आय हुई है। अगर चीन यही काम करे तो उसे व्यापारिक चतुराई कहा जाता है, लेकिन भारत करे तो उसे खतरनाक कहा जाता है। यह भेदभाव अब दुनिया की नज़र से छिपा नहीं है। वस्तुत॰ अमेरिका यह चाहता है कि ऊर्जा संसाधनों का उपयोग उसकी विदेश नीति के औज़ार के रूप में हो। रूस को कमजोर करना, चीन को नियंत्रित करना और भारत को अपने खेमे में बनाए रखना, यह उसकी रणनीति है। लेकिन नया विश्व, जिसे हम Global South कहते हैं, अब इस दबाव को स्वीकार करने की स्थिति में नहीं है। भारत, चीन, ब्राजील, दक्षिण अफ्रीका जैसे देश अब बहुध्रुवीय विश्व व्यवस्था की ओर बढ़ रहे हैं। इन देशों की आवाज़ अब संयुक्त राष्ट्र और जी-20 जैसे मंचों पर गूंज रही है। तेल पर प्रतिबंध लगाना या टैरिफ के माध्यम से दबाव बनाना वास्तव में विकासशील देशों को पीछे धकेलना है। ऊर्जा के बिना विकास असंभव है। यदि भारत को सस्ता तेल रूस से मिलता है, तो इससे उद्योग को राहत मिलेगी, महंगाई नियंत्रित होगी और विकास तेज़ होगा।

अमेरिका का यह कहना कि भारत मुनाफा कमा रहा है, दरअसल उसकी अपनी खीझ का परिणाम कहा जा सकता है। अमेरिका को आज यह स्वीकार करना होगा कि हर देश अपने हित में काम करता है। भारत का रूस से तेल खरीदना न तो अनुचित है और न ही गैरकानूनी। यह पूरी तरह व्यावहारिक और आवश्यक कदम है। इसलिए अमेरिका को भारत की तेल खरीद पर कोई आपत्ति नहीं होनी चाहिए।

-डॉ. मयंक चतुर्वेदी

विधेयक पर हंगामा क्यों, जब मुद्दा है राजनीतिक शुचिता का

गंभीर आपराधिक आरोपों में घिरे नेता चाहे वे प्रधानमंत्री, मुख्यमंत्री एवं मंत्री ही क्यों न हो, उनकी गिरफ्तारी या हिरासत के बाद एक निश्चित अवधि बीत जाने पर हटाने की व्यवस्था वाले विधेयक को जब केन्द्र सरकार ने लोकसभा में प्रस्तुत किया तो जरूरत से ज्यादा हंगामा एवं विरोध समझ में नहीं आया। इस तरह ईमानदार, अपराधमुक्त राजनीति एवं चरित्रसम्पन्न-पवित्र राजनेताओं की पैरवी वाले विधेयक पर हंगामा लोकतंत्र की गरिमा को आहत करता है। गृहमंत्री अमित शाह ने सूझबूझ का परिचय देते हुए अपनी ओर से इन विधेयकों को संसद की संयुक्त समिति को भेजने का प्रस्ताव रखा, जिसे लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने स्वीकार भी कर लिया, अब तो विपक्ष को विरोध एवं हंगामें को विराम देते हुए इस पर विचार करना चाहिए कि आखिर ऐसी ईमानदार, समानतापूर्ण एवं आदर्श व्यवस्था क्यों नहीं बननी चाहिए, जिससे उच्च पदों पर बैठे नेताओं के गंभीर अपराधों में गिरफ्तारी अथवा हिरासत में लिये जाने पर उनके लिये पद छोड़ना आवश्यक हो जाये? आखिर इस आदर्श व्यवस्था में समस्या क्या है? क्यों विपक्ष नैतिक एवं आदर्श राजनीतिक व्यवस्था में अवरोधक बनकर अपने नैतिक चरित्र पर प्रश्न खड़े कर रहा है? क्या इस विधेयक का असर सत्तापक्ष के नेताओं पर नहीं होगा?

आजादी के बाद से कतितय राजनीतिक विसंगतियों के चलते राजनीति में अपराधी तत्वों का वर्चस्व बना रहा है। जनता यह अपेक्षा करती है कि जिन्हें वह अपना प्रतिनिधि चुनती है, वे अपराधमुक्त, निष्कलंक, ईमानदार और चरित्रवान हों। परन्तु स्थिति इसके विपरीत दिखती रही है। एक ओर जनप्रतिनिधि अपराधों में संलिप्त पाए जाते हैं, दूसरी ओर वे पद से इस्तीफा देने या सार्वजनिक जीवन से दूर रहने के बजाय सत्ता की कुर्सी से चिपके रहते हैं। यही प्रवृत्ति जनता के विश्वास को तो?ती है और राजनीति को संदेह के घेरे में डाल देती है। यह प्रश्न अब और गंभीर हो उठा है कि क्या ऐसे व्यक्तियों को शासन और सत्ता के उच्च पदों पर बने रहने का अधिकार होना चाहिए? क्या लोकतंत्र का आधार अपराध और भ्रष्टाचार पर खड़ा किया जा सकता है? निश्चित ही नहीं। जब तक राजनीति से अपराधी तत्वों का निष्कासन नहीं होगा, तब तक न तो सुशासन स्थापित हो सकता है न ही नया भारत, विकसित भारत एवं आदर्श भारत बन सकता है और न ही राजनीति के प्रति जनता का भरोसा लौट सकता है।

आज समय आ गया है कि नए कानून बनाकर राजनीति को अपराधमुक्त बनाने की दिशा में ठोस एवं कारगर कदम उठाए जाएं। यह केवल चुनाव सुधार का मामला नहीं है, बल्कि यह लोकतंत्र की आत्मा को बचाने का प्रश्न है। ऐसे प्रावधान होने चाहिए कि जिस क्षण कोई जनप्रतिनिधि गंभीर अपराध में आरोपित होकर जेल भेजा जाए या आरोप सिद्ध होने तक हिरासत में रहे, वह स्वचालित रूप से अपने पद से मुक्त हो जाए। इस्तीफे की प्रतीक्षा या राजनीतिक दबाव की आवश्यकता ही न रहे। अनेक नेताओं ने ऐसा आदर्श प्रस्तुत भी किया, लेकिन आम आदमी पार्टी, कांग्रेस, समाजवादी पार्टी, झारखण्ड मुक्ति मोर्चा आदि अनेक पार्टियों के नेताओं ने जेल से सरकारें चलाने एवं मंत्री पद पर बने रहने के काले अध्याय रचे हैं, इसी के चलते इस नये विधेयक की अपेक्षा सामने आई।

भारत जैसे विशाल लोकतंत्र में स्वच्छ राजनीति केवल आदर्श नहीं, बल्कि अनिवार्यता है। जब सत्ता और शासन के केंद्र में अपराधी मानसिकता के लोग बैठते हैं, तो वे शासन को अपने स्वार्थ और अपराधों की ढाल बना लेते हैं। इससे न केवल लोकतांत्रिक व्यवस्था खोखली होती है, बल्कि आम जनता का जीवन भी संकट में पड़ता है। भ्रष्टाचार, धनबल, बाहुबल, भाई-भतीजावाद, हिंसा और अनैतिकता का वातावरण उसी समय पनपता है, जब राजनीति अपराधियों के कब्जे में जाती है। ईमानदार और स्वच्छ छवि वाले नेताओं की मांग आज पहले से अधिक बढ़ गई है। जनता ऐसे नेतृत्व की तलाश में है जो अपने आचरण से उदाहरण प्रस्तुत करे। राजनीति यदि सेवा और त्याग का माध्यम बनेगी तो ही समाज का कल्याण होगा। जिन नेताओं पर जरा भी संदेह का धुंधलका हो, उन्हें स्वयं स्वेच्छा से पद छो? देना चाहिए। यही परंपरा राजनीति को उच्चता और गरिमा प्रदान कर सकती है।

अपराधमुक्त राजनीति केवल नैतिक अपेक्षा नहीं, बल्कि लोकतंत्र की मजबूरी है। जब तक राजनीति में शुचिता और नैतिकता का स्थान नहीं बनेगा, तब तक सुशासन और ईमानदार प्रशासन की कल्पना अधूरी ही रहेगी। नए कानूनों का निर्माण कर अपराधियों के लिए राजनीति के दरवाजे बंद करना समय की सबसे बड़ी मांग है। यह कदम न केवल लोकतंत्र को सुदृढ़ करेगा, बल्कि जनता के भीतर यह विश्वास भी जगाएगा कि राजनीति वास्तव में लोककल्याण के लिए है, न कि अपराधियों की शरणस्थली। यही अपराधमुक्त राजनीति का दर्शन है, जहां सत्ता अपराधियों का आश्रय-स्थल न होकर समाज की नैतिक ऊर्जा का केंद्र बने। यही उसकी सबसे बड़ी उपयोगिता है कि वह लोकतंत्र को उसकी वास्तविक आत्मा लौटाए और राजनीति को सेवा, शुचिता और ईमानदारी का प्रतीक बनाए।

भारतीय लोकतंत्र में पिछले कुछ वर्षों से राजनीति और अपराध के गठजोड़ को लेकर गहरी चिंता लगातार उठती रही है। जनता बार-बार यह अपेक्षा करती है कि जिन्हें वे संसद और विधानसभा भेजते हैं, वे न केवल ईमानदार और पारदर्शी हों बल्कि उनके चरित्र और आचरण पर कोई दाग न हो। किंतु बार-बार यही देखने को मिलता है कि गंभीर आपराधिक मामलों में फंसे नेता भी उच्च पदों पर बने रहते हैं और शासन-सत्ता का उपयोग अपने बचाव के लिए करते हैं। इसी पृष्ठभूमि में केंद्र सरकार द्वारा संसद में पेश किया गया नया विधेयक (संविधान का 130वां संशोधन) एक ऐतिहासिक कदम माना जा सकता है, केन्द्र सरकार इन विधेयकों को भ्रष्टाचार एवं अपराध विरोध बता रही है, जबकि विपक्ष इससे सहमत नहीं। उनकी असहमति अनेक प्रश्नों को खड़ा कर रही है कि आखिर विपक्ष दागियों की वकालत करते हुए वह स्वयं भी दागी क्यों बन रही है? आशंका जताई जा रही है कि यदि यह संशोधन पारित हो गया तो विपक्ष-शासित राज्यों के मुख्यमंत्री और मंत्री अस्थिर हो सकते हैं, उनके पद संकट में पड़ सकते हैं। दरअसल यह विरोध केवल विधेयक का नहीं बल्कि अपनी राजनीतिक सुविधा, अपनी सत्ता बचाने और सुरक्षा का है। प्रश्न यह उठता है कि क्या विपक्ष वास्तव में अपराधमुक्त राजनीति नहीं चाहता? क्या केवल सत्ता में बने रहने के लिए राजनीति को अपराधियों का अड्डा बनाए रखना आवश्यक है?

विपक्ष का तर्क है कि सरकार इस विधेयक का दुरुपयोग कर सकती है, और केवल आरोप लगाकर भी नेताओं को पद से हटाया जा सकता है। लेकिन सच्चाई यह है कि लोकतंत्र में जब तक कानून कठोर और स्पष्ट नहीं होगा, तब तक राजनीति से अपराध का सफाया संभव नहीं है। यदि किसी निर्दोष व्यक्ति पर आरोप गलत सिद्ध होता है तो उसके लिए पुनः प्रतिष्ठा अर्जित करने के रास्ते खुले रहेंगे, परंतु गंभीर आरोपियों को शासन की कुर्सी पर बने रहने देना लोकतंत्र के साथ अन्याय है, उसकी मूल आत्मा को ध्वस्त करना है। ऐसा अरविन्द केजरीवाल ने पहली बार किया और जेल से ही सरकार चलाने का दम भरते रहे।

आज देश 'विकसित भारत' के संकल्प की ओर बढ़ रहा है। विकसित भारत का सपना केवल तकनीकी प्रगति या आर्थिक मजबूती से पूरा नहीं होगा, बल्कि इसके लिए स्वच्छ, ईमानदार और पारदर्शी राजनीति आवश्यक है। राजनीति में अपराधियों की घुसपैठ न केवल लोकतंत्र की नींव को कमजोर करती है बल्कि जनता के विश्वास को भी तोड़ती है। अपराधमुक्त राजनीति न केवल आदर्श है बल्कि सुशासन और विकास की बुनियादी शर्त है। इसलिए आवश्यक है कि ऐसे विधेयक का स्वागत किया जाए, क्योंकि यह राजनीति को शुचिता, नैतिकता और जनहित के मार्ग पर ले जाने का प्रयास है। राजनीति में एक नये सूरज का उदय है। विपक्ष यदि इसका विरोध करता है तो यह सवाल स्वत: उठता है कि क्यों विपक्ष अपराधमुक्त राजनीति का विरोध करके अपराधियों का संरक्षण कर रहा है? क्या उसे अपने ही दागी नेताओं के लिए भय है? लोकतंत्र को बचाने और मजबूत करने के लिए यह विधेयक समय की मांग है। नया भारत तभी विकसित भारत बनेगा जब उसकी राजनीति अपराधियों से मुक्ति होगी। अपराधमुक्त राजनीति से ही सुशासन आएगा, ईमानदार नेतृत्व पनपेगा और जनता के बीच विश्वास की नई रोशनी जगेगी। यही लोकतंत्र की असली जीत होगी।

-ललित गर्ग

इंदौर ने रचा इतिहास - रक्षा क्षेत्र में आत्मनिर्भर भारत की नई मिसाल

इंदौर। आत्मनिर्भर भारत की दिशा में एक बड़ा कदम उठाते हुए, इंदौर ने आज रक्षा उत्पादन के क्षेत्र में एक नया अध्याय जोड़ा है। स्थानीय कंपनी सनातन बस बॉडी प्राइवेट लिमिटेड ने भारतीय सेना के लिए एक अत्याधुनिक आर्मी व्हीकल (बस) का सफल निर्माण किया है। इस विशेष वाहन को कलेक्टर आशीष सिंह ने हरी झंडी दिखाकर बेंगलुरु स्थित रक्षा मुख्यालय के लिए रवाना किया। यह उपलब्धि न केवल इंदौर, बल्कि पूरे मध्य प्रदेश के लिए गर्व का विषय है। इससे राज्य को रक्षा उत्पादन के मानचित्र पर एक महत्वपूर्ण स्थान मिला है। कलेक्टर सिंह ने इस ऐतिहासिक क्षण को बेहद महत्वपूर्ण बताया और कहा कि यह इंदौर की औद्योगिक क्षमता और देश के प्रति उसकी अटूट प्रतिबद्धता का प्रमाण है। इस अवसर पर, कलेक्टर सिंह ने बरदरी स्थित सनातन ऑटोमेटिक प्लांट का भी निरीक्षण किया। उन्होंने वहाँ उपयोग की जा रही अत्याधुनिक तकनीक, उत्कृष्ट उत्पादन क्षमता और गुणवत्ता नियंत्रण की जमकर सराहना की। उन्होंने कहा कि ऐसे उच्च-मानक वाले उत्पादन ही देश को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में मजबूत आधार प्रदान करते हैं। सनातन ग्रुप के चेयरमैन शिवनारायण शर्मा, डायरेक्टर उज्ज्वल शर्मा और सुश्री अनमोल शर्मा ने कलेक्टर का स्वागत किया और उन्हें प्लांट की विस्तृत जानकारी दी। कलेक्टर ने इस सफलता का श्रेय कर्मचारियों की कड़ी मेहनत और टीम भावना को देते हुए कहा, किसी भी कार्य में सफलता टीम भावना पर ही निर्भर करती है। यह सफलता सनातन ग्रुप के सभी कर्मचारियों की लगन, दृढ़ इच्छाशक्ति और कर्मठता का ही परिणाम है। यह आर्मी व्हीकल सेना की जरूरतों को ध्यान में रखकर बनाया गया है और अत्याधुनिक सुविधाओं से लैस है। इस परियोजना की सफलता ने भविष्य में इंदौर को रक्षा क्षेत्र में और अधिक भूमिका निभाने का मार्ग प्रशस्त किया है।

संसद में पारित हुआ ऑनलाइन गेमिंग विनियमन विधेयक

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने संसद के दोनों सदनों में पारित ऑनलाइन गेमिंग संवर्धन एवं विनियमन विधेयक, 2025 की सराहना की। उन्होंने कहा कि यह विधेयक भारत को गेमिंग, नवाचार और रचनात्मकता का केंद्र बनाने की दिशा में एक बड़ा कदम है। प्रधानमंत्री ने सोशल मीडिया पर लिखा कि यह कानून ई-स्पोर्ट्स और ऑनलाइन सोशल गेम्स को प्रोत्साहन देगा और समाज को ऑनलाइन मनी गेम्स के दुष्प्रभावों से सुरक्षित रखेगा। राज्यसभा में केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव द्वारा पेश किए गए इस विधेयक का उद्देश्य है धन आधारित और सट्टा आधारित ऑनलाइन गेम्स पर रोक लगाना और युवाओं के लिए एक सुरक्षित व रचनात्मक गेमिंग वातावरण तैयार करना। यह कानून समाज, विशेषकर युवाओं और संवेदनशील वर्गों को आर्थिक, मानसिक, और निजता से जुड़े खतरों से बचाने के उपाय करता है। विधेयक में लोक व्यवस्था, जनस्वास्थ्य और वित्तीय प्रणाली की सुरक्षा सुनिश्चित करने का भी प्रावधान है। इसके अलावा यह अवैध सट्टेबाजी और विदेशी वेबसाइटों से चलने वाले मनी गेम्स पर सख्त नियंत्रण लगाएगा। सरकार का उद्देश्य है कि भारत में ऑनलाइन गेमिंग उद्योग को एक सुनियोजित, पारदर्शी और जिम्मेदार फ्रेमवर्क के तहत विकसित किया जाए। साथ ही ई-स्पोर्ट्स और शैक्षणिक खेलों को सुरक्षित वातावरण प्रदान कर उन्हें नवाचार और रोजगार के अवसरों से जोड़ा जाए। यह विधेयक भारत के डिजिटल भविष्य को सुरक्षित और समावेशी बनाने की दिशा में एक अहम पहल मानी जा रही है।

सोने और चांदी की कीमतों में उछाल

नई दिल्ली। अगस्त महीने में सोने और चांदी की कीमतों में लगातार उतार-चढ़ाव जारी है। अंतरराष्ट्रीय बाजार में मांग, डॉलर की स्थिति और घरेलू स्तर पर ज्वेलरी की बढ़ती मांग के चलते कीमती धातुओं के दामों में तेजी देखी जा रही है। शुक्रवार को सर्राफा बाजार में सोने और चांदी की कीमतों में एक बार फिर उछाल दर्ज किया गया। शुक्रवार को दिल्ली समेत देश के कई प्रमुख शहरों में 24 कैरेट सोना 1,00,910 रुपए प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 92,460 प्रति 10 ग्राम पर पहुंच गया है। चांदी की कीमत में भी उल्लेखनीय वृद्धि देखी गई है और यह 1,16,100 प्रति किलोग्राम के स्तर पर पहुंच गई है। प्रमुख शहरों की बात करें तो दिल्ली, अयोध्या, चंडीगढ़, जयपुर और लखनऊ में सोने के दाम समान हैं। वहीं हैदराबाद में 24 कैरेट सोने का भाव 1,00,760 और 22 कैरेट का 92,310 प्रति 10 ग्राम रहा। इस बढ़ोतरी के पीछे वैश्विक बाजार में कीमती धातुओं की कीमतों में उछाल, निवेशकों का रुझान, और त्योहारी सीज़न की तैयारी एक अहम वजह मानी जा रही है। विशेषज्ञों के मुताबिक आने वाले दिनों में कीमतों में और तेजी आ सकती है। बाजार की मौजूदा स्थिति को देखते हुए यह कहना गलत नहीं होगा कि आने वाले हफ्तों में सोने और चांदी की कीमतें निवेशकों और ग्राहकों के लिए अहम भूमिका निभाएंगी।

जीएसटी सुधार से मिडिल क्लास को राहत, शेयर बाजार में दिखेगा असर

मुंबई। केंद्र सरकार द्वारा प्रस्तावित जीएसटी सुधार देश की मिडिल क्लास के लिए गेम चेंजर साबित हो सकते हैं। यह बात एक इक्विनॉमिक्स रिसर्च के संस्थापक ने कही है। उनका मानना है कि इन सुधारों से न केवल उपभोक्ता खर्च बढ़ेगा, बल्कि निवेश और शेयर बाजार को भी नया उत्साह मिलेगा। उन्होंने बताया कि भारत की अर्थव्यवस्था घरेलू मांग पर आधारित है, और जीएसटी में छूट से यह मांग और मजबूत होगी। उन्होंने कहा कि आम लोगों को पहले ही आयकर में राहत मिली है और अब अप्रत्यक्ष करों में छूट से उनकी बचत बढ़ेगी, जिससे हाउसिंग, एफएमसीजी, ड्यूरेबल्स और टू-व्हीलर सेक्टर को फायदा होगा। उन्होंने कुछ खास सेक्टरों की ओर ध्यान दिलाया, जैसे पब्लिक सेक्टर बैंक (एसबीआई, बैंक ऑफ महाराष्ट्र), रियल एस्टेट, पारंपरिक टू-व्हीलर कंपनियां और महिंद्रा एंड महिंद्रा। उन्होंने बताया कि ब्याज दरों में संभावित कटौती और अच्छा मानसून भी बाजार को सहारा देंगे। निवेशकों को सलाह देते हुए उन्होंने कहा कि बाजार में बने रहें और घबराकर नकदी न निकालें। उनका सुझाव है कि पूंजी का 40-50 फीसदी हिस्सा निफ्टी या सेंसेक्स बास्केट में लगाया जाए, क्योंकि ये डिफेंसिव स्टॉक्स माने जाते हैं और स्थिरता प्रदान करते हैं। अगर अमेरिका की नीतियों से आईटी सेक्टर पर असर नहीं पड़ा, तो अक्टूबर-दिसंबर तिमाही में कॉरपोरेट कमाई तेज हो सकती है। यह आर्थिक सुधार भारत के लिए लंबी अवधि में फायदेमंद साबित होंगे।

आज का राशिफल

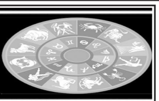

मेष- आज का दिन आपके लिए अनुकूल रहने वाला है। आप कुछ नया करने की सोचेंगे, लेकिन आपको कामों में कुछ उलझनें आएंगी, जिससे आपको टेंशन भी रहेगी। आपको कामों समस्याएं भी हो सकती हैं। आप अपने धन से संबंधित मामलों को मिल बैठकर निपटाने की कोशिश करें और यदि आपको कोई जिम्मेदारी मिले, तो आप उसको किसी दूसरे पर ना डालें। परिवार में किसी सदस्य की सेहत में गिरावट आने से भागदौड़ अधिक रहेगी। आपकी अच्छी सोच का कार्यक्षेत्र में आपको लाभ मिलेगा।

वृषभ- आज का दिन आपके लिए आनंदमय रहने वाला है। आपके सुख-सुविधाएं बढ़ने से खुशी होगी। घूमने-फिरने के दौरान आपको कोई महत्वपूर्ण जानकारी प्राप्त होगी। लेनदेन से संबंधित मामलों को आप मिल बैठकर निपटाने की कोशिश करें, जो विद्यार्थी अपने विषयों में कोई बदलाव करने की सोच रहे हैं, तो उसके लिए आप किसी सीनियर से सलाह मशवरा आवश्यक करें। आप किसी निर्णय को जल्दबाजी में ले सकते हैं, जो बाद में आपकी टेंशनों को बढ़ा सकता है। आप दोस्तों के साथ किसी पार्टी आदि को कर सकते हैं।

मिथुन- आज का दिन आपके लिए खुशनुमा रहने वाला है। छोटे बच्चों के साथ आप कुछ समय मौज-मस्ती करेंगे, उनके लिए आप कुछ खाने पीने की चीज आदि भी लेकर आ सकते हैं। यदि आपकी कोई प्रिय वस्तु खो गई थी, तो उसके भी आपको मिलने की पूरी संभावना है। वाहनों का प्रयोग आप थोड़ा सा संभलकर करें, क्योंकि कोई दुर्घटना होने की संभावना बनती दिख रही है। रचनात्मक विषयों में काफी रुचि रहेगी। माता-पिता की सेहत पर आपको पूरा ध्यान देना होगा।

कर्क- आज का दिन आपके लिए मौज-मस्ती से भरा रहने वाला है। आपका कोई कानूनी मामला आपको टेंशन देगा। कार्यक्षेत्र में कोई आपको धोखा देने की कोशिश करेगा, जिसके लिए आपको अपनी आंख और कान खुले रखने होंगे। आप अपनी इनकम को बढ़ाने का सोर्सों पर भी पूरा ध्यान देंगे। परिवार में किसी वाद-विवाद को आप मिल बैठकर दूर करने की कोशिश करें, नहीं तो बाहरी व्यक्ति इसका फायदा उठाने की कोशिश करेगा। आपको किसी दूर रह रहे परिजन से कोई खुशखबरी सुनने को मिल सकती है।

सिंह- आज आपको अपने बढ़ते खर्चो को कंट्रोल करने की आवश्यकता है। ससुराल पक्ष से आपको मान-सम्मान मिलेगा। आप अपने घर के रिनोवेशन का काम शुरू कर सकते हैं। आपकी कोई आदत परिवार के सदस्यों के लिए सिरदर्द बन सकती है। आप अपने कामों को लेकर मिल बैठकर चले। जीवनसाथी से आपके रिश्ते पहले से बेहतर रहेंगे। जो विद्यार्थी विदेश जाकर शिक्षा ग्रहण करना चाहते हैं, उन्हें अपनी मेहनत जारी रखनी होगी।

कन्या- आज का दिन आपके लिए सेहत पर ध्यान देने के लिए रहेगा। तकनीकी क्षेत्रों में कार्यरत लोगों को अच्छी सफलता मिलेगी। आपकी निर्णय लेने की क्षमता भी बेहतर रहेगी। आपकी कला कौशल में निखार आएगा, जिससे आप कुछ बड़े-बड़े निर्णय आसानी से ले सकेंगे। आप किसी के बहकावे में आकर कोई काम ना करें। परिवार में किसी सदस्य के विवाह में आ रही बाधा को लेकर आपको टेंशन बनी रहेगी। आप किसी को धन उधार देने से बचें।

तुला- आज का दिन आपके लिए सफलता दिलाने वाला रहेगा। आप किसी बात को लेकर वाद विवाद में ना पड़ें। आप किसी नए बिजनेस की शुरुआत करने की प्लानिंग कर सकते हैं। कोई प्रॉपर्टी को लेकर मुद्दा आपको समस्या देगा, इसलिए आप किसी ऐसे काम में आगे ना बढ़ें। आपको परिवार के सदस्यों की जरूरतों पर पूरा ध्यान देना होगा, इसलिए आप उनको समय दें और काम के साथ-साथ आराम के लिए भी समय निकाले।

वृश्चिक- आज का दिन आपके लिए आर्थिक दृष्टिकोण से अच्छा रहने वाला है। आपके गृहस्थ जीवन में यदि कुछ समस्या चल रही थी, तो वह भी दूर होगी। परिवार में किसी धार्मिक कार्यक्रम का आयोजन हो सकता है। आप अपनी जरूरत की आवश्यकताओं को लेकर कोई बड़ा निर्णय ले सकते हैं। आपकी कोई इच्छा लंबे समय से अधूरी थी, तो उसके लिए पूरा होने की संभावना है।

धनु- आज का दिन आपके लिए मिश्रित रूप से फलदायक रहने वाला है। प्रेम जीवन जी रहे लोगों को साथी के मन में चल रही उलझनों को जानने की कोशिश करनी होगी। आप किसी परिवार के सदस्य पर कोई फैसला ना डालें और उन्हें काम को लेकर सलाह अवश्य दें। संतान को तरक्की करते देखा आपकी खुशी का ठिकाना नहीं रहेगा।

मकर- आज का दिन आपके लिए सेहत के मामले में एहतियात बरतने के लिए रहेगा। आपके कुछ गुप्त शत्रु आपका नुकसान पहुंचाने की कोशिश कर सकते हैं। बिजनेस में आप किसी अजनबी से कोई लेन-देन ना करें। नौकरी में कार्यरत लोगों के बॉस उनके कामों पर नजर रखेंगे, इसलिए आपके आपको अपने कामों पर ध्यान देना होगा।

कुंभ- आज का दिन आपके लिए अनुकूल रहने वाला है। आपके घर में किसी नए मेहमान का आगमन हो सकता है। परिवार में खुशियां भरपूर रहेगी। भगवान जी की भक्ति में आपका खूब मन लगेगा। आप किसी की कहीसुनी बातों पर भरोसा ना करें, नहीं तो इससे आपके बेवजह के दोस्तों में कड़वाहट होने की संभावना है। माता जी आपको कोई जिम्मेदारी दे, तो उसे लेकर ढील बिल्कुल ना दें।

मीन- आज का दिन आपके लिए लाभदायक रहने वाला है। यदि आपका धन डूबा हुआ था, तो वह आपको वापस मिल सकता है। आपके बिजनेस में चार चांद लगेंगे। आपको कुछ अपरिचित लोगों से भी मदद मिलने की संभावना है। आप अपने मन में कुछ नया करने की ठान सकते हैं।

शब्दजाल - 7998

शब्द जाल में ऐसे 10 अभिनेता ढूंढिए जो सर्वाधिक पारिश्रमिक लेते हैं. नाम ऊपर से नीचे एवं तिरछे हैं.

रि	आ	मे	क	अ	मि	ता	भ	ब	च्च	न
ति	भि	क	म	क्ष	डे	ने	ग	ति	मा	ला
क	षे	र	ला	य	ग	अं	द	ह	प	आ
रो	क	ल	का	कु	न	स	ध	ह	लि	मि
श	ब	स	ल	मा	न	ख़ा	न	का	न	र
न	च्च	का	र	र	ल	का	त	ह	र	खा
र	न	ल	मा	व	शा	ह	रु	ख़	ख़ा	न
र	ज	भा	र	न	प	स	रा	ल	वि	ला
क	न	नी	अ	सै	फ	अ	ली	ख़ा	न	दे
र	का	ति	कां	न	शा	हि	द	क	पू	र
बां	र	ल	प	त	स	स	त्ता	प	र	र

अमिताभ बच्चन, रितिक रोशन, शाहरुख खान, रजनीकांत, आमिर खान, अक्षय कुमार, सलमान खान, सैफ अली खान, अभिषेक बच्चन, शाहिद कपूर

शब्दजाल - 7997 का हल

म	अ	मु	न	सी	जा	म	न	ज	र	ब
र	वि	ली	प्रे	क	नी	स	द	का	ई	ड
सु	र	त	बा	दी	श	भि	आ	व	ड्डि	अ
इं	मी	न	ब	बा	व	से	को	ल	या	द
सी	ह	ऊ	ई	र	ब	क	पु	लो	श	क
रा	म	तु	ला	रा	म	स	या	र	र	आ
क	गॉ	सो	नी	प	त	कुं	भ	म	प	द
क	ड	क	र्क	या	क	र्त	शि	म	ला	म

Jagrutidaur.com, Bangalore

दैनिक पंचांग

23 अगस्त 2025 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

ग्रह स्थिति		लग्नारंभ समय	
सूर्य	सिंह में	कन्या	07.28 बजे से
चंद्र	सिंह में	तुला	09.39 बजे से
मंगल	कन्या में	वृश्चिक	11.54 ब.से
बुध	कर्क में	धनु	14.10 बजे से
गुरु	मिथुन में	मकर	16.15 बजे से
शुक्र	कर्क में	कुंभ	18.01 बजे से
शनि	मीन में	मीन	19.34 बजे से
राहु	कुंभ में	मेष	21.05 बजे से
केतु	सिंह में	वृष	22.45 बजे से
राहुकाल		मिथुन	00.43 बजे से
9.00 से 10.30		कर्क	02.56 बजे से
बजे तक		सिंह	05.13 बजे से

शनिवार 2025 वर्ष का 235 वा दिन **दिशाशूल** पूर्व **ऋतु** वर्षा। **विक्रम संवत्** 2082 **शक संवत्** 1947 **मास** भाद्रपद (दक्षिण भारत में श्रावण) **पक्ष** कृष्ण **तिथि** अमावस्या 11.37 बजे को समाप्त। **नक्षत्र** मघा 00.55 बजे को रात्र समाप्त। **योग** परिघ 13.20 बजे को समाप्त। **करण** नाग 11.37 बजे तदनन्तर किंस्तुघ्न 23.39 बजे को समाप्त। **चन्द्रायु** 24.2 घण्टे **रवि क्रान्ति** उत्तर 11° 25' **सूर्य** दक्षिणायन **कलि अहर्गण** 1872445 **जूलियन दिन** 2460910.5 **कलियुग संवत्** 5126 **कल्पारंभ संवत्** 1972949123 **सृष्टि ग्रहारंभ संवत्** 1955885123 **वीरनिर्वाण संवत्** 2551 **हिजरी सन्** 1446 **महीना** सफर **तारीख** 28 **विशेष** भाद्रपद अमावस्या।

दिन का चौघड़िया		रात का चौघड़िया	
काल	05.55 से 07.23 बजे तक	लाभ	05.37 से 07.10 बजे तक
शुभ	07.23 से 08.51 बजे तक	उद्वेग	07.10 से 08.42 बजे तक
रोग	08.51 से 10.19 बजे तक	शुभ	08.42 से 10.14 बजे तक
उद्वेग	10.19 से 11.46 बजे तक	अमृत	10.14 से 11.47 बजे तक
चर	11.46 से 01.14 बजे तक	चर	11.47 से 01.19 बजे तक
लाभ	01.14 से 02.42 बजे तक	रोग	01.19 से 02.51 बजे तक
अमृत	02.42 से 04.10 बजे तक	काल	02.51 से 04.23 बजे तक
काल	04.10 से 05.37 बजे तक	लाभ	04.23 से 05.56 बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अतः आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। ■ Jagrutidaur.com, Bangalore

फिल्म वर्ग पहेली- 6942

ऊपर से नीचे:-

१. 'बंदा ये बिंदास है' गीत वाली फिल्म-२
२. विकास भल्ला, काजोल की फिल्म-३
३. 'हाय हाय ये मजबूरी' गीत वाली मनोज कुमार जीनत अमान की फिल्म-२,३,२,३
४. फिल्म 'घर में श्याम गली में राम' में गोविंदा के साथ नायिका कौन थी-३
६. आफताब शिवदासानी, उर्मिला मातोंडकर की फिल्म-२
९. 'बड़ी मुश्किल है खोया मेरा दिल है' गीत वाली शाहरूख, माधुरी की फिल्म-३
११. फिल्म 'इंडियन' में नायक कौन था-२
१२. मनोजकुमार की राष्ट्रभक्ति से ओतप्रोत फिल्मों में उनके किरदार का नाम है?-३
१३. राजेश, जया भादुड़ी की 'बरस गई रे तरस गई' गीत वाली फिल्म-२,१,३
१५. अक्षय, सुनील, जैकी, रवीना, लारा दत्ता की फिल्म-२
१६. जैकी श्रॉफ, फरहा की फिल्म-४
१७. 'शीशी भरी गुलाब की' गीत वाली रणधीरकपूर, बबीता की फिल्म-२
२०. करण दीवान, स्वर्णलता की 'अंखियां मिलाके जिया' गीत वाली फिल्म-३
२१. 'चलो दिलदार चलो' गीत वाली राजकुमार, मीनाकुमारीकी फिल्म-३
२३. हिमालय, भाग्यश्री की 'मुझको पायल नाम दिया' गीत वाली फिल्म-३
२६. 'आज की रात नया चाँद' गीत वाली मनोज, धर्मेन्द्र, मायरा बानों की फिल्म-२
२७. अजय देवगन, ट्विंकल खन्ना की 'नैनों में महबूब के' गीत वाली फिल्म-२

बायें से दायें:-

१. मनोजकुमार, साधना की 'तुम बिन जीवन कैसे बीता' गीतवाली फिल्म-३
३. 'चली सात फेरे लेकर' गीत वाली मिलिंद सोमण, विक्रम फिल्म-३
५. अभिषेक, उदय चोपड़ा, जॉन अब्राहम, रिमी सेन, ईशा देओल की फिल्म-२
७. 'हो जाता है प्यार' गीत वाली अमिताभ, हेमा मालिनी और प्राण की फिल्म-३
८. अनिलकपूर, जैकीश्रॉफ, अजय, मनीषा, रेखा, सोनाली, माधुरी की फिल्म-२
९. 'ना वादा करते हैं' गीत वाली सुनील शेट्टी, सोमी अली की फिल्म-२
१०. अनिलकपूर, पूनम ढिल्लों की 'मिली तेरे प्यार की छाँव' गीत वाली फिल्म-३
१३. शाहरूख, चंद्रचूड़, ऐश्वर्या फिल्म-२
१४. अजय देवगन, विवेक, मनीषा की 'खल्लास' गीत वाली फिल्म-३
१५. राजेंद्रकुमार, साधना की फिल्म-३
१७. फिल्म 'दोस्ताना' की नायिका थी-३
१८. 'मेरे भैया मेरे चंदा' गीत वाली राजकुमार, धर्मेन्द्र की फिल्म-३
१९. शशिकपूर, जीनत अमान की एक फिल्म-३
२२. बी. आर. इशारा निर्देशित विजय अरोड़ा, रीनाराय की १९७२ की एक फिल्म-४
२३. राजेंद्रकुमार, वहीदा की 'दिले बेताब को सीने से' गीत वाली फिल्म-३
२४. अनिल, श्रीदेवी, रवीना की फिल्म-३
२५. आमिरखान, मनीषा की फिल्म-२
२६. १९७१ में बनी जीतेंद्र, डिम्पल कपाड़िया की श्याम रल्हन निर्देशित फिल्म-२
२७. 'मिजाजे गिरामी दुआ है आपकी' गीत वाली फिल्म-२
२८. फिल्म 'जांनशीन' में नायक-४,२
२९. शाहिद कपूर, करीना की 'दिल मेरे ना और' गीत वाली फिल्म-२

फिल्म वर्ग पहेली- 6941

सं	न्या	सी		ह	मे	श		खी	प
ध्या		मा	सू	म		र	क्षा		ज
	रे		र		सी	दा			त्रि
ना	जा	य	ज		त		श्री	दे	वी
ग		की		जा	न	म		ह	
म	हा	न		गु		द	म		मा
णि		प्र	ति	का	र		ज		या
	फ	रा		हि		ल			न
रॉ	की		रा	जि	या	सु	ल	ता	न
	रा	खी		स्म		र	त		बू

■ Jagrutidaur.com, Bangalore

प्रसंगतः लोभ और त्याग

गौतम बुद्ध के एक अनुयायी ने अपनी सारी धन-दौलत लोकोपयोगी कार्यों में लगा दी और संयम का जीवन जीना शुरू कर दिया। वह हर वक्त प्रत्येक व्यक्ति की सहायता के लिए तैयार रहते। हर ओर उनके सत्कार्यों की चर्चा होने लगी। एक दिन कुछ लोग उनके पास आए। उनमें से एक व्यक्ति बोला, 'महानुभाव, आपका त्याग प्रशंसनीय है। आपकी सेवाओं को लेकर समाज आपका कृतज्ञ है। हम सब लोग सार्वजनिक रूप से आपका अभिनंदन कर आपको दानवीर तथा मानव-रत्न के अलंकरण से विभूषित करना चाहते हैं। हम आपके पास यह निवेदन करने आए हैं कि आप सहर्ष हमें इसकी सहमति दें ताकि हम अपने कार्य को खुशी-खुशी निर्विघ्न संपन्न कर सकें।' उस व्यक्ति की बात सुनकर बुद्ध के अनुयायी ने मुस्कराते हुए कहा, 'आप सब लोगों ने मुझे जितना आदर व सम्मान दिया है इसके लिए मैं आपका आभारी हूं। किंतु मैंने कोई त्याग नहीं किया है। मेरे जिन गुणों का आप आदर कर रहे हैं, उन्होंने तो मुझे लाभ ही लाभ दिया है। ठीक उसी तरह जिस तरह बैंक में रुपये जमा करना त्याग नहीं, ब्याज का लाभ है। आप सभी जानते हैं कि दुकानदार ग्राहक को कोई वस्तु देकर त्याग नहीं करता बल्कि अपना लाभ कमाता है। उसी तरह मैंने भी अपने व्यक्तित्व से काम, क्रोध, लोभ, मोह आदि को छोड़कर अपने स्वभाव में अहिंसा, परोपकार, क्षमा, सत्य, दया आदि जैसे सद्गुण को स्थान दिया है। इस तरह देखा जाए तो मैंने छोड़ा कम पाया ज्यादा। मुझे तो लाभ ही मिला। मैंने अतिरिक्त तो कुछ किया नहीं।' यह सुनकर सब उनके प्रति नतमस्तक हो गए।

सूडोकु नवताल- 7251

मध्यम

9		6		3		4		8
	2				9		7	
4			1	6				2
		8			2		3	
1		4				2		5
	3		5			8		
7				9	5			3
	8		6				4	
6		2		7		5		1

Jagrutidaur.com, Bangalore

■ प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
■ प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
■ पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
■ पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल -7250 का हल

3	6	5	1	8	2	7	4	9
7	9	2	3	5	4	1	8	6
4	1	8	6	7	9	5	3	2
6	5	9	2	4	8	3	7	1
8	4	7	9	3	1	6	2	5
1	2	3	5	6	7	4	9	8
2	7	6	4	9	5	8	1	3
5	8	1	7	2	3	9	6	4
9	3	4	8	1	6	2	5	7

शब्द पहेली - 8466

बाएँ से दाएँ

1.आकाश,व्योम-2
2.नाजुक,मुलायम-3
4.हार,पराजय-2
6.संध्या,सांझ,गोधूलि-2
7.जोर,बल-2
9.सोना,धतूरा-3
12.नाप-जोख करना-3
14.सिक्कों की आवाज-3
16.रहस्यज्ञाता-4
17.तालाब,ताल,तलैया-4
18.नियंत्रण,घोड़े की रास-3
20.गिरवी वस्तु-3
22.सैनिक कार्रवाई-3
24.चिट्ठी,पत्र-2
26.बर्तन-2
27.सुर,क्रम-2
28.वाचन करने वाला-3
29.पितामह-2

ऊपर से नीचे

1.लवण-3
2.भीगा हुआ-2
3.खुमार,नशा-2
5.सर्दी में हाथ सेंकना-3
6.भाजी,सब्जी,तरकारी-2
8.इंकार,मनाही-2
10.मस्जिद,नमाज पढ़ने की जगह-5
11.आम जनता-2
13.लालन-पालन-5
14.इमाम दस्ता-3
15.वचन,प्रतिज्ञा-3
19.रुखसार,कपोल-2
20.पासे फेंक कर भविष्य जानना-3
21.नाखून-2
22.सखा,दोस्त-2
23.निजात,छुटकारा-3
25.इस पर रोटी सेंकते हैं-2
26.पवित्र-2

शब्द पहेली -8465 का हल

म	हा	का	ल		व	र	क	
त	र		ह		कि		ला	क
वा		ह	जा	म	त			सु
ला	य		क		स		त	
		ला	वा		व	जु		
ना	प	ना		आ		क	या	स
य			म	हा	न	ता		र
क	था		जा		र		सी	ता
	ल	ल	क		म	हा	रा	ज

■ Jagrutidaur.com, Bangalore

शेयर बाजार गिरावट पर बंद

मुंबई। भारतीय शेयर बाजार शुक्रवार को गिरावट के साथ बंद हुआ। इसी के साथ ही पिछले दिनों से जारी तेजी पर अंकुश लग गया। सप्ताह के अंतिम कारोबारी दिन बाजार में ये गिरावट दुनिया भर से मिले-जुले संकेतों के बीच ही बिकवाली हावी रहने से आयी है। दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स 693.86 अंक की गिरावट के साथ ही 81,306.85 और 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 213.65 अंक टूटकर 24,870.10 पर बंद हुआ। सबसे ज्यादा गिरावट धातु शेयरों में आई। इससे निफ्टी मेटल इंडेक्स 1.25 फीसदी नीचे आकर बंद हुआ। इसके अलावा, एफएमसीजी, प्राइवेट बैंक और पीएसयू बैंक इंडेक्स में एक फीसदी से अधिक की गिरावट रही। केवल फार्मा, मीडिया, कंज्यूमर ड्यूरेबल, हेल्थकेयर और डिफेंस के शेयर बढ़त पर बंद हुए। लार्जकैप के साथ ही मिडकैप और स्मॉलकैप इंडेक्स में भी बिकवाली दर्ज की गई। निफ्टी मिडकैप 100 इंडेक्स 79.20 अंक या 0.14 फीसदी की कमजोरी के साथ 57,629.75 और निफ्टी स्मॉलकैप 100 इंडेक्स 46.85 अंक तकरीबन 0.26 फीदसी की गिरावट के साथ 17,919.50 पर बंद हुआ। सेंसेक्स पैक में एमएंडएम, मारुति सुजुकी, बीईएल, सन फार्मा, भारती एयरटेल और टाइटन के शेयर सबसे अधिक लाभ में रहे जबकि एशियन पेंट्स, अल्ट्राटेक सीमेंट, आईटीसी, टाटा स्टील, कोटक महिंद्रा बैंक, एचसीएल टेक, टीसीएस, एचडीएफसी बैंक, टेक महिंद्रा, एसबीआई, इटरनल, एक्सिस बैंक और टाटा मोटर्स के शेयर सबसे अधिक गिरे। इससे पहले आज सुबह बाजार गिरावट के साथ खुले। सुबह सेंसेक्स 81,951 अंक पर खुला और शुरुआती कारोबार में 227.24 अंक गिरकर 81,773.47 पर पहुंच गया। वहीं निफ्टी ने 25,064.15 पर शुरुआत की और बाद में ये 24,996 पर कारोबार कर रहा था। आईसीआईसीआई बैंक, एचडीएफसी बैंक और रिलायंस इंडस्ट्रीज में बिकवाली से प्रमुख सूचकांकों पर दबाव रहा। इससे पहले गुरुवार को बाजार में मामूली बढ़त देखने को मिली थी। वहीं एशियाई बाजारों में भी मिलाजुला रुख देखने को मिला। कोरिया का कोस्पी इंडेक्स 1.06 फीसदी चढ़ा, जापान का निक्केई 0.13 फीसदी और हॉन्गकॉन्ग का हैंगसेंग 0.33 फीसदी ऊपर रहा। लेकिन ऑस्ट्रेलिया का एएसएक्स 200 मामूली गिरावट में रहा। इस बीच पॉवेल के भाषण से पहले गुरुवार को अमेरिकी बाजारों में गिरावट दर्ज की गई। एसएंडपी 500 में 0.4 फीसदी, नैस्डैक कंपोजिट में 0.34 फीसदी और डाउ जोन्स इंडस्ट्रियल एवरेज में 0.34 फीसदीकी गिरावट दर्ज की गई।

भारत में पहला कार्यालय दिल्ली में खोलेगा ओपनएआई

नई दिल्ली। कृत्रिम मेधा (एआई) तकनीक में अग्रणी अमेरिकी कंपनी ओपनएआई ने शुक्रवार को घोषणा की कि वह साल 2025 के अंत तक राजधानी दिल्ली में अपना पहला कार्यालय खोलने जा रही है। यह कदम भारत में उसके एआई उत्पादों की तेजी से बढ़ती लोकप्रियता को ध्यान में रखकर उठाया गया है। भारत, अमेरिका के बाद चैटजीपीटी का दूसरा सबसे बड़ा और तेजी से बढ़ता उपयोगकर्ता आधार बन चुका है। कंपनी ने बताया कि उसने भारत में आधिकारिक रूप से अपनी स्थानीय इकाई स्थापित कर दी है और एक समर्पित भारतीय टीम की नियुक्ति की प्रक्रिया शुरू हो चुकी है। इस कार्यालय के जरिए ओपनएआई भारत सरकार, व्यवसायों, डेवलपर्स, शैक्षणिक संस्थानों और अन्य साझेदारों के साथ मिलकर काम करेगी। ओपनएआई के सीईओ सैम ऑल्टमैन ने कहा कि भारत में एआई को लेकर जोश और संभावनाएं अविश्वसनीय हैं। यहां की तकनीकी प्रतिभा, विकसित डेवलपर समुदाय और सरकारी समर्थन इसे वैश्विक एआई नेता बनने की दिशा में अग्रसर करते हैं। यह निर्णय भारत में चेटजीपीटी गो, ओपनएआई एकडमी और इंडिक भाषा समर्थन जैसी पहलों की घोषणा के बाद आया है। इन पहलों का उद्देश्य भारत के उपयोगकर्ताओं को और अधिक अनुकूल सेवाएं प्रदान करना है।

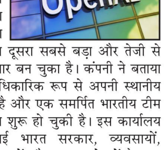

बैंकिंग और फाइनेंशियल सर्विसेज सेक्टर में बढ़े रोजगार के अवसर

नई दिल्ली। एक रिपोर्ट के मुताबिक बैंकिंग और फाइनेंशियल सर्विसेज सेक्टर इस वित्त वर्ष में 8.7 फीसदी और 2030 तक लगभग 10 फीसदी की दर से बढ़ेगा। इस वृद्धि से लगभग 2.5 लाख स्थायी नौकरियों के सृजन की उम्मीद है। खास बात यह है कि हायरिंग केवल मेट्रो शहरों तक सीमित नहीं रहेगी, बल्कि टियर-2 और टियर-3 शहरों में भी तेजी से भर्ती होगी। 2025 की पहली छमाही में इस सेक्टर में हायरिंग पिछले साल की तुलना में 27 फीसदी बढ़ी है। सबसे अधिक मांग फ्रंटलाइन, डिजिटल और कम्प्लायंस से जुड़ी नौकरियों में देखी जा रही है। मिडिल और सीनियर लेवल पर ईएसजी स्ट्रैटेजी, डिजिटल वेल्थ मैनेजमेंट और एआईएफ या पीएमएस कम्प्लायंस जैसे नए क्षेत्रों में 30 फीसदी तक हायरिंग बढ़ी है। पब्लिक और प्राइवेट बैंक अपने कोर सिस्टम्स को मॉडर्न बनाने, क्लाउड बेस्ड टेक्नोलॉजी और डिजिटल ऐप्स के लिए टैलेंटेड टीम बना रहे हैं। एमएसएमई और ग्रामीण इलाकों में लोन की बढ़ती मांग ने अंडरराइटिंग, कलेक्शन और रेगुलेटरी कम्प्लायंस से जुड़े जॉब्स को बढ़ावा दिया है। म्यूचुअल फंड, ब्रोकरेज और फिनटेक कंपनियां अपने नेटवर्क और टेक टीम्स को मजबूत कर रही हैं। साथ ही, रेगुलेटरी और साइबर रिस्क्स के कारण कम्प्लायंस और फ्रॉड डिटेक्शन एक्सपर्ट्स की मांग भी लगातार बढ़ रही है। इंश्योरेंस इंडस्ट्री में डिजिटल अंडरराइटर्स, एआई क्लेम स्पेशलिस्ट्स और फ्रॉड एनालिस्ट्स की नौकरी में 6-9 फीसदी तक की ग्रोथ दर्ज की गई है। आने वाले वर्षों में हर साल 5-7 फीसदी नई भर्ती होने की उम्मीद है। बैंकिंग और फाइनेंशियल सर्विसेज सेक्टर में करियर के लिए यह सुनहरा मौका है।

आज नगर व क्षेत्र में धूमधाम से मनाया जाएगा पोला पर्व

बैलों की पूजा कर खिलाया जाएगा नैवेद्य

लांजी (पद्मेश न्यूज)। आज शनिवार को लांजी क्षेत्र में पोला पर्व बड़े उत्साह के साथ मनाया जाएगा। यह पर्व किसानों और खेतीहर मजदूरों के लिए विशेष महत्व रखता है, क्योंकि बैल खेती में उनकी सहायता करते हैं। इस अवसर पर मिट्टी के बैल और खिलौनों की पूजा की जाएगी, साथ ही छत्तीसगढ़ी पारंपरिक पकवान जैसे ठेठरी और खुरमी बनाए जाएंगे।

नगर में सजी मिट्टी के बैलों एवं खिलौने की दुकाने

पोला पर्व के चलते दो तीन दिन पूर्व से ही नगर चौक चौराहो एवं तथा ग्रामों में मिट्टी के भांडे सोरया एवं नंदी बैल एवं खिलौने की दुकानें वही लकड़ी के भी नंदी बैल की दुकाने सजी दिखाई दी है। बढ़ती मंहगाई के चलते इन भांडे सोरया, नंदी बैल के दामो में बढोतरी नजर आई है। फिर भी पर्व को धुम धाम से मनाने के लिये लोग सामग्री खरीदते नजर आये।

लांजी नगर परिषद के द्वारा मनाया जायेगा पोला पर्व

पोला पर्व पर 23 अगस्त दिन शनिवार को नगर परिषद लांजी के द्वारा परंपरानुसार नगर के पूराना गुजरी चौक के समीप में पोला पर्व मनाया जाएगा। नगर परिषद कार्यालय से आरती थाल लेकर परिषद के अध्यक्ष उपाध्यक्ष, पार्षद गण, गणमान्य नागरिक गणो सहित कार्यालयीन अधिकारी कर्मचारी आतिशबाजी करते हुये बाजे गाजे के साथ पोला पर्व स्थल पर पंहुचकर सर्वप्रथम माँ लंजकाई मंदिर में पूजा अर्चना करने के उपरांत श्री हनुमान मंदिर में पूजन करने के पश्चात आतिशबाजी कर बैल जोडीयों को रवाना किया जाता है। इसके उपरांत बैल जोड़ियों को घर घर ले जाया जाता है, जहां महिलाओं द्वारा बैलों की पूजा कर बनाएं गए पकवान व नैवेद्य खिलाकर बैलजोड़ी लाने वाले को दक्षिणा दिया जाता है।

कल मनाया जाएगा तान्हा पोला व नारबोद

पर्व के चलते पोला पर्व के दूसरे दिन अर्थात 24 अगस्त को तान्हा पोला व नारबोद पर्व परम्परानुसार मनाया जावेगा । पोले पर्व की रात्रि में युवाओं की टोली जागरण कर बुराई के प्रतीक एवं बिमारियों के विरोध में प्रतीक स्वरूप लोकभाषा में घेउन जा रे नारबोद के नारे लगाते हुये प्रातः भोर में मारबत का पुतला एवं गेड़ी बनाकर गांव की सीमा के बाहर ले जाकर जलाये जाने की परम्परा बनी हुई है । किन्तु बदलते परिवेश के चलते यह परम्परा धीरे - धीरे समाप्त होते जा रही है । फिर भी क्षेत्र के गांवों में यह परम्परा अब भी बरकरार है । इसके अलावा इस दिन बच्चों द्वारा तान्हा पोला मनाने की परम्परा है, जिसमें लकड़ी के बने नंदी को सजाकर उसकी पूजा की जाती है एवं छोटे बच्चें उसे मोहल्ले में घुमाते हैं तथा कुछ लोगों द्वारा घरों में सतावर का पौधा (नारबोद) खोचकर भेंट भी ली जाती है ।

एडवेंचर इंग्लिश पब्लिक स्कूल भानेगांव उत्कृष्ट शिक्षा के लिए उपमुख्यमंत्री जगदीश देवड़ा के हाथों सम्मानित

लांजी (पद्मेश न्यूज)। लॉजी विकासखंड के अंतर्गत ग्राम भानेगांव में संचालित एडवेंचर इंग्लिश पब्लिक स्कूल को अनादी टीवी चैनल, भोपाल द्वारा आयोजित उत्कृष्ट शिक्षा अवार्ड 2025 से सम्मानित किया गया। मध्यप्रदेश शासन के उपमुख्यमंत्री जगदीश देवड़ा जी ने 18 अगस्त 2025 को स्कूल के संचालक ए.आर. कुशले और प्रधानाचार्या श्रीमती ममता कुशले को प्रमाण पत्र और शील्ड प्रदान कर सम्मानित किया। यह सम्मान स्कूल के कम समय में जवाहर नवोदय विद्यालय चयन परीक्षा में सर्वाधिक छात्रों के चयन, इंस्पायर अवार्ड में उपलब्धियों और शिक्षा के क्षेत्र में उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए दिया गया।

विज्ञान मंथन यात्रा 2025-26 के लिए 6 छात्राओं का चयन

विज्ञान के प्रति रुचि जागृत करने के उद्देश्य से आयोजित ऑनलाइन विज्ञान मंथन यात्रा 2025-26 के लिए स्कूल की कक्षा आठवीं की 6 छात्राओं—कु. धारिता ओंकार बिसेन, कु. दिपाली रिक्रीराज धनवले, कु. दिपाली बिरबल नाकतोड़े, कु. एकता महेश कालबेले, कु. श्रुति संजय कबीरे, और कु. सृष्टि मनोज अवसरे का चयन हुआ। इस यात्रा का मुख्य उद्देश्य छात्रों को ख्यातिप्राप्त प्रयोगशालाओं और शोध संस्थानों का अवलोकन कराने के साथ-साथ विश्वप्रसिद्ध वैज्ञानिकों से प्रत्यक्ष संवाद का अवसर प्रदान करना है।

पालक संघ और स्टाफ ने दी शुभकामनाएं

चयनित छात्राओं को पालक संघ समिति के अध्यक्ष डॉ. प्रकाश बेदरे, उपाध्यक्ष प्रकाश पटले, सचिव भुमेश्वर तुरकर, सहसचिव गणेश बाहे, दुलीचंद कावड़े, खुशराज राहंगडाले, महिला संघ समिति की अध्यक्ष श्रीमती सविता मिसारे, उपाध्यक्ष श्रीमती अल्का भरें, सचिव श्रीमती वर्षा पटले, सहसचिव श्रीमती कविता कुशले, पदमा बिहोने, कार्यालय स्टाफ कमलेश ठाकरे, सुनिता नखाते, सीमा येरपुड़े, शिक्षक रोहित चंदेल, सुभम मेश्राम, सुरेंद्र देवाहे, नरेंद्र कटरे सहित समस्त शिक्षक-शिक्षिकाओं ने शुभकामनाएं देकर उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

जय किसान संघर्ष समिति का किया गठन

लांजी (पद्मेश न्यूज)। क्षेत्र के ग्राम भानेगांव के पंचायत भवन सभा कक्ष में 22 अगस्त को दोपहर 12 बजे जय किसान संघर्ष समिति का गठन किया गया जो कि आगामी समय में किसानो के अधिकारों, हक एवं हित लाभ लड़ाई लड़ी जायेगी। इस संदर्भ में जानकारी देते हुये किसान संघर्ष समिति के पदाधिकारी दिनेश लाड़े ने जानकारी देते हुये बताया कि वर्तमान में किसानों को अपनी खेती के लिये उस अनुपात में खाद उपलब्ध नही हो पा रहा है इसके अलावा किसानों की अनेको समस्याएं है जिनमे सरकार पूर्ण करने विफल नजर आ रही है। ऐसे ही अनेको समस्याओं को लेकर जय किसान संघर्ष समिति का गठन किय गया है। समिति में प्रमुख रूप से जिला पंचायत सदस्य ज्योति उमरे,जनपद सभापति दिनेश लाड़े, सरपंच संघ अध्यक्ष ललीत कबीरे, सरपंच राम ठाकरे, ईश्वर उमरे, जनपद सदस्य श्यामलाल बेदरे, मोहझरी उपसरपंच रीता रावते, प्रेमचंद दानी सहित बडी संख्या में किसान साथी उपस्थित रहे। बैठक में इस विषय पर भी चर्चा की गई जहां सरकार के द्वारा अपने चुनावी वादों में 3100 रूपये धान के समर्थन मूल्य की घोषणा की गई थी लेकिन आज दिनांक तक उसे पूरा नही किया गया है जिससे किसान अपने आप को ठगा महसूस कर रहे। किसानो के साथ सरकार ने वादा खिलाफी की है। अपनी बात पर सरकार कायम नही है जिससे में पता चलता है कि वे सिर्फ और सिर्फ चुनावी घोषणा थी किसानो के साथ उनका कोई सरोकार नही है।

उल्लेखनीय है कि लांजी कोटेश्वर महोत्सव के दौरान प्रदेश के मुखिया मा मोहन यादव जी द्वारा घोषणा की गई थी की हम प्रति हेक्टेयर किसानों को 4 हजार रूपये प्रोत्साहन राशि प्रदान की जावीं लेकिन यह भी अब तक केवल घोषणा बनकर रह जायेगी। उपस्थित किसानों के द्वारा समय पर बीज की उपलब्धता एवं वितरण ना किये जाने पर भी नाराजगी व्यक्त की गई है क्योकि समय पर बीज नही मिलने से उनको निजी कंपनी का रूख या प्राइवेट दुकानो की ओर जाकर बीज खरीदी करनी पड़ती है जो कि सरकार स्वयं निजी कंपनी को लाभ पंहुचा रही है।

शासकीय आदिवासी सीनियर कन्या छात्रावास में विधिक साक्षरता व जागरूकता शिविर का किया आयोजन

लांजी (पद्मेश न्यूज)। मध्य प्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण के कुशल मार्गदर्शन में प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश/अध्यक्ष प्राणेश कुमार प्राण और जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के सचिव सतीश शर्मा के दिशा-निर्देशों के तहत, तहसील विधिक सेवा समिति लांजी के अध्यक्ष और व्यवहार न्यायाधीश प्रीतम शाह की अध्यक्षता में शासकीय आदिवासी सीनियर कन्या छात्रावास, लांजी में 22 अगस्त को एक विधिक साक्षरता एवं जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया। यह शिविर छात्राओं को कानूनी अधिकारों और सामाजिक जागरूकता के प्रति शिक्षित करने के उद्देश्य से आयोजित किया गया।

छात्राओं को दी गई कानूनी जानकारी

शिविर में न्यायाधीश प्रीतम शाह ने उपस्थित छात्राओं को विभिन्न कानूनी प्रावधानों और उनके अधिकारों के बारे में विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने लैंगिक अपराधों से बालकों का संरक्षण अधिनियम (पास्को), किशोर न्याय अधिनियम, बाल विवाह प्रतिषेध अधिनियम, और मोटर यान अधिनियम के महत्वपूर्ण प्रावधानों पर प्रकाश डाला। इसके साथ ही, उन्होंने शिक्षा के महत्व, गुड टच-बैड टच, और नेशनल लोक अदालत की कार्यप्रणाली के बारे में भी बताया। न्यायाधीश महोदय ने राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण और राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण की विभिन्न योजनाओं के बारे में जानकारी दी, जो समाज के कमजोर वर्गों को मुफ्त कानूनी सहायता प्रदान करती हैं। इसके अतिरिक्त, भारतीय संविधान में उल्लेखित समानता का अधिकार (अनुच्छेद 14) के तहत विधि के समक्ष समानता और विधि का समान संरक्षण जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर भी चर्चा की गई।

छात्राओं के सवालों का सहज समाधान

शिविर के दौरान छात्राओं ने कानूनी विषयों से संबंधित कई प्रश्न पूछे, जिनका जवाब न्यायाधीश महोदय ने सहज और सरल तरीके से दिया। इस इंटरैक्टिव सत्र ने छात्राओं को कानूनी प्रक्रियाओं और उनके अधिकारों के प्रति जागरूक करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। इस अवसर पर शिविर में छात्रावास अधीक्षक श्रीमती प्रतिभा नागदौने, पैरालीगल वॉलेंटियर श्रीमती बिंदेश्वरी मुरकुटे, न्यायालयीन कर्मचारी, छात्रावास का स्टाफ, वन स्टॉप सेंटर के सदस्य, और खुशबू महिला मंडल की अध्यक्ष श्रीमती हाफिजा मिर्जा सहित कई अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे। उनकी उपस्थिति ने इस आयोजन को और अधिक प्रभावी बनाया।

शिविर का उद्देश्य और प्रभाव

इस विधिक साक्षरता शिविर का मुख्य उद्देश्य छात्राओं को उनके कानूनी अधिकारों, सामाजिक सुरक्षा, और संवैधानिक मूल्यों के प्रति जागरूक करना था। इस प्रकार के आयोजन न केवल छात्राओं को सशक्त बनाते हैं, बल्कि समाज में कानूनी जागरूकता को बढ़ावा देने में भी महत्वपूर्ण योगदान देते हैं। शिविर में उपस्थित सभी लोगों ने इस आयोजन की सराहना की और इसे भविष्य में भी नियमित रूप से आयोजित करने की आवश्यकता पर बल दिया। यह शिविर न केवल छात्राओं के लिए ज्ञानवर्धक रहा, बल्कि उनके आत्मविश्वास को बढ़ाने और समाज में अपनी भूमिका को समझने में भी सहायक सिद्ध हुआ।

आम और खास सभी वर्ग परेशान, कुम्भकर्णीय नींद में अधिकारी

सरकारी दफ्तरों के सामने जलभराव

कटंगी(पद्मेश न्यूज)। कटंगी मुख्यालय में आमजन को स्वच्छता और साफ-सफाई का पाठ पढ़ाने वाले सरकारी अधिकारी और कर्मचारी अपने ही कार्यालयों के सामने की गंदगी पर चुप्पी साधे बैठे है. स्वच्छता अभियान के नाम पर हर साल लाखों रुपए खर्च करने वाली नगर परिषद की निष्क्रियता और अधिकारियों की उदासीनता की वजह से यह हालात निर्मित हुए है. मामला बारिश के बाद जलभराव, कीचड़ और गंदगी से जुड़ा हुआ है. नगर में स्थित व्यवहार न्यायालय, एसडीएम कार्यालय, तहसील कार्यालय, जनपद पंचायत कार्यालय, पटवारी कार्यालय, बीआरसी कार्यालय, उप कोषालय, रजिस्ट्री ऑफिस और लोक सेवा केन्द्र के सामने जलभराव हो रहे है. इन सरकारी दफ्तरों में हर दिन बड़ी संख्या में लोगों का आना-जाना होता है. जिन्हें बारिश के बाद परिसर में जलभराव और गंदगी से दो-चार होना पड़ता है. बारिश के पानी की निकासी की उचित व्यवस्था ना होने के कारण इन कार्यालयों के सामने जरा सी बारिश में जलभराव हो जाता है जो बाद में कीचड़ में तब्दील होकर परेशानी का सबब बनता है. माननीय न्यायाधीश के सरकारी आवास की तरफ जाने वाले रास्ते में भी जलनिकासी की व्यवस्था नहीं होने से कीचड़ बनता है. यह सभी कार्यालय और माननीय न्यायाधीश का सरकारी आवास एक ही परिसर में है. जलभराव से मच्छर और अन्य बीमारियाँ फैलाने वाले कीड़े पनप रहे हैं, जिससे कर्मचारियों और आगंतुकों के स्वास्थ्य को खतरा बना रहता है। नगर के कई सरकारी एवं सार्वजनिक स्थलों पर कोई निकासी व अन्य व्यवस्था नहीं हो पाने से जलभराव की स्थिति बनी हुई है. फिर भी जिम्मेदार नगर परिषद प्रशासन और अधिकारी कुम्भकर्णीय नींद में सोए सा प्रतीत हो रहे हैं. लिहाजा नगर पंचायत के कई इलाकों में पंचायत प्रशासन की नाकामी के कारण बारिश के पानी के नाली-निकासी व अन्य व्यवस्था कर पाने के चलते क्षेत्र के आम नागरिकों एवं जनता को खामियाजा भुगतना पड़ रहा है. शहर में बारिश के पानी की निकासी की उचित व्यवस्था करना नगर परिषद की जिम्मेदारी है लेकिन नगर परिषद अपनी जिम्मेदारियों पर बखूबी कभी खरी नहीं उतर पाई. नगर परिषद बरसाती पानी निकलने वाले प्राकृतिक रास्तों में भी निर्माण की अनुमति प्रदान करती है जिस कारण शहर के कई हिस्सों में जलभराव होता है. सिंधी कॉलोनी इसका प्रत्यक्ष प्रमाण है. एक तालाब में अवैध तरीके से प्लाटिंग के बाद 07 जुलाई को वार्ड क्रमांक 05 जलमग्न हो गया था. एसडीएम के.सी. ठाकुर ने तब कहा था कि अवैध प्लाटिंग करने वालों के खिलाफ कार्रवाई करेंगे लेकिन परेशानी टलते ही यह अधिकारी भी कार्रवाई करना भूल गए. इनसे यही उम्मीद की जा सकती थी क्योंकि जो अधिकारी अपने कार्यालय के सामने के जलभराव की समस्या का निराकरण नहीं कर पा रहे है वह अधिकारी शहर की जनता की समस्या का निराकरण कर ले बेईमानी ही है।

गणेशोत्सव को लेकर तैयारियां जोरो पर

जगह जगह सजने लगे पूजा पंडाल, होंगे अनेक आयोजन

किरनापुर(पद्मेश न्यूज)। दस दिवसीय पर्व गणेशोत्सव को आनंद एवं उल्लास के साथ मनाए जाने को लेकर मुख्यालय सहित क्षेत्र में समितियों द्वारा तैयारियां प्रारंभ कर दी गई हैं। और आगामी बुधवार 27 अगस्त 2025 से पर्व शुरू हो रहा है । जिसकी तैयारियां में जगह-जगह पंडाल सज रहे हैं गणेश चतुर्थी का उत्सव 10 दिन का होता है गणपति बप्पा की स्थापना लोगों द्वारा अपने घरों में दफ्तरों में व पंडालो में रखकर बड़े भक्ति भाव से पूजन अर्चन करते हैं। 10 दिन तक चलने वाले इस उत्सव में सुबह शाम जय गणेश की आरती करने से गणपति बप्पा की कृपा से जीवन में धन संपदा आती है और मनवांछित फल की प्राप्ति होती है यह पर्व अनंत चतुर्दशी तक चलता है। इस पर्व को आनंद एवं उल्लास से मनाए जाने को लेकर समितियों द्वारा विभिन्न कार्यक्रमों की रूपरेखा तैयार की जा रही हैं। नगर मुख्यालय में गांधी चौक में, वॉलीबॉल ग्राउंड के पास, ग्रामीण बैंक के सामने सार्वजनिक रूप से गणेशोत्सव मनाने की तैयारियों के अलावा अनेक भक्तों द्वारा भी अपने घर पर बप्पा की प्रतिमा को विराजित कर पूरे आस्था एवं श्रद्धा भाव से आराधना

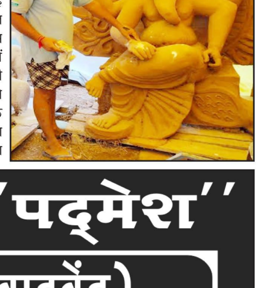

लांजी में ''पद्मेश''
इंटरनेट (ब्राडबेंड)
कनेक्शन के लिये संपर्क करें
Mo. 8319969927

गरिमा और सुरक्षा ताक पर

खुले में दैनिक क्रिया कर रही स्कूली छात्राएं और शिक्षिकाएं

कटंगी(पद्मेश न्यूज)। प्रधानमंत्री आवास योजना से भी अधिक की राशि एक शौचालय के निर्माण के लिए स्वीकृत की गई लेकिन इसके बावजूद एक साल में शौचालय का निर्माण नहीं हो पाया. यह पूरा मामला बालाघाट जिले के विकासखंड कटंगी के निकायाधीन शासकीय बावनथड़ी गुरूकुल उच्चतर माध्यमिक विद्यालय बम्हनी का है. जहां के छात्र-छात्राएं, शिक्षक-शिक्षिकाएं सभी खुले में दैनिक क्रिया के लिए जाते है. शिक्षण जैसी संस्थान में शौचालय नहीं होने से छात्राओं और शिक्षिकाओं के आत्म सम्मान और गरिमा को ठेस पहुंचती है. वहीं छात्राओं की सुरक्षा को लेकर भी सवाल खड़े होते है उन्हें खुले में दैनिक क्रिया के लिए जाने में शर्मिंदगी का सामना करना पड़ता है. करीब एक वर्ष पहले जब हमने इस समस्या को जिम्मेदारों के सामने लाकर रखा था. तब ग्राम पंचायत को 2 लाख 58 हजार रुपए की राशि शौचालय का निर्माण करने के लिए स्वीकृत की गई. पंचायत ने शौचालय का निर्माण शुरू किया लेकिन आज तक निर्माण कार्य अपूर्ण है. कथित तौर पर निर्माण भी भ्रष्टाचार की भेंट चढ़ गया. गांव के सरपंच दयानंद धुर्वे, पंचायत सचिव और रोजगार सहायक तीनों मिलकर एक साल में शौचालय का निर्माण नहीं करवा पाए. शौचालय में जो दरवाजे लगे है वह बंद नहीं होते. दरवाजे बनाने वाले मिस्त्री ने स्कूल प्रबंधन को बताया कि सरपंच ने पैसे नहीं दिए है इसलिए काम अधूरा पड़ा है. एक साल में पंचायत शौचालय का निर्माण क्यों नहीं करवा पाई इसकी सुध लेने वाला तक कोई नहीं है।

स्कूल परिसर में शौचालय निर्माण के नाम पर दो टॉयलेट सीट लगाई गई है बाकि लघुशंका के लिए अलग-अलग खंड तैयार किए गए है. हमने पीएम आवास की राशि का जिक्र इसलिए किया था ताकि आपको बता सकें कि सरकार पीएम आवास के लिए ग्रामीण अंचल में हितग्राही को डेढ़ लाख और शहरी क्षेत्र में ढाई लाख रुपए देकर मकान बनाने कहती है. हितग्राही आवास बना लेता है इसी राशि में वह अपने घर में टॉयलेट भी बना लेता है. मगर पंचायत 2 लाख 58 हजार की राशि में शौचालय का निर्माण पूरा नहीं हो पा रहा है. अगर कोई प्राइवेट व्यक्ति इतनी ही राशि व्यक्तिगत शौचालय के निर्माण में खर्च करता तो आधुनिक शौचालय का निर्माण कर लेता किंतु पंचायत ने इतना घटिया निर्माण करवाया है कि शौचालय का उपयोग तक नहीं किया जा सकता. बम्हनी स्कूल में नर्सरी से लेकर कक्षा 12 वीं तक साढ़े 3 सौ से अधिक विद्यार्थी अध्ययन करते है यहां पुरूषों के साथ महिला शिक्षिकाएं पदस्थ है सभी को दैनिक क्रिया के लिए खुले में जाना पड़ता है. शिक्षक स्टाफ ने स्वंय के लिए शौचालय निर्माण करवाया था लेकिन यह निर्माण भी अधूरा ही पड़ा है. छात्राएं बताती है कि खुले में शौच के लिए जाने से कई तरह की स्वास्थ्य संबंधी परेशानियों का सामना करना पड़ता है।

गौरतलब हो कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने वर्ष 2014 में स्वतंत्रता दिवस के मौके पर लाल किले की प्राचीर से कहा था लाल किले से गंदगी और शौचालयों के बारे में मेरी बात लोगों को पसंद आएगी या नहीं, लेकिन मैं एक गरीब परिवार से आता हूँ. मैंने गरीबी देखी है और गरीबों को सम्मान देने की कोशिश वहीं से शुरू होती है। प्रधानमंत्री ने सभी सांसदों से अपने निर्वाचन क्षेत्र के धन का उपयोग हर स्कूल में शौचालय बनाने में करने का आग्रह किया था तब डॉ ढाल सिंह सांसद हुआ करते थे. उन्होंने अपील की, लड़कियों के लिए अलग-अलग शौचालय होने चाहिए. अगले साल जब हम यहाँ खड़े होंगे, तो हर स्कूल में लड़कियों और लड़कों के लिए शौचालय होने चाहिए. उन्होंने कॉर्पोरेट जगत से भी आग्रह किया कि वे अपनी सामाजिक जिम्मेदारी के तहत शौचालय बनवाने के लिए सरकार के साथ मिलकर काम करें. इस बात को अब पूरे 10 साल बीत चुके है लेकिन बम्हनी जैसे स्कूल में आज भी विद्यार्थी खुले में शौच जाते है. बता दें कि मध्य प्रदेश में स्कूली शिक्षा पर 7 साल में सरकार ने 80 प्रतिशत खर्च बड़ा दिया इसके बावजूद स्कूल बुनियादी सुविधा से जूझ रहे हैं. बच्चों को काफी परेशानियां झेलनी पड़ रही हैं. हालात कुछ ऐसे हैं कि प्रदेश के 3 हजार 620 स्कूलों में छात्राओं के लिए अलग से शौचालय नहीं है।

सेंट आरसेटी में अग्रणी जिला प्रबंधक के मार्गदर्शन में 35 दिवसीय जूनियर प्रैक्टिशनर ब्यूटी पार्लर बैच का हुआ समापन

बालाघाट(पद्मेश न्यूज)। सेंट आरसेटी, बालाघाट में अग्रणी जिला प्रबंधक के मार्गदर्शन में शुरू किया गया 35 दिवसीय जूनियर प्रैक्टिशनर ब्यूटी पार्लर प्रशिक्षण बैच का समापन समारोह 22 अगस्त को आयोजित किया गया। इस प्रशिक्षण में विभिन्न ब्लॉकों से आयी दीदियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और अपनी स्वेच्छा से प्रशिक्षण को पूर्ण किया। प्रशिक्षण की मास्टर ट्रेनर श्रीमती निर्मला नागपुरे द्वारा इसमें महत्वपूर्ण भूमिका निभाई गई। प्रशिक्षण के दौरान प्रतिभागियों ने मेकअप, फ`शियल, कस्टमर मैनेजमेंट, टाइम मैनेजमेंट, पेडीक्योर, मैनीक्योर इत्यादि जैसे महत्वपूर्ण ब्यूटी टिप्स और तकनीकों को सीखा। समापन समारोह में आरसेटी के फेकल्टी अंकित लिल्हारे, अनिता चौधरी और ऑफिस असिस्टेंट शिवम कटरे उपस्थित रहे। आजीविका मिशन की डीपीएम सुश्री श्वेता महतो और दिलीप सिंह गोंड ने प्रशिक्षणार्थियों को संबोधित करते हुए उन्हें स्वरोजगार स्थापित करने के लिए प्रेरित किया और मार्गदर्शन प्रदान किया। कार्यक्रम में प्रशिक्षणार्थी कु. युक्ति बिसेन, कु. रानी ब्रम्हे, कु. भूमिका भगत और सुश्री साक्षी बिसेन ने अपने 35 दिवसीय प्रशिक्षण के अनुभव साझा किए और स्वरोजगार शुरू करने की अपनी योजना बताई। कार्यक्रम समन्वयक अंकित लिल्हारे ने सभी प्रशिक्षणार्थियों को स्वरोजगार के लिए प्रोत्साहित किया और क्रेडिट लिंकेज के लिए बैंकों से समन्वय करने की सलाह दी। ताकि वे अपने व्यवसाय को सफलतापूर्वक शुरू कर सकें। सभी प्रशिक्षणार्थियों के उज्वल भविष्य की कामना के साथ कार्यक्रम का समापन हुआ।

केंद्रीय मंत्री श्री गडकरी और मुख्यमंत्री डॉ. यादव 23 अगस्त को जबलपुर में करेंगे

भोपाल। केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री श्री नितिन गडकरी और मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव 23 अगस्त, शनिवार को जबलपुर में प्रदेश के सबसे बड़े और अत्याधुनिक फ्लाईओवर का लोकार्पण करेंगे। लगभग 1052 करोड़ रुपये की लागत से निर्मित 6.855 किलोमीटर लंबा यह एलिवेटेड कॉरिडोर न केवल मध्यप्रदेश का सबसे बड़ा फ्लाईओवर है, बल्कि इसमें कई ऐसी विशेषताएं भी शामिल हैं जो इसे विशिष्ट पहचान देती हैं। इस फ्लाईओवर का सबसे बड़ा तकनीकी आकर्षण रेल मार्ग के ऊपर निर्मित 192 मीटर लंबा सिंगल स्पान केबल स्टे ब्रिज है। इस परियोजना में कुल 3 बो-स्ट्रिंग ब्रिज भी शामिल किए गए हैं। इनमें से दो पुल रानीताल क्षेत्र में और एक पुल बलदेवबाग क्षेत्र में बनाया गया है। उल्लेखनीय है कि ये सभी पुल पूरी तरह स्टील से निर्मित हैं और प्रत्येक की लंबाई लगभग 70 मीटर है। आधुनिक इंजीनियरिंग तकनीकों से निर्मित यह संरचना न केवल जबलपुर बल्कि पूरे देश के लिए एक अद्वितीय और प्रेरणादायी उदाहरण प्रस्तुत करती है। इस फ्लाईओवर निर्माण में पर्यावरण संरक्षण का विशेष ध्यान रखा गया है। इसके नीचे लगभग 50 हजार पौधों का रोपण किया गया है, जिससे शहर का हरित आवरण बढ़ेगा और प्रदूषण पर नियंत्रण में मदद मिलेगी। नागरिकों की सुविधाओं को ध्यान में रखते हुए फ्लाईओवर के नीचे ही बास्केटबॉल कोर्ट, ओपन जिम और बच्चों के लिए पार्क विकसित किए गए हैं। इससे यह केवल एक यातायात सुविधा न होकर एक सामुदायिक और सामाजिक गतिविधियों का केंद्र भी बन जाएगा।

कांग्रेस विधायक आरिफ मसूद को सुप्रीम कोर्ट ने दी राहत

भोपाल। राजधानी भोपाल की मध्य विधानसभा सीट से कांग्रेस विधायक आरिफ मसूद पर मप्र हाईकोर्ट जबलपूर के निर्देश पर दर्ज धोखाधड़ी के मामले में सुप्रीम कोर्ट ने बड़ी राहत देते हुए जॉच पर लगाया स्टे लगाने के आदेश दिये है। गौरतलब है की अनुसार सोमवार को हाईकोर्ट जबलपुर ने विधायक मसूद के इंदिरा प्रियदर्शिनी कॉलेज के मामले में तीन दिन में मामला दर्ज करने और एसआईटी जांच के निर्देश दिए थे। इस मामले में विधायक ने सुप्रीम कोर्ट की शरण ली थी। सुप्रीम कोर्ट शुक्रवार को जस्टिस जेके माहेश्वरी की बैंच में विधायक मसूद की याचिका पर सुनवाई हुई। कांग्रेस विधायक की ओर से सुप्रीम कोर्ट में सीनियर एडवोकेट कपिल सिब्बल और विवेक तन्खा, वरुण तन्खा ने पक्ष रखा। विवेक तन्खा ने बताया कि हाईकोर्ट के आदेश को सुप्रीम कोर्ट ने स्टे कर दिया है। जानकारी के अनुसार सोमवार को हाईकोर्ट ने फर्जी दस्तावेजों के जरिए कॉलेज की मान्यता हासिल करने के मामले में भोपाल कमिश्नर को तीन दिन के भीतर एफआईआर दर्ज कर इसकी जानकारी कोर्ट को देने के आदेश दिये थे।

विकसित भारत अभियान के अंतर्गत प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ एक्सीलेंस में हुई संगोष्ठी

बालाघाट(पद्मेश न्यूज)। प्रधानमंत्री कॉलेज आफ एक्सीलेंस शासकीय जटाशंकर त्रिवेदी स्नातकोत्तर महाविद्यालय बालाघाट के एनसीसी कैडेट्स द्वारा महाविद्यालय में एक संगोष्ठी का आयोजन किया गया। जिसकी थीम मेकिंग इंडिया ए स्पोर्टिंग एण्ड फिट नेशन विषय पर 6 म.प्र. बटालियन के ऑफिसर कमांडिंग लेफ्टिनेंट कर्नल विनीत कमल गुप्ता के मार्गदर्शन एवं प्राचार्य डॉ. अशोक कुमार मराठे के संरक्षण में सम्पन हुआ। इस दौरान एनसीसी कैडेट्स द्वारा विचार रखे गये। कार्यक्रम के मुख्य वक्ता प्रो. सुकचंद ऐडे द्वारा बताया गया की भारत की प्राचीन समृद्ध खेल सम्पदा एवं वर्तमान भारत की खेल गतिविधियों की आवश्यकतों पर चर्चा की गई। सेमिनार में सर्वप्रथम कैडेट् तनु काटेकर द्वारा विकसित भारत की संकल्पना को यूवा वर्ग में खेल एवं योग अभ्यास के माध्यम से नव चेतन जागरत कर पुरा किया जा सकता है। कैडेट् रूद्र तिवारी द्वारा खेल के माध्यम से शारीरिक विकास एवं महिला/पुरूष वर्ग पोषण आहार का संतुलन होता है। हमारे शरीर में विटामिन, प्रोटीन, कार्बोहाइड्रेट, वसा का संतुलित अवशोषण खेल गतिवधि के माध्यम से होता है। कैडेट् शिवम शुक्ला ने विकसित भारत के लिए विभिन्न पैगानो पर चर्चा की संगोष्ठी का मंच संचालन एन.सी.सी अण्डर अफसर पल्लवी पटले द्वारा किया गया। संगोष्ठी के समापन में एनसीसी प्रभारी डॉ. गजानन कटरे द्वारा बताया गया कि एक उत्कृष्ट राष्ट्र व अर्थव्यवस्था के निर्माण के लिए स्पर्धात्मक गतिविधियों को जीवन में अपनाया जाना आवश्यक है।

प्रकृति के संरक्षण हेतु माटी गणेश सिद्ध गणेश प्रशिक्षण कार्यक्रम

उकवा(पद्मेश न्यूज)। पर्यावरण संरक्षण हेतु माटी गणेश अभियान के अंतर्गत मध्यप्रदेश जन अभियान परिषद बैहर के द्वारा जनपद सभाकक्ष में मूर्ति निर्माण का प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया।प्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव के आव्हान पर मध्यप्रदेश जन अभियान परिषद द्वारा प्रदेश के समस्त विकासखण्डों में पर्यावरण संरक्षण के उद्देश्यों से 卐माटी गणेश 卐 अभियान अंतर्गत मिट्टी की मूर्तियों के निर्माण हेतु लोगों को प्रेरित किया जा रहा है।इस अभियान के अंतर्गत जनपद पंचायत सभाकक्ष में मध्यप्रदेश जन अभियान परिषद की नवांकुर संस्थाओं, प्रस्फुटन समितियों,नवांकुर संखियो सीएमसीएलडीपी के छात्रों को मिट्टी की मूर्तियां बनाने हेतु प्रेरित कर मूर्तियों के निर्माण का कुशल प्रशिक्षण दिया जिसमें छात्रों द्वारा मिट्टी की मुर्तियां भी बनाई गई।इस अवसर पर मुख्य अतिथि सुरेंद्र गुड्डा मरकाम विकासखण्ड समन्वयक महेश पटले मनरेगा अतिरिक्त कार्यक्रम अधिकारी दिलीप कोडापे कार्यक्रम अधिकारी नवांकुर संस्था के शिवनाथ यादव राजीव परते लीला गोस्वामी राजेन्द्र बिसेन परामर्शदाता सुरेश यादव ओमेश्वरी राहंगडाले ज्योति बिसेन कुन्दन मेरावी एवं सीएमसीएलडीपी छात्र संदीप गजभिये, अभय यादव, निखिल विश्वकर्मा, मुकेश चौधरी, ज्योति वरकडे, भागचंद पटले आकांक्षा तेकाम एवं समस्त छात्र उपस्थित रहें।जिसमें मूर्तिकार गंगाराम टाटरे ने सभी को मूर्ति बनाना सिखाया जिसके पश्चात सभी के द्वारा भगवान गणेश की माटी से निर्मित मुर्ति बनाई गई।

आंजनबिहरी में किसानों की हुई बैठक

कटंगी(पद्मेश न्यूज)। तिरोड़ी तहसील के ग्राम आंजनबिहरी में शुक्रवार को राष्ट्रीय किसान मजदूर महासंघ और पठार संघर्ष समिति की संयुक्त बैठक हुई. इस बैठक में तिरोड़ी तहसील के पठार अंचल से जुड़ी समस्याओं खासतौर पर जंगली सूअरों के उत्पात, अघोषित बिजली कटौती पर चर्चा की गई. जिलाध्यक्ष खोवेन्द्र तुरकर, जिला संयोजक ईश्वरी प्रसाद बिसेन, ब्लॉक अध्यक्ष मिनेश राज तुरकर, जिला पंचायत सदस्य प्रकाश उके, महेश बोरकर, वरिष्ठ समाजसेवी शरद पाण्डे, आंजनबिहरी सरपंच दीपक पुष्पतोड़े की प्रमुख उपस्थिती में बैठक संपन्न हुई. बैठक में पठार अंचल के गन्ना उत्पादन किसानों ने बड़ी संख्या में हिस्सा लिया. जिन्होंने संगठन के सामने जंगली सूअरों से फसलों को किस तरह से बर्बाद किया जा रहा है इसकी विस्तार से जानकारी दी. गन्ना उत्पादन किसानों ने बताया कि जंगली सूअरों के आंतक ने उन्हें खेती छोड़ने पर मजबूर कर दिया है. फसल बर्बाद के बाद शासन से उचित मुआवजा तक नहीं मिल पा रहा है. अघोषित बिजली कटौती से पठार अंचल में जन-जीवन प्रभावित हो रहा है. इन समस्याओं को सुनने के बाद संगठन ने शीघ्र ही प्रशासनिक अधिकारियों को ज्ञापन सौंपकर आरबीसी 6/4 के तहत तत्काल सर्वे करवाकर मुआवजा प्रदान करने और बिजली विभाग के अधिकारियों से भी चर्चा करने का भरोसा दिया है. संगठन ने कहा कि अगर इन समस्याओं पर निराकरण नहीं निकाला गया तो दोनों संगठन मिलकर आंदोलन करेंगे. बैठक के दौरान राष्ट्रीय किसान मजदूर महासंघ का विस्तार करते हुए दीपक पुष्पतोड़े को तिरोड़ी तहसील का अध्यक्ष मनोनीत किया गया।

महाविद्यालय में वसुधैव कुटुंबकम की भारतीय अवधारणा पर कार्यशाला का हुआ आयोजन

बालाघाट(पद्मेश न्यूज)। शासकीय कमला नेहरू कन्या महाविद्यालय में प्राचार्य डॉ. निधि ठाकुर की अध्यक्षता में तथा द्वन्नष्ट तथा भारतीय ज्ञान परम्परा प्रकोष्ठ के अंतर्गत 22 अगस्त को वसुधैव कुटुंबकम की भारतीय अवधारणा विषय पर कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला के मुख्य वक्ता श्री सचिन्द्र पटलिया सहायक प्राध्यापक समाजशास्त्र विभाग द्वारा वसुधैव कुटुंबकम की भारतीय अवधारणा पर प्रकाश डाला गया एवं व्यक्त किया गया कि पुरी दुनिया एक परिवार है और सभी मनुष्य एक-दूसरे से जुड़े हुए हैं। इसलिए एक दूसरे के प्रति दया करुणा और सम्मान के साथ व्यवहार करने की आवश्यकता हैं। कार्यक्रम का आयोजन भारतीय ज्ञान परम्परा प्रकोष्ठ के संयोजक डॉ. सरोज घोडेश्वर के मार्गदर्शन में किया गया। कार्यक्रम को सफल बनाने में महाविद्यालय के सभी वरिष्ठ प्राध्यापक, सहायक प्राध्यापक, अतिथि विद्वान् एवं कार्यालय स्टाफ का सहयोग रहा। कार्यक्रम का संचालन प्रदीप गजभिये द्वारा एवं आभार प्रदर्शन सुश्री प्रीती उइके द्वारा किया गया।

मंदिर की घंटी बजाकर वोट लेते हैं और संसद की घंटी बजाकर लोकतंत्र बेच देते हैं- जीतू पटवारी

भागलपुर,। 卐वोट अधिकार यात्रा卐 के छठे दिन बिहार के अकबरनगर, भागलपुर में आयोजित संयुक्त प्रेस वार्ता में कांग्रेस-राजद महागठबंधन के नेताओं ने भाजपा-जेडीयू पर सीधा और करारा हमला बोला। मध्य प्रदेश कांग्रेस कमिटी के अध्यक्ष जितु पटवारी ने भाजपा के विकास मॉडल को कटघरे में खड़ा करते हुए कहा कि इनके पास किसान नीति नहीं, रोजगार योजना नहीं, शिक्षा का खाका नहीं। इनके पास है तो सिर्फ़ जुमलों का गट्ठर और झूठ का थैला। पटवारी ने कहा-卐ये लोग जनता को पेड़ लगाने के नाम पर वोट माँगते हैं और चुनावी सभा के लिए हज़ारों पेड़ काट डालते हैं। यही है भाजपा का 'ग्रीन इंडिया'। ये लोग मंदिर की घंटी बजाकर वोट लेते हैं और संसद की घंटी बजाकर लोकतंत्र बेच देते हैं।

विकासशील इंसान पार्टी के अध्यक्ष मुकेश सहनी ने कहा कि भाजपा अब जनता के भरोसे को अपनी जेबखर्च की तरह इस्तेमाल कर रही है। किसानों से वादे करके उनके पसीने का दाम लूट लिया, युवाओं को नौकरी का झांसा देकर बेरोज़गारी का पहाड़ खड़ा कर दिया, और अब जनता के वोट को अपनी प्राइवेट कंपनी का टोकन बना दिया। सहनी ने तंज़ कसते हुए कहा-卐भाजपा का असली काम अब सिर्फ़ जनादेश की डकैती है, यह पार्टी चुनाव लड़ने नहीं आती, यह चुनाव लूटने आती है।

राजद सांसद संजय यादव ने भाजपा को सीधे निशाने पर लेते हुए कहा कि यह सिर्फ़ एक राजनीतिक दल नहीं, बल्कि लोकतंत्र की सबसे बड़ी ठगी कंपनी है। उन्होंने कहा-卐चुनाव आयोग अब इनके लिए बैक ऑफ़िस का काम करता है, और जनता के वोट इनके लिए मुफ्त की लूट है। भाजपा का नया नाम होना चाहिए—'वोट चोर कंपनी प्राइवेट लिमिटेड', जिसमें मालिक नरेंद्र मोदी, एजेंट अमित शाह और ठेकेदार उनके मुख्यमंत्री हैं।卐 उन्होंने तीखा व्यंग्य करते हुए कहा-卐ये वही लोग हैं जो किसानों को एमएसपी से लूटते हैं, युवाओं को परीक्षा-पेपर लीक से धोखा देते हैं, और चुनाव आयोग को अपनी जेब में रखकर लोकतंत्र का तमाशा बनाते हैं।卐

कांग्रेस प्रवक्ता अनुपम कुमार ने भाजपा की राजनीति को एक बड़ा धोखा बताते हुए कहा-卐इनकी क्रोनोलॉजी बहुत साफ़ है- पहले विधायक चोरी, फिर वोट चोरी और अब पूरा राज्य सरकार चोरी। भाजपा का नारा है 'जो बिकेगा वही टिकेगा'। यह पार्टी एक वॉशिंग मशीन है, जिसमें अपराधी घुसते ही संत बन जाते हैं, और ईमानदार आवाज़ें अंदर जाते ही देशद्रोही कहलाने लगती हैं।卐 अनुपम ने चुटकी लेते हुए कहा कि भाजपा लोकतंत्र को 'डिस्काउंट सेल' में बेच रही है, जहाँ विधायक बोली लगाकर खरीदे जाते हैं, मुख्यमंत्री गिफ्ट पैक में दिए जाते हैं और चुनाव आयोग बोनस में मिलता है।

सीपीआई के राष्ट्रीय सचिव डॉ. गिरीश कुमार ने कहा कि बिहार की जनता अब भाजपा के झूठ और जुमलों को पहचान चुकी है और इस बार भाजपा को करारा जवाब देगी। इस प्रेस वार्ता में अभय दुबे (एआईसीसी मीडिया प्रभारी, बिहार) और राजेश राठौर (कांग्रेस मीडिया चेयरमैन, बिहार) भी उपस्थित रहे।

बैहर को बनाया जाए जिला, विभिन्न समस्याओं का समाधान कर दी जाए सुविधाए

बैहर(पद्मेश न्यूज)। पिछले दिनों राज्यपाल मंगूभाई पटेल के बैहर आगमन पर सामाजिक सेवा विचार मंच, एंव बैहर वार्ड नं 4 पार्षद द्वारा एक ज्ञापन सौंप कर, क्षेत्र में निहित विभिन्न समस्याओं का निराकरण करने और बैहर को जिला बनाने सहित 7 सूत्रीय मांगों को पूरा किए जाने की गुहार लगाई गई है। जहां नगर परिषद बैहर वार्ड नंबर 4 से पार्षद श्रीमती पूनम शर्मा एवं सामाजिक सेवा विचार मंच बैहर के वरिष्ठ पदाधिकारी निरंजन शर्मा ने संयुक्त रूप से ज्ञापन सौपकर उक्त सभी मांगों को पूरा किए जाने की गुहार लगाई है। जिसमें वार्ड नं.04 पार्षद पूनम निरंजन शर्मा ने बैहर, झारा, खुरमुंडी, बघोली से परसवाड़ा तक सड़क का डामरीकरण किए जाने और बैहर नगर के विकास के लिए बैहर नगर परिषद को 15 करोड रुपए की राशि का आवंटन किए जाने की मांग की, तो वही पदाधिकारी निरंजन शर्मा ने बैहर को जिला बनाने की लगभग 30 वर्षों पुरानी मांग को पूरा किए जाने की गुहार लगाते हुए सामुदायिक स्वास्थ्य अस्पताल में एक सोनोग्राफी मशीन, अस्पताल में अनुभवी महिला चिकित्सक, हड्डी रोग विशेषज्ञ के साथ-साथ प्लास्टर कर्मचारियों की नियुक्ति करने, तालाबों का सर्वे कर जल संरक्षण कर पानी रोको अभियान का के तहत तालाबों का शुद्धिकरण करने, 10 से 15 वर्षों से सेवा दे रहे दैनिक वेतन भोगियों को सरकारी कर्मचारी घोषित करने, की मांग की है।

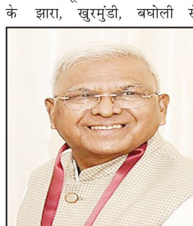

साउथ अफ्रीका ने ऑस्ट्रेलिया को 84 रन से हराया

सीरीज में 2-0 की बढ़त हासिल की, एनगिडी को 5 विकेट, ब्रिट्जके-स्टब्स की फिफ्टी

मैकाय। मैकाय में खेले गए दूसरे वनडे में साउथ अफ्रीका ने ऑस्ट्रेलिया को 84 रन से हरा दिया। इसी के साथ प्रोटियाज ने सीरीज में 2-0 की अजेय बढ़त हासिल कर ली। पहला वनडे साउथ अफ्रीका ने 98 रन से जीता था। शुक्रवार को साउथ अफ्रीका ने टॉस जीतकर बल्लेबाजी करने का फैसला किया। टीम 49.1 ओवर में 277 रन बनाकर ऑलआउट हो गई। प्रोटियाज की ओर से मैथ्यू ब्रिट्जके ने 88 और ट्रिस्टन स्टब्स ने 74 रनों की पारी खेली। दोनों ने चौथे विकेट के लिए 89 रनों की अहम साझेदारी भी की। ऑस्ट्रेलियाई टीम ने आखिरी 10 ओवरों में वापसी की। एक समय 233/5 के स्कोर से साउथ अफ्रीका ने 31 रन जोड़ते हुए 5 विकेट गंवा दिए। टीम पूरे 50 ओवर भी बैटिंग भी नहीं कर सकी। ऑस्ट्रेलिया के गेंदबाजों ने शानदार प्रदर्शन किया। एडम जम्पा ने 3 विकेट लिए, जबकि ट्रैविस हेड और मार्नस लाबुशेन ने मिलकर 2 विकेट झटके। नाथन एलिस ने भी 2 विकेट हासिल किए। तेज गेंदबाज जेवियर बार्टलेट ने शुरुआती झटके दिए और कप्तान ऐडन मार्करम को खाता खोले बिना पवेलियन भेजा।

278 रन का पीछा करने उतरी ऑस्ट्रेलिया टीम पेसर लुंगी एनगिडी के सामने टिक नहीं पाई। उन्होंने 5 विकेट चटकाए। वे प्लेयर ऑफ द मैच भी बने। ऑस्ट्रेलिया से जोश इंग्लिस ने 87 रन बनाए। टीम से 7 बल्लेबाज दहाई का आंकड़ा भी नहीं छू पाए।

एनगिडी ने मैच साउथ अफ्रीका के नाम किया ऑस्ट्रेलिया की शुरुआत अच्छी नहीं रही। ओपनर ट्रैविस हेड को नांद्रे बर्गर ने 6 रन पर आउट कर दिया। कप्तान मिचेल मार्श को वियान मुल्डर ने आउट किया। टीम से जोश इंग्लिस एकमात्र बल्लेबाज रहे जिन्होंने तेजी से बल्लेबाजी की और 74 बॉल पर 87 रन बनाए। उन्होंने 10 चौके और 2 सिक्स भी लगाए। इंग्लिस को एनगिडी ने विकेटकीपर रायन रिकेल्टन के हाथों कैच आउट कराया। एनगिडी 8.4 ओवर की बॉलिंग करते हुए मात्र 42 रन दिए और 5 बल्लेबाजों को आउट किया। ब्रिट्जके ने लगातार चौथा अर्धशतक लगाया साउथ अफ्रीका के लिए ब्रिट्जके ने लगातार चौथा अर्धशतक लगाया और वह चार मैचों के बाद वनडे क्रिकेट में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाज बने। वहीं स्टब्स ने 16 पारियों के बाद पहली बार पचास का आंकड़ा छुआ। अंतिम ओवरों में खराब शॉट सिलेक्शन और लगातार विकेट गिरने से साउथ अफ्रीका बड़ा स्कोर खड़ा करने का मौका गंवा बैठा। ब्रिट्जके ने ट्रिस्टन स्टब्स के साथ चौथे विकेट के लिए 89 रनों की साझेदारी की। आखिरी 10 ओवरों में स्पिनर्स ने पकड़ बनाई ऑस्ट्रेलिया के स्पिनरों ने आखिरी 10 ओवरों में पकड़ बनाई और साउथ अफ्रीका को 280 से नीचे रोक दिया। ऑस्ट्रेलिया ने 7 गेंदबाजों का इस्तेमाल किया, जिनमें से 3 स्पिनर थे। एडम जम्पा, ट्रैविस हेड और मार्नस लाबुशेन ने मिलकर 17 ओवर में 94 रन दिए और 5 विकेट लिए। नाथन एलिस को 2 विकेट नाथन एलिस सबसे सफल तेज गेंदबाज रहे। उन्होंने 46 रन देकर 2 विकेट लिए। जेवियर बार्टलेट ने बेन ड्वार्शुइस की गैरमौजूदगी में अच्छी गेंदबाजी की। अपने तीसरे ह्रष्ठढ्ढ में खेलते हुए बार्टलेट ने नई गेंद संभाली। उन्होंने स्टैंड-इन कप्तान ऐडन मार्करम को चौथी ही गेंद पर मिडविकेट पर कैच करा दिया। वे शून्य के स्कोर पर पवेलियन लौटे। बतौर कप्तान मार्करम का औसत 24.28 रहता है, जबकि कप्तान न होने पर 40.63 का है। टेम्बा बावुमा की चोट (हैमस्ट्रिंग) से वापसी के बाद उनके वर्कलोड को मैनेज करने के लिए उन्हें आराम दिया गया है। रायन रिकेल्टन भी बार्टलेट और जोश हेजलवुड के सामने टिक नहीं सके और बार्टलेट की गेंद पर आउट हो गए। विकेटकीपर जोश इंग्लिस ने बाएं तरफ डाइव लगाकर शानदार कैच लिया। इस समय साउथ अफ्रीका का स्कोर 6वें ओवर में 23/2 था। ब्रिट्जके को जीवनदान ब्रिट्जके सिर्फ 2 रन पर थे, जब उन्होंने हेजलवुड की फुल गेंद हवा में मिड-ऑन की तरफ खेल दी, लेकिन फील्डर बहुत पीछे था। उन्होंने आरोन हार्डी के ओवर में एक चौका सीधा मारा और दो छक्के लेग साइड पर लगा दिए। हार्डी का पहला ओवर 16 रन का रहा। दूसरी तरफ टोनी डि जॉर्जी ने भी 5 चौके लगाकर 38 रन बनाए। ब्रिट्जके और जॉर्जी ने 67 रन जोड़े। लेकिन जॉर्जी, एडम जम्पा को कैच दे बैठे। इसके बाद बल्लेबाजी करने आए ट्रिस्टन स्टब्स और ब्रिट्जके ने 5 ओवर बिना बाउंड्री के निकाले। इसी बीच ब्रिट्जके ने 46 गेंदों में अपना अर्धशतक पूरा किया और स्टब्स को जमने का मौका मिला। स्टब्स ने जम्पा की गेंद पर छक्का मारा और फिर स्पिनरों पर तेजी से बल्लेबाजी शुरू कर दी। उन्होंने जम्पा को स्वीप और पुल करके लगातार चौके लगाए और स्टब्स ने ट्रेविस हेड पर रिवर्स स्वीप खेला। कप्तान मिचेल मार्श ने एलिस को बॉलिंग दी स्टब्स और ब्रिट्जके की साझेदारी रोकने के लिए कप्तान मिचेल मार्श ने ने एलिस को वापस बॉलिंग दी और उनका राउंड-द-विकेट का एंगल काम आया। ब्रिट्जके, जो शानदार बैटिंग कर रहे थे, पुल शॉट में कैरी को कैच दे बैठे और शतक से चूक गए। इसके बाद डेवाल्ड ब्रेविस भी एलिस की शॉर्ट बॉल पर आउट हुए। स्टब्स की फिफ्टी स्टब्स ने 87 बॉल पर 74 रन बनाए। उनके साथ वियान मुल्डर थे, जिन्हें दो बार जीवनदान मिला। पहले मार्श ने उनका कैच छोड़ा और फिर लाबुशेन ने। इसके बाद मुल्डर ने हेजलवुड और बार्टलेट पर चौके लगाए। दोनों की साझेदारी 48 रन की रही और 40वें ओवर तक स्कोर 233/5 हो गया। इसके बाद बड़ा शॉट खेलने की कोशिश में मुल्डर लाबुशेन की गेंद पर ग्रीन को कै दे बैठे। स्टब्स जम्पा पर बड़ा शॉट खेलते हुए आउट हुए। इसके बाद नांद्रे बर्गर भी आउट हो गए और ग्रीन ने चौथा कैच लिया, जो ऑस्ट्रेलिया की ओर से एक मैच में सबसे ज्यादा कैच के रिकॉर्ड की बराबरी थी। केशव महाराज ने नाबाद 22 रन बनाए।

भारतीय टीम एशिया कप में नहीं खेले तो भी हमें परेशानी नहीं - अकरम

लाहौर। पाकिस्तान के पूर्व तेज गेंदबाज वसीम अकरम ने कहा है कि भले ही एशिया कप 2025 में भारत और पाकिस्तान का मुकाबला न हो पाये पर खेल चलते रहने चाहिये। अकरम ने कहा कि एशिया कप का कार्यक्रम घोषित हो गया है और इस पर भारतीय प्रशंसकों की ओर से कड़ी प्रतिक्रिया हो रही है पर हम शांत हैं। हम खेलें या न खेलें, हमें कोई दिक्कत नहीं होगी। खेल जारी रहना चाहिए। इस बार एशिया कप में भारत और पाकिस्तान को ग्रुप ए में यूएई और ओमान के साथ रखा गया है। दोनों टीमों के बीच 14 सितंब को दुबई में मैच खेला जाएगा। वहीं इस मैच का काफी विरोध भी हो रहा है और प्रशंसक इसे रद्द करने की मांग कर रहे हैं। पाक के साथ मैच खेलने को लेकर टीम इंडिया को भारी विरोध का सामना करना पड़ा रहा है क्योंकि क्रिकेट प्रशंसकों का कहना है कि पहलगाम हमले को देखते हुए पाक के साथ सभी सभी प्रकार के खेल संबंध तोड़ देने चाहिये। उनका कहना है कि जिस प्रकार इंडिया चैंपियंस टीम ने लंदन में हुए वर्ल्ड चैंपियनशिप ऑफ लीजेंड्स में पाकिस्तान चैंपियंस के साथ खेलने से इनकार कर दिया था। वैसा ही कुछ एशिया कप में भी होना चाहिये।

एशिया कप में हालांकि भारतीय टीम के खेलने पर फैसला क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) भारत सरकार के निर्देशों के अनुसार करेगा। बीसीसीआई ने एशिया कप के लिए पहले ही सहमति दे दी है इसलिए वह अब मैच के बहिष्कार की बात कहेगा इसकी संभावना काफी कम है। अकरम ने कहा कि भारत में प्रशंसकों के बहिष्कार की अपील से पाकिस्तान परेशान नहीं है और चाहे भारतीय टीम उनके साथ एशिया कप में खेले या नहीं, उन्हें कोई परेशानी नहीं होगी। अकरम ने कहा कि एशिया कप का कार्यक्रम घोषित हो गया है और इस पर भारतीय प्रशंसकों की ओर से कड़ी प्रतिक्रिया हो रही है पर हम शांत हैं। हम खेलें या न खेलें, हमें कोई दिक्कत नहीं होगी। खेल जारी रहना चाहिए। अकरम ने हालांकि कहा कि, वह भारत और पाकिस्तान के बीच एक टेस्ट सीरीज देखना चाहते हैं। गौरतब है कि दोनों टीमों ने एक दशक से ज्यादा समय से कोई द्विपक्षीय सीरीज नहीं खेली है। दोनों टीमों के बीच अंतिम बार टेस्ट सीरीज 2007-08 में हुई थी। उसके बाद मुम्बई आतंकी हमले को देखते हुए बीसीसीसी ने पाक से खेलने से इंकार कर दिया था।

अश्विन ने बताया संन्यास का कारण

चेन्नई। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ बॉर्डर-गावस्कर सीरीज के दौरान अचानक ही संन्यास लेने वाले दिग्गज स्पिनर आर आश्विन ने अब उनके इस फैसले का कारण बताया है। = अश्विन ने अपने प्रशंसकों से कहा कि वह ऑस्ट्रेलिया दौरे में बेंच पर ही बैठे-बैठे थक गये गये थे। ऐसे में उनके पास संन्यास लेने के अलावा कोई और रास्ता नहीं था। अश्विन के संन्यास से उनके प्रशंसक भी सकते में आ गये थे, कई लोगों ने इसके लिए कोच गौतम गंभीर और टीम प्रबंधन को जिम्मेदार बताया था। अश्विन ने संन्यास से पहले राहुल द्रविड़ से मजाक में कहा मुझे लगता है कि यह बस समय की बात थी, और मैं अपनी जिंदगी में कहां खड़ा था, है ना? मुझे लगता है कि मैं काफी बूढ़ा हो गया था, यह

तो मानना ही पड़ेगा।

इसके बाद उन्होंने असली वजहों को बतया और कहा कि विदेशी दौर पर लगातार बैंच पर बैठने की निराशा से वह थक गये थे। अश्विन ने कहा, टूर पर जाना और ज्यादा समय तक बाहर बैठना, आखिरकार मुझ पर हावी हो गया, इससे मेरे मन में खेल से दूर जाने के विचार आने लगे। उन्होंने कहा कि परिवार के साथ समय बिताना भी एक कारण था।

साथ ही कहा, मेरा मतलब यह नहीं है कि मैं टीम में योगदान नहीं देना चाहता, बल्कि आप सोच रहे हैं कि क्या मैं घर पर रहकर बच्चों के साथ समय बिताना पसंद करूंगा। वे भी बड़े हो रहे हैं, और मैं असल में क्या कर रहा हूं? अश्विन ने यह भी खुलासा किया कि उन्होंने अपने अंतरराष्ट्रीय करियर के लिए बहुत पहले ही समय सीमा तय कर ली थी। उन्होंने कहा, मेरे दिमाग में हमेशा से यही था कि मैं 34-35 साल की उम्र में संन्यास ले लूंगा। उन्होंने आगे कहा कि उनका अंतरराष्ट्रीय करियर समाप्त हो गया है पर वह घरेलू क्रिकेट खेलते रहेंगे।

श्रेयस को एकदिवसीय कप्तान बना सकती है बीसीसीआई

मुम्बई। एशिया कप क्रिकेट टूर्नामेंट के लिए टेस्ट कप्तान शुभमन गिल को उप कप्तान बनाने के बाद से ही ये चर्चाएं हैं कि उन्हें आने वाले समय में तीनों ही प्रारुपों की कप्तानी सौंपी पाएगी। वहीं एक अन्य रिपोर्ट के अनुसार ये सही नहीं है। इस रिपोर्ट के अनुसार बोर्ड आने वाले समय में एकदिवसीय प्रारुप की कप्तानी श्रेयस अय्यर को सौंपना चाहता है। इसका कारण ये है कि अय्यर का प्रदर्शन पिछले कुछ समय से 50 ओवर प्रारुप में शानदार रहा है। उन्होंने इस साल की शुरुआत में चैम्पियंस ट्रॉफी में भारतीय टीम की जीत में अहम भूमिका निभाई थी। आईपीएल में वह पंजाब किंग्स की कप्तानी करते हैं और घरेलू क्रिकेट में भी उन्हें कप्तानी का अच्छा अनुभव है। उनके इसी कौशल को देखते हुए बीसीसीआई यह फैसला उन्होंने एकदिवसीय प्रारुप की कमान सौंप सकता है हालांकि चैंपियंस ट्रॉफी में उप-कप्तान शुभमन थे।

बीसीसीआई के एक अधिकारी ने कहा कि देखिए उस समय की परिस्थिति के हिसाब से तब फैसला लिया गया था। इस समय इतना क्रिकेट हो रहा है तो कोई भी खिलाड़ी तीनों प्रारुपों में लगातार कप्तान के तौर पर नहीं खेल सकता है। ऐसे में शुभमन को टेस्ट की कप्तानी दी गई और साथ में टी-20 की उपकप्तानी देकर सबसे छोटे फॉर्मेट के भविष्य के कप्तान के तौर पर उनको देखा जा रहा है। वहीं एकदिवसीय कप्तान रोहित शर्मा अभी एकदिवसीय टीम के कप्तान हैं। वह 38 वर्ष के हो गए हैं और उनके लिए भी समय कम है।

रोहित अभी 2027 विश्व कप तक खेलना चाहते हैं, मगर रिपोर्ट्स हैं कि ऑस्ट्रेलिया दौरे पर होने वाली एकदिवीसय सीरीज रोहित और विराट कोहली दोनों के लिए अंतिम हो सकती है। एशिया कप के बाद आस्ट्रेलिया दौरे पर कप्तानी को लेकर फैसला होगा तभी श्रेयस को कप्तान बनाया जा सकता है। बोर्ड अधिककारी इस मामले में रोहित और विराट से बात करके आगे की रणनीति बताएंगे। रोहित अपने भविष्य पर क्या फैसला लेते हैं उस पर यह तय होगा कि श्रेयस कब कप्तान बनेंगे हालांकि बीसीसीआइ और टीम प्रबंधन श्रेयस को 2027 एकदिवसीय विश्व कप तक कप्तान के तौर पर देख रहा है।

शुभमन अभी पांच टेस्ट मैचों की सीरीज 2-2 से ड्रॉ कराकर आए हैं। पहले इस बारे में सोचा गया था कि उन्हें तीनों प्रारुपों में कप्तान बनाया जाए पर लगातार टूर्नामेंट को देखते हुए यह संभव नहीं है। एक खिलाड़ी के तौर पर तीनों फॉर्मेट में खेलना और एक कप्तान के तौर पर तीनों फॉर्मेट में खेलना अलग बात होती है। कप्तान को बहुत सारे फैसले लेने होते हैं। शारीरिक के अलावा मानसिक तौर पर भी जुटना होता है। अगर आप किसी को कप्तान बनाते हैं तो उम्मीद करते हैं कि वह लगातार उस प्रारुप में खेले।

शुभमन अगले महीने होने वाले एशिया कप में हिस्सा लेंगे, इसके बाद वह अक्टूबर में वेस्टइंडीज के खिलाफ दो मैच की टेस्ट सीरीज में टीम की कप्तानी करेंगे। भारतीय टीम का ऑस्ट्रेलिया दौरे भी 18 अक्टूबर से हो रहा है जहां एकदिवसीय सीरीज के अलावा 5 मैच की टी20 सीरीज भी खेली जानी है। इसके बाद नवंबर में टीम इंडिया साउथ अफ्रीका की मेजबानी भी करेगा। ऐसे में शुभमन पर कामकाज का बोझ भी पड़ सकता है।

दक्षिण अफ्रीक के ब्रीट्जके ने लगातार चार अर्धशतक लगाकर सिद्धू का रिकार्ड तोड़ा

सिडनी। दक्षिण अफ्रीकी बल्लेबाज ब्रीट्जके ने ऑस्ट्रेलिया खिलाफ पहले एकदिवसीय मैच में 78 गेंदो में 88 रनों की पारी खेलने के साथ ही एक अहम रिकार्ड अपने नाम किया है। अब ब्रीट्जके एकदिवसीय में लगातार चार बार पचास से ज्यादा रन बनाने वाले पहले बल्लेबाज बन गए है। इसी के साथ ही उन्होंने भारतीय टीम के पूर्व सलामी बल्लेबाज नवजोत सिंह सिद्धू का 48 साल पुराना रिकॉर्ड तोड़ दिया।

दक्षिण अफ्रीकी बल्लेबाज ब्रीट्जके ने इससे पहले आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी 2025 से पहले पाकिस्तान, दक्षिण अफ्रीका और न्यूजीलैंड के खिलाफ त्रिकोणीय सीरीज में न्यूजीलैंड के खिलाफ अपने पहले एकदिवसीय मैच में भी 150 रन बनाए थे। ब्रीट्जके एक बहुमुखी बल्लेबाज है। उन्होंने अपने पहले एकदिवसीय मैच में सलामी बल्लेबाज के रूप में खेला। फिर अगले मैच में तीसरे नंबर पर बल्लेबाजी की और अब चौथे नंबर पर भी सफलता हासिल की है।

अपनी पहली चार एकदिवसीय पारियो में ब्रीट्जके ने 150, 83, 57 और 88 रनों की पारी खेली है। शुरुआत में ही विपरीत हालातों में भी विरोधियो पर हावी होने की उनकी क्षमता ने उन्हें एक बेहतर बल्लेबाज के रुप में पहचान दी है।

भारत ए और ऑस्ट्रेलिया ए के बीच होने वाली सीरीज खेलना चाहते हैं रोहित

मुम्बई। भारतीय एकदिवसीय क्रिकेट टीम कप्तान रोहित शर्मा ने कहा है कि वह ऑस्ट्रेलिया दौरे से पहले दोनो ही की ए टीमों के बीच होने वाले मुकाबले खेलना चाहते हैं। वहीं इस बात की चर्चाएं हैं कि इस सीरीज के बाद रोहित और विराट कोहली को संन्यास लेना पड़ेगा पर अब जिस प्रकार से रोहित ने भारत ए और ऑस्ट्रेलिया ए के बीच होने वाली सीरीज खेलकर अभ्यास करने का फैसला किया है। उससे लगता नहीं है कि अभी उनका खेल को अलविदा कहने का इरादा है। ऐसे में उनके संन्यास की अटकले लगा रहे लोगों को करारा झटका जरुर लगा है। प्राप्त जानकारी के अनुसार एकदिवसीय प्रारुप के भारतीय टीम के कप्तान रोहित भारत ए और ऑस्ट्रेलिया ए के बीच होने वाले तीन अनौपचारिक एकदिवसीय मैचों में खेलने के इच्छुक हैं। ये तीन मैच 30 सितंबर से 5 अक्टूबर के बीच कानपुर में खेले जाएँगे। ये मुकाबले भारतीय टीम के ऑस्ट्रेलिया दौरे से ठीक पहले होंगे। भारतीय टीम को इस दौरे में 3 एकदिवसीय और 5 टी20 मैच खेलने हैं। रोहित ने अंतिम बार इस साल की शुरुआत में चैंपियंस ट्रॉफी के फाइनल में खेला था। उसके बाद से ही उन्होंने टेस्ट क्रिकेट से संन्यास ले लिया था। रोहित ने अभ्यास भी शुरु कर दिया है। वह मैच फिटनेस के लिए ऑस्ट्रेलिया ए के खिलाफ खेलना चाहते हैं जिससे सीरीज में बेहतर प्रदर्शन कर सकें और ऑस्ट्रेलिया दौरे के लिए कमज़ोर न पड़ें। वहीं एक रिपोर्ट के अनुसार चयनकर्ता 2027 में होने वाले एकदिवसीय विश्व कप के लिए रोहित से आगे देख रहे हैं। वहीं इसमें आगे कहा गया था कि रोहित को एकदिवसीय टीम में जगह बनाने की दौड़ में बने रहने के लिए दिसंबर 2025 में शुरू होने वाली विजय हजारे ट्रॉफी में खेलने के लिए कहा जाएगा।

शुभमन की वापसी से सैमसन को नहीं मिलेगा पारी की शुरुआत का अवसर - रहाणे

मुम्बई। बल्लेबाज अजिंक्य रहाणे ने कहा हे कि शुभमन गिल के एशिया कप के लिए चयन से साफ हो गया है कि अब संजू सैमसन को पारी की शुरुआत का अवसर नहीं मिलेगा। रहाणे के अनुसार शुभमन पिछली बार टीम में नहीं थे इसलिए अभिषेक शर्मा और संजू सैमसन ने पारी की शुरुआत की थी प इस बार वह उपकप्तान के तौर पर वापसी कर रहे हैं। जिससे तय है कि सैमसन पारी की शुरुआत के लिए पहली पसंद नहीं रहेंगे।

शुभमन के टीम में होने से वह अभिषेक शर्मा के साथ पारी की शुरुआत करते दिख सकते हैं। ऐसे में सैमसन को किसी और नंबर पर उतरना पड़ेगा।

रहाणे ने कहा, 卐शुभमन टीम में वापस आ गए हैं, मुझे लगता है कि वह अभिषेक के साथ शुरुआत करेंगे। मैं हालांकि सैमसन को टीम में देखना चाहूंगा क्योंकि उन्होंने वास्तव में अच्छा प्रदर्शन किया है। वह बहुत आत्मविश्वासी व्यक्ति, बहुत अच्छे टीम मैन हैं. मुझे लगता है कि यह बहुत अहम बात है।

उन्होंने आगे कहा, सैमसन एक महान टीम मैन हैं पर यह टीम प्रबंधन के लिए एक बहुत अच्छी समस्या है। मेरी राय में सैमसन बाहर बैठेंगे, हालांकि जैसा मैंने कहा, मैं उन्हें खेलते हुए और अंतिम ग्यारह में देखना चाहूंगा पर वर्तमान हालातों को देखते हुए शुभमन और अभिषेक को ही अवसर मिलेगा।

रहाणे ने कहा है कि वह तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह और अर्शदीप सिंह को एक साथ खेलते देखने को लेकर उत्साहित हैं। उन्होंनें कहा कि 卐मैं वास्तव में इस एशिया कप में जसप्रीत बुमराह और अर्शदीप सिंह को एक साथ गेंदबाजी करते देखने के लिए उत्साहित हूं। हम बुमराह के बारे में ज्यादा बात नहीं करना चाहते। हम सभी जानते हैं कि वह कितने खतरनाक हैं। वहीं बाएं हाथ के युवा तेज गेंदबाज अर्शदीप बहुत आत्मविश्वासी खिलाड़ी हैं, वह गेंद को दोनों तरफ स्विंग कर सकते हैं। वह सीधे और वाइड यॉर्कर भी डाल सकते हैं।卐 रहाणे ने कहा, 卐11वां खिलाड़ी विकेट पर निर्भर करेगा क्योंकि हम दुबई में खेल रहे हैं और वहां के हालातों के अनुसार तय होगा कि स्पिर वरुण चक्रवर्ती और हर्षित राणा में से किसे अवसर मिलेगा।

रहाणे की पसंदीदा अंतिम ग्यारह

शुभमन गिल, अभिषेक शर्मा, तिलक वर्मा, सूर्यकुमार यादव (कप्तान), हार्दिक पांड्या, जितेश शर्मा (विकेटकीपर), अक्षर पटेल, जसप्रीत बुमराह, अर्शदीप सिंह, कुलदीप यादव, वरुण चक्रवर्ती/हर्षित राणा।

अब भारतीय क्रिकेटरों के लिए ब्रोंको टेस्ट लाये कंडीशनिंग कोच रूक्स

मुम्बई। पिछले कुछ समय में अन्य खेलों की तरह ही क्रिकेट में भी फिटनेस को काफी महत्व दिया जा रहा है। फिटनेस का शीर्ष स्तर का बनाये रखने के लिए खिलाड़ियों को प्रशिक्षण दिया जाता है और उसकी जांच के लिए यो-यो सहित कई प्रकार के टेस्ट होते हैं। वहीं भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) अब तक यो यो टेस्ट को ही फिटनेस मानक के रूप में इस्तेमाल करती थी पर अब टीम इंडिया के हेल्थ और स्ट्रेंथ एंड कंडीशनिंग कोच एड्रियन ले रूक्स एक नया ब्रोंको टेस्ट लेकर आए हैं। उनका कहना है कि ब्रोंको टेस्ट भारतीय क्रिकेटरों को और भी मजबूत और फिट बनायेगा। ब्रोंको टेस्ट मुख्य रुप से रग्बी खेल से जुड़ा हुआ है। इससे खिलाड़ियों के फिटनेस स्तर और सहनशक्ति को बढ़ाया जाता है। ब्रोंको टेस्ट में खिलाड़ी को लगातार दौड़ना होता है। पहले 20 मीटर, फिर 40 मीटर और फिर 60 मीटर की दौड़ लगानी होती है। तीनों दौड़ को मिलाकर एक सेट बनाया गया है। टेस्ट के दौरान खिलाड़ियों को ऐसे पांच सेट पूरे करने होते हैं और कुल 1200 मीटर की दौड़ लगानी होती है। सभी पांच सेट 6 मिनट के अंदर पूरे करने होते हैं। कम समय में लगातार दौड़ ही इस टेस्ट को बेहद कठिन बनाता है।

यह टेस्ट विशेष रुप से पर तेज गेंदबाजों के लिए लाया गया है। कोचिंग स्टाफ का मानना है कि खिलाड़ी मैदान से ज्यादा समय जिम में बिता रहे हैं जबकि मैदान पर दौड़ना ज्यादा जरुरी है। इस टेस्ट से यह तय होगा कि तेज गेंदबाज लंबे स्पेल तक बिना थकान के कर पायेंगे। गौरतब है कि ऑस्ट्रेलिया और इंग्लैंड दौरे पर भारतीय तेज गेंदबाजों, खासकर जसप्रीत बुमराह, को लंबे स्पेल करने में परेशानी हुई थी। इंग्लैंड दौरे पर केवल मोहम्मद सिराज ही सभी पांच टेस्ट खेल पाये थे। ऐसे में टेस्ट मैचों में गेंदबाजों की निरंतरता और उनकी ऊर्जा बनाए रखने के लिए ब्रोंको टेस्ट लाया गया है।

एक रिपोर्ट के अनुसार कुछ भारतीय खिलाड़ियों ने बेंगलुरु स्थित बीसीसीआई सेंटर ऑफ एक्सीलेंस में ब्रोंको टेस्ट दिया भी है। बीसीसीआई पहले से ही यो-यो टेस्ट और 2 किलोमीटर टाइम ट्रायल जैसी फिटनेस परीक्षाएं लेती रही है। अब ब्रोंको टेस्ट को भी इन मानकों में शामिल किया गया है। दोनों टेस्ट प्रणालियों को मिलाकर खिलाड़ियों का फिटनेस स्तर देखा जाएगा। कंडीशनिंग कोच रूक्स जून में भारतीय टीम से स्ट्रेंथ एंड कंडीशनिंग कोच के रूप में जुड़े थे।

पाकिस्तान से एशिया कप खेलने के लिए तैयार होने से हैरान हैं मनोज तिवारी

कोलकाता । पूर्व भारतीय क्रिकेटर मनोज तिवारी ने एशिया कप में भारत-पाकिस्तान मैच को लेकर कड़ी आपत्ति जतायी है। तिवारी ने कहा कि पहलगाम आतंकी हमले के बाद भी पाकिस्तान से किस प्रकार मैच खेलने के लिए खेल मंत्रालय तैयार है समझ नहीं आता। एशिया कप में भारत-पाक मुकाबल 14 सितंबर को दुबई में खेला जाएगा। इस मैच को लेकर कई लोगों ने विरोध जताया है पर खेल मंत्रालय का कहना है कि बहुराष्ट्रीय टूर्नामेंट होने के कारण वह इसमें भारतीय टीम को भाग लेने से रोक नहीं सकता है। वहीं प्रशंसकों का मानना है कि जिस प्रकार से रिटायर्ड भारतीय खिलाड़ियों ने हाल ही में विश्व चैंपियनशिप ऑफ लीजेंड्स (डब्लयूसीएल) में पाकिस्तान के खिलाफ अपने मैच खेलने से इंकार कर दिया था वैसा ही कुछ इस बार टीम को करना चाहिये।

मनोज तिवारी ने कहा, मुझे थोड़ा आश्चर्य हो रहा है कि यह मैच होने जा रहा है... पहलगाम हमले के बाद जिसमें कई निर्दोष नागरिक मारे गए थे, और उसके बाद हुए ऑपरेशन सिंदूर के बाद बहुत सी बातें चल रही थीं कि इस बार हम करारा जवाब देंगे। इसके बावजूद कुछ महीनों बाद सब कुछ भुला दिया गया मुझे विश्वास नहीं हो रहा है कि यह मैच हो रहा है, मानव जीवन का मूल्य कैसे शून्य हो सकता है। वे पाकिस्तान के साथ खेलकर क्या हासिल करना चाहते हैं? मानव जीवन का मूल्य खेल से बढ़कर होना चाहिए मेरे मैच देखने का तो सवाल ही नहीं उठता। एशिया कप 2025 के लिए मंगलवार को भारतीय टीम की घोषणा की गई जिसमें कप्तान सूर्यकुमार टीम की कमान संभालेंगे और शुभमन गिल उप-कप्तान होंगे।

इन्वेस्ट मध्यप्रदेश अनंत संभावनाएं | उद्योग एवं रोज़गार वर्ष 2025 | MPSMC

मध्यप्रदेश की खनिज संपदा आत्मनिर्भर भारत की आधारशिला

नरेन्द्र मोदी, प्रधानमंत्री

डॉ. मोहन यादव, मुख्यमंत्री

मध्यप्रदेश माइनिंग कॉन्क्लेव 2.0

खनन क्षेत्र के भविष्य की नई दिशा - क्रमिक । निरंतर । नीतिगत

मुख्य अतिथि
डॉ. मोहन यादव
मुख्यमंत्री, मध्यप्रदेश

23 अगस्त, 2025 । पूर्वाह्न 10:00 बजे
द अरिंदम होटल, कटनी, मध्यप्रदेश

"मध्यप्रदेश खनन और खनिज संसाधनों के क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण केन्द्र के रूप में उभरा है। प्रदेश खनिजों की प्रचुरता और सरकार की निवेश-अनुकूल नीतियों के कारण देश की औद्योगिक प्रगति में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। खनन क्षेत्र न केवल राज्य की अर्थव्यवस्था को सुदृढ़ करेगा, बल्कि देश के औद्योगिक विकास और प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के आत्मनिर्भर भारत मिशन में भी महत्वपूर्ण योगदान देगा। - डॉ. मोहन यादव, मुख्यमंत्री"

राष्ट्रीय उत्पादन में मध्यप्रदेश का योगदान

हीरा एकमात्र उत्पादक प्रदेश
तांबा 73%
रॉक फॉस्फेट 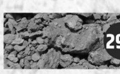 29%
मैंगनीज 26%
चूना पत्थर 9%
कोयला 8%

कॉन्क्लेव के फोकस सेक्टर

- **कोयला और ऊर्जा** – औद्योगिक विकास व विद्युत उत्पादन का आधार
- **ऊर्जा एवं हाइड्रोकार्बन** – आत्मनिर्भर ऊर्जा की दिशा में महत्वपूर्ण संसाधन
- **प्रौद्योगिकीय प्रगति** – डिजिटल, स्मार्ट और आधुनिक खनन समाधान
- **क्रिटिकल मिनरल्स** – भविष्य की अर्थव्यवस्था के लिए आवश्यक आधार
- **चूना पत्थर और सीमेंट** – निर्माण और अधोसंरचना विकास की रीढ़
- **खनिज एवं खनिज उत्पाद** – आधुनिक खनन तकनीकों और खनन क्षेत्र में डिजिटलीकरण पर विशेष प्रदर्शनी

आइए, मध्यप्रदेश माइनिंग कॉन्क्लेव 2025 का हिस्सा बनें और भविष्य के अवसरों से जुड़ें

मध्यप्रदेश जनसंपर्क द्वारा जारी
आकल्पन : म.प्र. माध्यम/2025

सीधा प्रसारण @Cmmadhyapradesh @jansampark.madhyapradesh | @Cmmadhypradesh @jansamparkMP | JansamparkMP

IN PARTNERSHIP WITH Deloitte. | CII Confederation of Indian Industry | mpt Hotels & Resorts

D11087/25

लांजी नगर परिषद में हो जल्द हो सकता है तख्ता पलट?

उपाध्यक्ष ने खुद अपनी ही पार्टी की अध्यक्ष पर लगाए भृष्टाचार के आरोप, 15 में से 12 पार्षदों ने अपर कलेक्टर के समक्ष प्रस्तुत किया अविश्वास प्रस्ताव, रूठो को मनाने के लिए पहुचे बीजेपी के कई पदाधिकारी, पार्षदों ने नही मानी उनकी बात, पेश किया अविश्वास प्रस्ताव

बालाघाट(पद्मेश न्यूज)। नगर परिषद लांजी में तख्तापलट के आसार बन रहे हैं। जहां के न केवल विपक्षी पार्षद बल्कि उपाध्यक्ष सहित सत्ता पक्ष के पार्षदों का भी नगर परिषद अध्यक्ष के प्रति भारी विरोध देखा जा रहा है।शायद यही वजह है कि सत्ता पक्ष और विपक्ष को मिलाकर नगर परिषद लांजी के 15 में से 12 पार्षदों ने नगर परिषद अध्यक्ष श्रीमती रेखा ताराचंद कालबेले के खिलाफ अपना अविश्वास जताते हुए अध्यक्ष को पद से हटाने की मांग की है।जहां उन्होंने अपनी इस मांग के अनुरूप नगर परिषद अध्यक्ष के खिलाफ अविश्वास जताते हुए शुक्रवार को कलेक्टर कार्यालय में उपस्थित होकर अपर कलेक्टर को अविश्वास प्रस्ताव सौपा है।जिसमें उन्होंने नगर परिषद अध्यक्ष श्रीमती रेखा कालबेले को मध्य प्रदेश नगर पालिका अधिनियम 1961 की धारा 43 (क), उपधारा 01 और 02 के अंतर्गत अध्यक्ष को पद से हटाने और नगर परिषद लांजी में अध्यक्ष पद के लिए पुनः चुनाव संपन्न कराकर नया अध्यक्ष नियुक्त किए जाने की मांग की है।

मान मनव्वल का भी नहीं हुआ असर

नगर परिषद अध्यक्ष के खिलाफ अपना अविश्वास जताते हुए अध्यक्ष और दो अन्य पार्षदों को छोड़कर, बाकी सभी 12 सत्ता पक्ष व विपक्षी पार्षदों ने, नगर परिषद अध्यक्ष श्रीमती रेखा कालबेले को पद से पृथक कर जल्द से जल्द अध्यक्ष पद के लिए निर्वाचन कराकर, नए अध्यक्ष की नियुक्ति किए जाने की मांग की है।अपनी इस मांग को लेकर पार्षदों ने न सिर्फ अपर कलेक्टर से मुलाकात कर उन्हें अविश्वास प्रस्ताव सौपा है।बल्कि अपने बयान भी दर्ज कराए हैं। इस दौरान मान मनव्वल की स्थिति भी कलेक्ट्रेट में देखने को मिली।जहां जैसे ही पार्षदों के कलेक्टर कार्यालय में पहुंचने की जानकारी लगी,वैसे ही भारतीय जनता पार्टी से जुड़े 5-6 पदाधिकारी कलेक्ट्रेट कार्यालय पहुंच गए और उन्होंने सत्ता पक्ष के रूठे हुए पार्षदों को समझाईश देकर, मनाने का प्रयास भी किया। लेकिन पार्षद नहीं माने और उन्होंने अपने फैसले पर अड़िग रहते हुए अध्यक्ष को पद से हटाने के लिए अपना अविश्वास प्रस्ताव सौंप दिया। बताया गया कि जल्द ही जिला प्रशासन द्वारा वैधानिक प्रक्रिया अपनाकर अध्यक्ष पद के लिए फैसला लिया जाएगा।

इन पार्षदों ने अध्यक्ष के खिलाफ जताया अविश्वास

अपर कलेक्टर से की गई इस मुलाकात के दौरान नगर परिषद लांजी वार्ड नंबर 2 पार्षद श्रीमती विभा तिवारी, वार्ड नंबर 9 पार्षद किशोर रामटेक्कर के अलावा, स्वयं अध्यक्ष रेखा कालबेले को छोड़कर बाकी सभी सत्ता पक्ष और विपक्षी पार्षदों ने अध्यक्ष के खिलाफ अपना अविश्वास जताया है। जिन्होंने अध्यक्ष को पद से हटाने की मांग की है। इसमें वार्ड नंबर 01 पार्षद संजय सैय्याम, वार्ड नंबर 3 की पार्षद श्रीमती पूनम आसटकर, वार्ड नंबर 4 पार्षद श्रीमती प्रेमलता खोब्रागडे, वार्ड नंबर 5 की पार्षद श्रीमती कल्पना डोलस, वार्ड नंबर 6 की पार्षद श्रीमती तेजेश्वरी गोधुले, वार्ड नंबर 8 की पार्षद श्रीमती शिखा गोस्वामी, वार्ड नंबर 10 पार्षद विजय गोस्वामी, वार्ड नंबर 11 के पार्षद एवं नगर परिषद नेता प्रतिपक्ष सौरभ पशीने, वार्ड नंबर 12 पार्षद मुकेश रणदिवे, वार्ड नंबर 13 पार्षद, एंव नगर परिषद उपाध्यक्ष संदीप कुमार रामटेक्कर, वार्ड नंबर 14 पार्षद दिनेश कचवाहे, और वार्ड नंबर 15 पार्षद श्रीमती कस्तूरा वाकड़े ने सामूहिक रूप से अविश्वास प्रस्ताव पेश कर अध्यक्ष को पद से पृथक किए जाने और जल्द से जल्द अध्यक्ष के लिए पुनः निर्वाचन कराकर नए अध्यक्ष की नियुक्ति किए जाने की मांग की है।

अध्यक्ष ने किए हैं कई भ्रष्टाचार, शिकायत पर भी नहीं हुई कार्रवाई- संदीप

नगर परिषद लांजी उपाध्यक्ष संदीप कुमार रामटेक्कर ने बताया कि हमने 12 पार्षदों के साथ संयुक्त रूप से कलेक्टर को अविश्वास प्रस्ताव पेश किया है। जिसमें अध्यक्ष को पद से हटाने की मांग की है।हमे जनता द्वारा नगर व वार्डों के विकास के लिए चुनकर परिषद भेजा जाता है पर अध्यक्ष की लांजी के विकास कार्यों में रुचि नहीं है। जुलाई 2022 से हमारा निर्वाचन हुआ है लेकिन इन 02 वर्षों में कुछ भी विकास कार्य नहीं हुआ।जब बात विकास कार्यों की आती है तो चाहे वह भाजपा के हो या कांग्रेस के सभी को एकजुट होना पड़ता है। हमने अध्यक्ष की शिकायत पार्टी संगठन से भी की है।पिछले 2 वर्षों से हम उनकी शिकायत कर रहे हैं पार्टी संगठन ने भी इस पर संज्ञान लेते हुए अपने स्तर से अध्यक्ष को समझाईश का प्रयास किया है लेकिन जब कोई सुधरना ही नहीं चाहता,तो कोई क्या कर सकता है। अध्यक्ष मैडम विकास कार्यों में रुचि नहीं लेती। साथ ही उन्होंने अनेक भ्रष्टाचार किए हैं।हमारे निर्वाचित प्रतिनिधियों के साथ अभद्र व्यवहार किया जाता है। एक सवाल का जवाब देते हुए उन्होंने बताया कि आज जब हम कलेक्टर कार्यालय पहुंचे तो संगठन के कुछ पदाधिकारी हमसे मिलने कलेक्ट्रेट आए हैं। उनसे चर्चा हुई है और आगे भी चर्चा होगी। लेकिन हम अपने अविश्वास प्रस्ताव पर अड़िग है। यह लड़ाई सत्ता पक्ष या विपक्ष की नहीं, बल्कि विकास कार्यों की है। अध्यक्ष भ्रष्टाचार में लिप्त है इसके पूर्व पाउडर खरीदी में भ्रष्टाचार किया गया।शासकीय संपत्ति एसी का उपयोग परिषद अध्यक्ष अपने घर में कर रही है। इसके अलावा अन्य भ्रष्टाचार उनके द्वारा किए गए हैं। जिसकी शिकायत समय-समय पर हमने कलेक्टर कार्यालय में आकर की है। लेकिन उन पर कोई कार्यवाही नहीं। साथ ही वार्ड व लांजी का विकास कार्य भी रुक गया है। इसीलिए हम समस्त पार्षदों ने एकजुट होकर अध्यक्ष को पद से हटाने का फैसला लिया है और उनके खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव लाया है।

भाजपा कांग्रेस, आम आदमी पार्टी और निर्दलीय पार्षद हमारे साथ है- सौरभ

वार्ड नं 11 पार्षद एंव नेता प्रतिपक्ष सौरभ पशीने ने बताया कि नगर परिषद लांजी के हम 12 पार्षदों ने मिलकर अध्यक्ष के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव लाया है। क्योंकि नगर में जिस रफ्तार से विकास कार्य होना चाहिए, वह नहीं हो रहे हैं।कामों के टेंडर नहीं लग रहे हैं, हर कामों में अध्यक्ष पति का हस्तक्षेप रहता है, वार्ड में विकास कार्य नहीं हो रहे हैं।जिसपर जनता हमसे सवाल कर रही है हम उनके जवाब नहीं दे पा रहे हैं।हम परिषद में विकास कार्यों को लेकर हल्ला करते हैं फिर भी कोई विकाश कार्य नहीं हो रहा है। इसीलिए हम सभी 12 पार्षदों ने सामूहिक रूप से अध्यक्ष को हटाने का निर्णय लिया है। कलेक्टर से मिलकर अपर कलेक्टर के पास सभी 12 पार्षदों ने अपने बयान दर्ज कराए हैं। हमारे साथ भाजपा के 06, कांग्रेस के 03,निर्दलीय 02 और 01 आम आदमी पार्टी की पार्षद को मिलाकर कुल 12 पार्षद हैं जिन्होंने अध्यक्ष के खिलाफ अपना अविश्वास जताते हुए, उन्हें पद से हटाकर नए अध्यक्ष नियुक्ति की मांग की है।

शराबी व्यक्ति ने अपनी पत्नी को जलती लकड़ी से मारपीट कर जलाया प्राइवेट पार्ट

लालबर्रा थाने के ग्राम बगदई की घटना, घायल महिला जिला अस्पताल में भर्ती, घटना के बाद शराबी व्यक्ति कंकर फरार, लालबर्रा पुलिस कर रही है तलाश

बालाघाट(पद्मेश न्यूज)। शराब के नशे में दूध एक व्यक्ति ने अपनी पत्नी को जलती लकड़ी से मारपीट करने के बाद उसके प्राइवेट पार्ट को आग से जला दिया। यह घटना लालबर्रा थाना क्षेत्र में आने वाले ग्राम बगदई में हुई। प्राइवेट पार्ट झुलसने से घायल

35 वर्षीय महिला को जिला अस्पताल बालाघाट में भर्ती किया गया। घटना के बाद इस महिला का पति कंकर पिता जगत जगत उइके 40 वर्ष फरार बताया गया है। जिसे शीघ्र गिरफ्तार की जाने की बात लालबर्रा पुलिस द्वारा कही जा रही है। प्राप्त जानकारी के अनुसार कंकर उइके मूल रूप से मंगरा टोला का रहने वाला है और उसकी पत्नी का मायका ग्राम बगदई का ही है। 15 वर्ष पहले इस महिला की शादी कंकर उइके से हुई थी और शादी के बाद दोनों पति-पत्नी बगदई में ही आकर बस गये थे।और दोनों पति-पत्नी खेती मजदूरी करने लगे थे जिन्होंने ग्राम बगदई के आवास टोला में ही अपना मकान बना लिए थे। ग्राम बगदई में ही इस महिला के भाई और बहन बस्ती में रहते हैं। बताया गया है कि महिला ने एक बेटी और एक बेटा को जन्म दी थी किंतु दोनों बच्चे जन्म के कुछ दिन बाद ही चल बसे। पिछले कुछ साल से कंकर उइके शराब पीकर अपनी पत्नी इस महिला को परेशान और मारपीट करने लगा था किंतु इस संबंध में महिला ने कोई रिपोर्ट नहीं की थी। 15 अगस्त की रात्रि में कंकर उइके शराब पीकर घर आया और विवाद करने लगा था जिसे महिला ने उसे बोली की तुम दारू पीकर क्यों आए हो। महिला के यह कहने के साथ ही कंकर उइके आवेश में आ गया और उसने वही जल रहे चूल्हे से जलती लकड़ी निकाल कर महिला को मारपीट किया और उसके प्राइवेट पार्ट को जला दिया उसके बाद कंकर उइके ने उसके दोनों स्तन को भी जलती लकड़ी से मार कर चला दिया।महिला चीखते चिल्लाते रही किंतु मकान दूरी में होने के कारण किसी ने उसकी आवाज नहीं सुनी। रात भर यह महिला अपने घर में पड़ी रही यहां तक की दूसरे दिन भी चंद्रकला घर में रही साथ मे कंकर उइके भी रहा किन्तु कंकर उइके ने उसका इलाज नही करवाया। 2 दिन घर में रहने के बाद 18 अगस्त को यह महिला गांव में रहने वाली अपनी बहन येशूला बाई के घर पहुंची वहा भी वह दो दिन रही। 20 अगस्त को जब इस घटना के संबंध समूह की अध्यक्ष तेजवंती उइके को मालूम हुआ तब वह इस महिला से मिली और 108 एंबुलेंस को बुलाकर उसे लालबर्रा के अस्पताल में भर्ती किये थे। सूचना मिलती है लालबर्रा पुलिस ने अस्पताल पहुंचकर महिला के बयान लिए और उसके बाद लालबर्रा के अस्पताल से महिला को प्राथमिक उपचार के बाद बेहतर उपचार हेतु जिला अस्पताल बालाघाट रेफर किया गया है। इस संबंध में लालबर्रा थाना प्रभारी सुनील चतुर्वेदी ने दूरभाष पर पद्मेश न्यूज़ को बताया कि इस मामले में महिला के पति कंकर उइके के विरुद्ध हत्या का प्रयास करने के आरोप में अपराध दर्ज कर लिया गया है जिसे शीघ्र ही गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

नगर के निजी होटल में कोतवाली पुलिस ने दी दबिश

15 युवक जुआ खेलते गिरफ्तार-44500 रुपये, 17 मोबाइल जप्त

बालाघाट(पद्मेश न्यूज)। कोतवाली पुलिस ने बीती रात नगर के एक होटल में दबिश देकर 15 युवको को जुआ खेलते हुए रंगे हाथ गिरफ्तार किए। जिनके पास से नगद 44500 रुपये, ताश के 52 पत्ते एवं 17 मोबाइल जप्त किए हैं। जिनकी कीमत 7,42,500 रुपये बताई गई है। सभी युवको के विरुद्ध पब्लिक गैम्बलिंग एक्ट के तहत कार्रवाई की गई है। कोतवाली पुलिस के मुताबिक 21 अगस्त की रात्री मुखबिर से सूचना मिली कि नगर के एक होटल में कुछ युवकों द्वारा ताश के पत्तो पर हार जीत का दाव लगाकर जुआ खेला जा रहा है। इस सूचना पर कोतवाली थाना प्रभारी निरीक्षक विजय राजपूत के नेतृत्व में पुलिस टीम द्वारा होटल में दबिश दी गई। होटल के एक कमरे में 15 युवक जुआ खेलते रंगे हाथ गिरफ्तार किए गए। जिनके कब्जे एवं फ? से 44500 रुपए एवं ताश की 52 पत्ते के अलावा 17 मोबाइल जप्त किए गए ।जप्त 17 मोबाइल की कीमत 7,42,500 रूपये बताई गई है। जुआ खेलते गिरफ्तार 15 युवकों के विरुद्ध धारा 13 मध्य प्रदेश पब्लिक गैम्बलिंग एक्ट 1976 के तहत कार्रवाई की गई है।

पैसा ठीक होने के बाद देना
शादी से पहले एवं शादी के बाद
उम्र की अधिकता से कमजोर सेक्स, शीघ्रपतन, स्वप्नदोष, लिंग का छोटापन, टेडापन, निःसंतान, शुक्राणुओं की कमी, शुगर से आयी कमजोरी आदि सभी सेक्स समस्याओं का शर्तिया ईलाज किया जाता है।
पता-जगजीवन आयुर्वेदिक दवाखाना
गुरूनानक पेट्रोल पंप के सामने समाजवाड़ी रोड, बालाघाट, मो. 9243880464

AICTE भारत सरकार द्वारा मान्यता प्राप्त एवं RGPV & DTE भोपाल से सम्बध्द
सतपुड़ा इंजीनियरिंग & पॉलिटेक्निक कॉलेज
प्रवेश प्रारंभ
B.Tech. & Polytechnic
▷ COMPUTER SCIENCE ENGINEERING
▷ MINING ENGINEERING
▷ CIVIL ENGINEERING
▷ MECHANICAL ENGINEERING
▷ ELECTRICAL ENGINEERING
Lateral Entry Admission NEP 2020 के तहत किसी भी ब्रांच से डिप्लोमा/B.Sc. (Maths) उत्तीर्ण छात्रों का B.Tech. एवं ITI उत्तीर्ण छात्रों का पॉलिटेक्निक के
द्वितीय वर्ष में सीधे प्रवेश
सतपुड़ा कैम्पस, लालबर्रा रोड, गर्रा, बालाघाट
6262604111, 9425836824

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक एवं प्रकाशक उमेश बागरेचा द्वारा पद्मेश पब्लिकेशन, वार्ड नं.9, गुजरी चौक, बालाघाट (म.प्र.) से मुद्रित कराकर काली पुतली चौक, बालाघाट से प्रकाशित, संपादक- उमेश बागरेचा, मो.नं. - ९४२५१३८७१० रजि. नं. एम.पी. एच. आई. एन. /२००९/३२३११, न्यायालयीन क्षेत्राधिकार बालाघाट